THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 155 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) भाद्रपद कृ.7 2079 **गुरुवार, 18 अगस्त 2022**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर **पृष्ठ : 14** **मूल्य : 8 रुपये**

मथुरा में कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव शुरू

मथुरा, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भगवान श्रीकृष्ण की जन्मभूमि मथुरा में जन्माष्टमी 19 अगस्त को मनाई जाएगी। मंदिरों के शहर वृंदावन में एक हफ्ते पहले से ही कृष्ण जन्मोत्सव की धूम है। 2 लाख से ज्यादा श्रद्धालु पहुंच चुके हैं। बुधवार सुबह 7 बजकर 30 मिनट पर जब बिहारी जी के मंदिर के कपाट खुले तो पूरा मंदिर परिसर भक्तों से भर गया। जन्माष्टमी से पहले वृंदावन की गलियां कान्हा के रंग डूब चुकी हैं। बांके बिहारी मंदिर के पास दुकानों में सुंदर लड्डू गोपाल सजे हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित अजय तैलंग के अनुसार जन्माष्टमी पर शुभ उदय तिथि 19 अगस्त को ही है। श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पर इस दफा 51 मिनट तक अभिजीत मुहूर्त रहेगा। इसकी टाइमिंग 12 बजकर 5 मिनट से 12 बजकर 56 मिनट तक है।

भाजपा संसदीय बोर्ड से

गडकरी और शिवराज की छुट्टी

* येदियुरप्पा, के.लक्ष्मण को जगह * 15 सदस्यीय चुनाव समिति का भी ऐलान

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। भाजपा ने बुधवार को नए संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति का ऐलान किया है। 11 सदस्यों वाली संसदीय बोर्ड से मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान और केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी को हटा दिया गया है। शिवराज सिंह चौहान को 2013 में बोर्ड में शामिल किया गया था।

नए संसदीय बोर्ड में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह के अलावा सर्वानंद सोनोवाल, बीएस येदियुरप्पा, के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया और पार्टी सचिव बीएल संतोष को जगह मिली है। संसदीय बोर्ड और चुनाव समिति में एक भी सीएम को जगह नहीं मिली है।न

15 सदस्यों की केंद्रीय चुनाव समिति

इसके साथ ही बीजेपी ने 15 सदस्यों की केंद्रीय चुनाव समिति का गठन किया है। इसमें पीएम मोदी, जेपी नड्डा, अमित शाह, राजनाथ सिंह के अलावा बीएस येदियुरप्पा, के लक्ष्मण, इकबाल सिंह लालपुरा, सुधा यादव, सत्यनारायण जटिया, भूपेंद्र यादव, देवेंद्र फडणवीस, ओम माथुर, बीएल संतोष और वनथी श्रीनिवास को जगह दी गई है।

भाजपा संसदीय बोर्ड के गठन का मायने

नार्थ ईस्ट को पहली बार प्रतिनिधित्व: नार्थ ईस्ट से सर्बानंद सोनोवाल को स्थान मिला है। वह असम के पूर्व मुख्यमंत्री रह चुके हैं। फिलहाल केंद्र में मंत्री है। नार्थ ईस्ट में उनका प्रभाव भी है। अगले साल नार्थ ईस्ट के कई राज्यों में चुनाव होंगे, जिसका सीधे तौर पर बीजेपी को फायदा मिलेगा। पहली बार नार्थ ईस्ट से किसी व्यक्ति को संसदीय बोर्ड में शामिल किया गया है। सुधा यादव भरेंगी सुषमा स्वराज की जगह: सुषमा स्वराज के देहांत के बाद भाजपा संसदीय बोर्ड में महिला की कमी खल रही थी। उस कमी को पूरा करने के लिए भाजपा ने हरियाणा से आने वाली सुधा यादव को शामिल किया है।

सुधा यादव ओबीसी से आती है। भाजपा का निशाना पूरे देश के ओबीसी पर है। इसको देखते हुए सुधा यादव को संसदीय बोर्ड में स्थान मिला है। इतना नहीं बल्कि सुधा यादव कारगिल शहीद की पत्नी है। इसके लिए सैनिक परिवारों में भी भाजपा की ओर से एक बड़ा संदेश देने की कोशिश की गई है। सुधा यादव अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के कार्यकाल के दौरान सांसद रह चुकी हैं। दलित के जरिए सियासी मैसेज:अगले साल मध्य प्रदेश में विधानसभा चुनाव होने है। ऐसे में मध्य प्रदेश से आने वाले राज्यसभा सांसद सत्य नारायण जटिया को भाजपा ने संसदीय बोर्ड में शामिल करके बड़ा सियासी मैसेज दिया है। पहले मध्य प्रदेश से संसदीय बोर्ड में दलित चेहरे के तौर पर थावर चंद गहलोत हुआ करते थे, जिन्हें बीजेपी ने राज्यपाल बना दिया। उनके अलावा मध्य प्रदेश के सीएम शिवराज चौहान थे, लेकिन उन्हें हटाकर भाजपा ने दलित चेहरे को ज्यादा पंसद किया है।

अल्पसंख्यक के नाम पर इकबाल

इकबाल सिंह पूर्व आईपीएस हैं, जिन्होंने 2012 में बीजेपी जॉइन की। इसके पहले ये नेशनल कमिशन फॉर माइनॉरिटी के चेयरमैन भी रहे हैं। ये बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता रह चुके हैं। जब पंजाब में आतंकवाद का दौर था तब इकबाल सिंह एक्टिव पुलिस अफसर को रूप में सेवाएं दे रहे थे। इकबाल की बीजेपी के संसदीय बोर्ड में एंट्री से बीजेपी पंजाब के वोटर को खुश करना चाहती है। वहीं देशभर में फैले सिख समुदाय के लिए ये मैसेज देने की कोशिश है।

दक्षिण भारत से येदि और लक्ष्मण

येदियुरप्पा कर्नाटक के सबसे ज्यादा चार बार मुख्यमंत्री रह चुके हैं। और तीन बार नेता विपक्ष रहे हैं। कर्नाटक के अलावा येदुरप्पा का दक्षिण में अच्छा खासा प्रभाव है। मुख्यमंत्री पद के हटाए जाने के बाद अब येदुरप्पा को संसदीय बोर्ड में लाया गया है। ये उन्हें संतुष्ट करने की कोशिश लगती है। वहीं दूसरी तरफ दक्षिण में पैठ बनाने की कोशिश कर रही बीजेपी के लिए येदुरप्पा का चेहरा काम आ सकता है। डॉ. के. लक्ष्मण फिलहाल बीजेपी के ओबीसी मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। ये तेलंगाना राज्य से आते हैं और राज्य की इकाई के अध्यक्ष भी रह चुके हैं।

बीजेपी तेलंगाना के चंद्रशेखर राव को चुनौती देना चाहती है और इस काम में के लक्ष्मण अहम भूमिका निभा सकते हैं। इसके अलावा लक्ष्मण ओबीसी वोट बैंक भी साध सकते हैं।

कश्मीर में बढ़ सकती है टारगेट किलिंग

हर घर तिरंगा अभियान के बाद निशाने पर कश्मीरी पंडित

ऑपरेशन रेड वेव से 200 लोग हिट लिस्ट में

श्रीनगर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। आजादी के अमृत महोत्सव के दौरान घाटी में जगह-जगह तिरंगा फहराए जाने से भड़के आतंकी कश्मीरी पंडितों को निशाना बना सकते हैं। गृह मंत्रालय ने इसको लेकर चेतावनी जारी कर दी है। मंगलवार को शोपियां में दो कश्मीरी पंडितों पर अटैक होने के बाद सुरक्षा एजेंसियों को भी सतर्क रहने के लिए कहा गया है।

इधर, शोपियां में कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद जम्मू में केंद्र सरकार के खिलाफ प्रदर्शन शुरू हो गया है। शोपियां में कश्मीरी पंडित की हत्या के बाद श्रीनगर स्थित कश्मीरी पंडित संघर्ष समिति के अध्यक्ष संजय कुमार टिक्कू ने सभी पंडितों को घाटी छोड़ने के लिए कहा। उन्होंने अपने बयान में कहा- कश्मीर घाटी में कोई भी कश्मीरी पंडित सुरक्षित नहीं है। कश्मीरी पंडितों के लिए, केवल एक ही विकल्प बचा है कि वह कश्मीर छोड़ दें या धार्मिक कट्टरपंथियों द्वारा मारे जाएं, जिन्हें स्थानीय आबादी का समर्थन प्राप्त है। शोपियां में मंगलवार को जिन दो भाइयों पर हमला हुआ।

उनमें से एक घायल हो गया, जबकि सुनील कुमार की मौत हो गई। वहीं हमले के बाद अल बद्र ने बयान जारी कर कहा है- तिरंगा रैली के लिए दोनों भाइयों ने लोगों को प्रोत्साहित किया था, जिस वजह से उस पर हमला किया गया।खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान कश्मीर में टारगेट किलिंग के लिए ऑपरेशन रेड वेव चला रहा है। 1980-90 के दशक में ऑपरेशन टुपाक या टोपाक चलाया था।

24 को पीएम मोदी पंजाब में

मोहाली में अस्पताल का उद्घाटन करेंगे; आप सरकार में पहला दौरा, कांग्रेस के वक्त सुरक्षा चूक हुई थी

चंडीगढ़, 17 अगस्त (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 24 अगस्त को पंजाब आएंगे। वह मोहाली के मुल्लापुर में टाटा मैमोरियल अस्पताल का उद्घाटन करेंगे। यह अस्पताल होमी भाभा कैंसर अस्पताल एवं खोज केंद्र के नाम से बना है। जिसमें कैंसर के मरीजों को किफायती इलाज मिलेगा। पीएम मोदी का यह दौरा उनकी सुरक्षा के लिहाज से अहम होगा।

वह पंजाब में आम आदमी पार्टी सरकार बनने के बाद पहली बार पंजाब आएंगे। इससे पहले कांग्रेस सरकार और चरणजीत चन्नी के सीएम रहते उनकी सुरक्षा में चूक हो गई थी। जिसके बाद वह वापस लौट गए थे। इसके बाद वह चुनाव आचार संहिता के दौरान रैली करने पंजाब आए थे। होमी भाभा कैंसर हॉस्पिटल में 300 बैड की क्षमता है। इसमें सर्जिकल ओंकोलॉजी, मेडिकल ओंकोलॉजी, रेडिएशन ओंकोलॉजी, प्रिवेंटिव ओंकोलॉजी, एनेस्थिसिया के ओपीडी की शुरूआत की जा चुकी है। इसके अलावा एमआरआई, सीटी, मैमोग्राफी, डिजिटल रेडियोग्राफी, जैसी आधुनिक सहूलियतें भी यहां उपलब्ध हैं। सेंटर में बायोप्सी और सुपरफिशियल सर्जरी के लिए कीमोथैरेपी और मामूली ओटी के लिए डे केयर की सहूलियत भी है। प्रबंधकों के मुताबिक 6 महीने में यह अस्पताल पूरी तरह बनकर तैयार हो जाएगा।

दिल्ली एचसी की बाबा रामदेव को फटकार

कहा-लोगों को गुमराह न करें, बाइडेन के कोरोना पॉजिटिव होने को मेडिकल साइंस का फैलियर बताया था

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने बुधवार को योग गुरु बाबा रामदेव को फटकार लगाई है। कोर्ट ने कहा-लोगों को गुमराह नहीं करें। जो ऑफिशियल जानकारी है, उससे ज्यादा कुछ न कहें। कोविड वैक्सीन लगने के बाद भी अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन कोरोना संक्रमित हुए थे। रामदेव ने इसे चिकित्सा विज्ञान की विफलता बताया था। रामदेव द्वारा एलोपैथी के खिलाफ बयान देने पर विभिन्न डॉक्टरों के संघों ने मुकदमा दायर किया था। इसकी सुनवाई करते हुए जस्टिस अनूप जयराम भम्बानी ने कहा-आयुर्वेद एक मान्यता प्राप्त, प्राचीन चिकित्सा पद्धति है। आयुर्वेद के अच्छे नाम को नुकसान नहीं पहुंचाएं। रामदेव ने अंतरराष्ट्रीय नेताओं का नाम अपने बयान में लिया है, उन नेताओं और उनके देशों से हमारे संबंध हैं। ऐसे बयान विदेशों के साथ हमारे अच्छे संबंधों को प्रभावित करेगा।

अजीत डोभाल की सुरक्षा में चूक पर एक्शन

तीन कमांडो बर्खास्त डीआईजी और कमांडेंट का ट्रांसफर; एनएसए के घर में घुसने की कोशिश हुई थी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल की सुरक्षा में हुई चूक के मामले में सीआईएसएफ के 3 कमांडो को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है। इसके अलावा डीआईजी और कमांडेंट रैंक के दो अफसरों का ट्रांसफर कर दिया गया है। गृह मंत्रालय के अफसरों ने इसकी जानकारी दी है।

मामला फरवरी 2022 का है, जब एक संदिग्ध शख्स कार लेकर डोभाल के दिल्ली स्थित सरकारी आवास में घुसने की कोशिश कर रहा था। हालांकि मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मियों ने उसे गिरफ्तार कर लिया था। पकड़े जाने के बाद उसने कहा कि उसकी बॉडी में चिप लगी है और रिमोट से चलाया जा रहा है। जांच में उसकी बॉडी में कोई चिप नहीं मिली।

आरोपी 16 फरवरी को सुबह करीब 7 बजकर 45 मिनट पर कार रेड कलर की एसयूवी लेकर पहुंचा था। उसने पूछताछ में बताया कि वह कर्नाटक का रहने वाला है और किराए की कार चला रहा था। उसकी पहचान बेंगलुरु के शांतनु रेड्डी के तौर पर हुई थी। पुलिस के मुताबिक उसकी मानसिक हालत ठीक नहीं लग रही थी। दिल्ली पुलिस की स्पेशल टीम ने उससे पूछताछ की थी।

पूरा देश देख रहा बातों और कामों में अंतर : राहुल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को बिलकिस बानो मामले में दोषियों की रिहाई को लेकर पीएम मोदी पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, पूरा देश प्रधानमंत्री की बातों और कामों में अंतर देख रहा है। राहुल गांधी ने कहा, इस तरह देश की महिलाओं को क्या संदेश दे रहे हैं? उन्होंने लिखा, प्रधानमंत्री जी, पूरा देश आपकी कथनी और करनी में अंतर देख रहा है।

दरअसल, 2002 में गुजरात दंगों के दौरान गर्भवती महिला बिलकिस बानो से दुष्कर्म किया गया था। इसके बाद परिवार के सात सदस्यों की हत्या की गई थी। अदालत ने इस मामले में 11 लोगों को सजा सुनाई थी। हालांकि, सभी दोषियों को छूट नीति के तहत रिहा कर दिया। के फैसलों से देश की महिलाओं में क्या संदेश जाता है?

राहुल गांधी ने ट्वीट किया, 5 महीने की गर्भवती महिला से बलात्कार और उसकी 3 साल की बच्ची की हत्या करने वालों को 'आज़ादी के अमृत महोत्सव' के दौरान रिहा किया गया। नारी शक्ति की झूठी बातें करने वाले

केटीआर ने की हस्तक्षेप की मांग

उधर, तेलंगाना के मंत्री के टी रामाराव ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस मामले में हस्तक्षेप की मांग की है।

उन्होंने कहा कि बिलकिस बानो सामूहिक दुष्कर्म और उसके परिजनों की हत्या के मामले में 11 दोषियों को छूट देने के गुजरात सरकार के फैसले पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तुरंत हस्तक्षेप करना चाहिए। रामाराव ने ट्वीट में कहा, प्रधानमंत्री जी, यदि आपका वास्तव में वही मतलब था जो आपने महिलाओं के सम्मान के बारे में कहा था, तो आपसे आग्रह है कि आप हस्तक्षेप करें और 11 बलात्कारियों को रिहा करने वाले गुजरात सरकार के छूट आदेश को रद्द करें।

कांग्रेस को बड़ा झटका : पूर्व मंत्री नरेश रावल और पूर्व सांसद राजू परमार भाजपा में शामिल

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस को बड़ा झटका लगा है। पार्टी नेता और पूर्व मंत्री नरेश रावल और पूर्व सांसद राजू परमार बुधवार को भाजपा में शामिल हो गए। दोनों नेता कई दशकों तक कांग्रेस के साथ रहे हैं। गुजरात भाजपा अध्यक्ष सी आर पाटिल ने उन्हें भगवा अंगवस्त्र और टोपियां देकर पार्टी में उनका स्वागत किया। बड़ी संख्या में उनके समर्थक भी भाजपा में शामिल हो गए। परमार 1988 से 2006 के बीच तीन बार गुजरात से कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य रह चुके हैं। दलित समुदाय के प्रतिष्ठित नेता परमार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के लिए राष्ट्रीय समिति के सदस्य भी रहे। रावल मेहसाणा में वीजापुर विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं। वह गुजरात में कांग्रेस की सरकार के दौरान गृह और उद्योग मंत्री भी रह चुके हैं। उन्होंने 1985, 1990 और 1998 में विधानसभा चुनाव जीता था।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में ईडी जैकलीन को आरोपी बनाएगी

7.27 करोड़ का फंड पहले अटैच कर चुकी

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज की मुश्किलें बढ़ गई हैं। ईडी एक्ट्रेस को 200 करोड़ के मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी बनाने की तैयारी में है। ईडी ने अप्रैल में एक्ट्रेस की सात करोड़ से अधिक संपत्ति अटैच की थी। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ईडी का मानना है कि जैकलीन को शुरू से पता था कि इस केस के मख्य आरोपी सुकेश चंद्रशेखर ठग है और वह जबरन वसूली करने वाला है। दोनों रिलेशन में थे। इनकी कई प्राइवेट फोटो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुई थीं, जिसके बाद ईडी ने जैकलीन से पूछताछ की और दोनों की फोटोज को सबूत के रूप में रखा है। सुकेश ने रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटर्स की पत्नियों से 200 करोड़ रुपए वसूले थे।

जैकलीन की गिरफ्तारी संभव

जैकलीन की इस मामले में फिलहाल गिरफ्तारी अभी नहीं हो सकती है, क्योंकि ईडी ने अभी तक चार्जशीट अदालत में पेश नहीं की है। अदालत में सुनवाई के बाद गिरफ्तारी की जा सकेगी। हालांकि, अभी उन्हें देश से बाहर जाने की अनुमति नहीं है।

सुकेश ने जैकलीन को डायमंड रिंग देकर प्रपोज किया था

ईडी की पूछताछ में जैकलीन ने सुकेश के साथ रिलेशन की बात मानी थी। एक्ट्रेस ने पूछताछ में बताया कि उसने सुकेश से करोड़ों के रुपए के गिफ्ट लिए थे।

सुकेश ने उसे डायमंड रिंग देकर प्रपोज किया था। इस रिंग में जे और एस बना हुआ था। सुकेश ने एक्ट्रेस को एस्पुएला नाम का एक 50 लाख का घोड़ा और 9-9 लाख रुपए की बिल्लियां गिफ्ट की थीं। इनके अलावा, गुच्ची के 3 डिजाइनर बैग, गुच्ची के 2 जिम वियर, लुई विटॉन के एक जोड़ी शूज, हीरे की दो जोड़ी बालियां, माणिक का एक ब्रेसलेट, दो हेमीज ब्रेसलेट और एक मिनी कूपर कार दी थी।

सुकेश चंद्रशेखर से जुड़े केस में सबसे पहले दिल्ली पुलिस में एफआईआर दर्ज हुई थी।

पात्रा चॉल भूमि घोटाले में ईडी ने फिर शुरू की छापेमारी, संजय राउत भी हैं आरोपी

मुंबई, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पात्रा चॉल घोटाले से जुड़े मामले में ईडी ने मुंबई में एक बार फिर से छापेमारी शुरू कर दी है। बता दें कि इस घोटाले में ही संजय राउत भी आरोपी हैं और फिलहाल जेल में हैं। पिछले दिनों ईडी ने संजय राउत की पत्नी वर्षा राउत को भी पूछताछ के लिए तलब किया था। 60 वर्षीय राउत को ईडी ने 31 जुलाई को गिरफ्तार किया गया था। ईडी ने राउत के घर पर सुबह-सुबह छापा मारा था। करीब आठ घंटे की पूछताछ के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया था, इसके बाद देर रात उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया था। अदालत ने उन्हें चार अगस्त तक ईडी की हिरासत में भेज दिया था। इसके बाद उनकी रिमांड आठ अगस्त तक बढ़ाई गई थी।

मुंबई पश्चिमी उपगनर के गोरेगांव स्थित सिद्धार्थ नगर के पात्रा चॉल के 47 एकड़ जमीन पर 672 परिवारों के घरों के पुनर्विकास के लिए साल 2007 में सोसायटी द्वारा महाराष्ट्र हाउसिंग डेवलपमेंड अथॉरिटी (म्हाडा) और गुरू कंस्ट्रक्शन कंपनी के बीच करार हुआ था। इस करार के तहत कंपनी को साढ़े तीन हजार से ज्यादा फ्लैट बनाकर म्हाडा को देने थे। उसके बाद बची हुई जमीन प्राइवेट डेवलपर्स को बेचनी थी। डीएचआईएल के राकेश वधावन, सारंग वधावन, प्रवीण राउत और गुरू आशीष इस कंपनी के निदेशक थे। आरोप है कि कंपनी ने म्हाडा को गुमराह कर पात्रा चॉल की एफएसआई 9 अलग-अलग बिल्डरों को बेच कर 901 करोड़ रुपये जमा किए।

डिटेंशन सेंटर में ही रहेंगे रोहिंग्या : हरदीप पुरी ने फ्लैट और सुरक्षा देने को कहा था

अब गृह मंत्रालय बोला- ऐसा कोई आदेश नहीं

नई दिल्ली, 17 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली में अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को घर दिए जाने की खबरों को गृह मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि कुछ रिपोर्ट्स में रोहिंग्याओं को फ्लैट्स देने की बात कही जा रही है। हमने ऐसा कोई निर्देश नहीं दिया है कि अवैध रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली के बक्करवाला में फ्लैट्स दिए जाएंगे। दरअसल, बुधवार को ही केंद्रीय आवास मंत्री हरदीप पुरी ने ट्वीट कर फ्लैट्स दिए जाने की बात कही थी।

गृह मंत्रालय ने कहा- दिल्ली सरकार ने हमें प्रपोजल दिया था कि रोहिंग्या को नई लोकेशन पर शिफ्ट किया जाए। लेकिन, हमने उन्हें निर्देश दिया कि अवैध रोहिंग्या को अभी वहीं रखा जाए, जहां वे हैं। उनके डिपोर्टेशन (निर्वासन) की बातचीत चल रही है। तब तक उन्हें डिटेंशन सेंटर में ही रखा जाएगा। दिल्ली सरकार ने उन जगहों को डिटेंशन सेंटर घोषित नहीं किया, जहां अवैध रोहिंग्या को रखा गया है। हमने उन्हें तुरंत ऐसा करने का निर्देश दिया है।

केंद्रीय शहरी विकास और आवास मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने बुधवार को ट्वीट किया कि भारत ने हमेशा शरण मांगने वालों का स्वागत किया है। एक ऐतिहासिक फैसले में तय किया गया है कि रोहिंग्या शरणार्थियों को दिल्ली के बक्करवाला में ईडब्ल्यूएस फ्लैट्स में शिफ्ट किया जाएगा। उन्हें बेसिक सुविधाएं दी जाएंगी और 24 घंटे सुरक्षा भी दी जाएगी। इसके कुछ घंटे बाद गृह मंत्रालय ने भी ट्वीट किया और कहा कि ऐसा कोई आदेश नहीं है।

हरदीप सिंह पुरी ने 17 अगस्त को सुबह 7:35 मिनट पर ट्वीट किया था। एमएचए ने दोपहर 2:50 मिनट पर इस मामले में सफाई जारी की।

कुछ रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रोहिंग्या शरणार्थियों को जल्द ही बक्करवाला गांव में नई दिल्ली नगर परिषद (एनडीएमसी) के फ्लैटों में शिफ्ट कर दिया जाएगा। यहां आर्थिक कमजोर वर्ग कैटेगरी के लिए 250 फ्लैट हैं। मदनपुर में रह रहे सभी 1100 रोहिंग्या को यहां बसाया जाएगा।

रिपोर्ट्स में सूत्रों के हवाले से बताया गया कि जुलाई में हुई हाईलेवल बैठक में दिल्ली पुलिस को निर्देश दिया गया कि जिस परिसर में ये फ्लैट स्थित हैं, वहां सुरक्षा मुहैया कराई जाए। फ्लैट्स में पंखा, तीन वक्त का खाना, लैंडलाइन फोन, टेलीविजन और मनोरंजन जैसी बुनियादी सुविधाएं दी जाएं।

रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिल्ली में रोहिंग्याओं के सिर पर छत बनाने को लेकर हुई हाई लेवल मीटिंग के बाद लिया गया।

बैठक की अध्यक्षता दिल्ली के मुख्य सचिव ने की और इसमें दिल्ली सरकार, दिल्ली पुलिस और गृह मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। जुलाई के आखिरी हफ्ते में हुई बैठक में इस बात पर जोर दिया गया था कि दिल्ली सरकार, मदनपुर खादर इलाके में रोहिंग्याओं के टेंट के लिए लगभग 7 लाख रुपये हर माह का किराया दे रही है।

कौन हैं रोंहिग्या मुस्लिम?

रोहिंग्या एक स्टेटलेस या राज्यविहीन जातीय समूह हैं। ये इस्लाम को मानते हैं और म्यांमार के रखाइन प्रांत से आते हैं। 1982 में बौद्ध बहुल देश म्यांमार ने रोहिंग्या की नागरिकता छीन ली थी। इससे उन्हें शिक्षा, सरकारी नौकरी समेत कई अधिकारों से अलग कर दिया गया।

तब से म्यांमार में रोहिंग्या के खिलाफ हिंसा जारी है। 2017 में हुए रोहिंग्या के नरसंहार से पहले म्यांमार में उनकी आबादी करीब 14 लाख थी। 2015 के बाद से म्यांमार से 9 लाख से ज्यादा रोहिंग्या शरणार्थी भागकर बांग्लादेश और भारत समेत आसपास के अन्य देशों में जा चुके हैं। अकेले बांग्लादेश में रोहिंग्या की संख्या 13 लाख से ज्यादा है।

ब्रह्मोस-2 मिसाइल से उड़ेगी दुश्मनों की नींद

हाइपरसोनिक वेरिएंट में इस्तेमाल होगी जिरकॉन मिसाइल की टेक्नोलॉजी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारत के दुश्मनों के लिए बुरी खबर है. भारत और रूस ब्रह्मोस-2 के नए वेरिएंट यानी ब्रह्मोस-2 सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल के निर्माण में तेजी से जुट गए हैं. ये मिसाइल काफी ताकतवर होगी और रूस के जिरकॉन मिसाइल की तर्ज पर ये दुश्मनों की नींद उड़ा देगी. जानकारी के मुताबिक इस मिसाइल में रूस के सबसे घातक जिरकॉन मिसाइल की तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा. ह्मोस दुनिया की ऐसी मिसाइल है, जिसे काफी खतरनाक माना जाता है. इस घातक मिसाइल को जमीन, हवा, पानी और पनडुब्बी से भी लॉन्च किया जा सकता है.

ब्रह्मोस-2 में इस्तेमाल होगी जिरकॉन की तकनीक!

भारतीय सीमा पर चीन और पाकिस्तान की ओर से अक्सर तनाव देखा जाता रहा है. ऐसे में भारत भी अपने चालबाज पड़ोसियों को सबक सिखाने के लिए अपनी सेना को मजबूत कर रहा है. भारत अपने हथियारों को आधुनिक करने के साथ स्वदेशी तकनीक के इस्तेमाल पर जोर दे रहा है. इसी कड़ी में ब्रह्मोस क्रूज मिसाइल का एडवांस्ड वर्जन बनाने का काम तेजी से जारी है. ब्रह्मोस-2 हाइपरसोनिक वर्जन में रूस के जिरकॉन हाइपरसोनिक मिसाइल टेक्नोलॉजी का उपयोग किया जाएगा.

ब्रह्मोस-2 की ताकत क्या है?

हाइपरसोनिक मिसाइल को ट्रैक करना काफी मुश्किल काम है. ठीक इसी तर्ज पर ब्रह्मोस-2 मिसाइल को भी विकसित किया जा रहा है. ब्रह्मोस-2 सुपरसोनिक मिसाइल को स्पीड और इसके ग्लाइड करने की बेहतरीन क्षमता के साथ बनाया जा रहा है. इस एडवांस्ड वर्जन मिसाइल में स्क्रैमजेट इंजन लगाया जाएगा, जिससे इसकी ताकत काफी बढ़ जाएगी. इस मिसाइल की रेंज 600 किलोमीटर तक होगी, जिसे बढ़ाकर 1000 किलोमीटर तक किया जा सकता है. ये मिसाइल एंटी शिप और सतह से सतह पर मार करने वाली हाइपरसोनिक क्रूज मिसाइल होगी. इसे फाइटर जेट, युद्धपोत, पनडुब्बी से दागा जा सकता है यानी ये जमीन, हवा या फिर पानी में पनडुब्बी से भी लॉन्च किया जा सकेगा.

ब्रह्मोस-2 का काम तेजी से जारी

ब्रह्मोस मिसाइल को भारत और रूस ने संयुक्त तौर से निर्माण किया है. ये मिसाइल रेंज के मामले में कई अलग-अलग वेरिएंट में मौजूद है. इसकी रेंज 300 से 700 किमी तक है. हाइपरसोनिक वेरिएंट को भारत और रूस मिलकर विकसीत कर रहे हैं. इस एडवांस्ड वर्जन को रूस के रिसर्च एंड प्रोडक्शन एसोसिएशन ऑफ मशीन बिल्डिंग और भारत के डीआरडीओ साथ मिलकर विकसित करने में जुटे हैं. रूसी समाचार एजेंसी तास के हवाले ब्रह्मोस एयरोस्पेस के सीईओ अतुल राणे ने हाल ही में कहा था कि हाइपरसोनिक वेरिएंट ब्रह्मोस-2 का काम अडवांस स्टेज में है. जिरकॉन टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल को लेकर सवाल पर उन्होंने कहा था कि ऐसा संभव है. इसके बनने में अभी करीब 5 साल का वक्त लग सकता है.

भाजपा की वापसी की नब्ज टटोलने छत्तीसगढ़ जाएंगे नड्डा-शाह, कार्यकर्ताओं में भरेंगे जोश

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में भले ही 2023 में चुनाव होने है, लेकिन भाजपा ने राज्य में तैयारियां शुरु कर दी हैं। रायपुर का जल्द ही भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह दौरा करेंगे। अगस्त के अंतिम सप्ताह में नड्डा और सितंबर के शुरुआती सप्ताह में शाह के कार्यक्रम तय हैं। दोनों ही नेताओं के आने का मकसद एक है, प्रदेश में भाजपा की सत्ता वापसी की स्थिति को टटोलना। हालांकि, भाजपा संगठन दोनों के दौरों को एक सामान्य प्रक्रिया बता रहा है।

चुनाव की तैयारियों को देखते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा प्रदेश में भाजपा की स्थिति का जायजा लेने खुद पहुंच रहे हैं। नड्डा अपने प्रवास के दौरान प्रदेश स्तर के आला नेताओं से तो मिलेंगे। साथ ही बूथ स्तर के कार्यकर्ताओं से भी चर्चा करेंगे। वहीं, दूसरी तरफ शाह अपने दौरे के दौरान मोदी सरकार के अब तक के कामकाज के प्रचार और प्रदेश में केंद्रीय योजनाओं की स्थिति की समीक्षा करेंगे। वे अलग अलग समाज के लोगों से भी मुलाकात करेंगे। भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और प्रदेश के पूर्व सीएम डॉ.रमन सिंह ने मीडिया को बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का दौरा तय है। वे 26-27 या 27-28 अगस्त को आ सकते हैं। वे प्रदेश में दो दिन प्रवास करेंगे। इसमें वो बूथ में जाएंगे, मंडल स्तर तक जाएंगे, जिले में जाएंगे और प्रदेश के कोर ग्रुप से बात करेंगे। इसके बाद केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह का कार्यक्रम निर्धारित है। वे समाज के सभी वर्गों के साथ बात करेंगे। विकास की गौरवशाली यात्रा जो मोदी जी के नेतृत्व में देश ने देखी है, जो परिवर्तन आया उस पर वो बात करेंगे।

मुंबई के बांद्रा में फायरिंग से हड़कंप एक बदमाश गिरफ्तार

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। मुंबई के बांद्रा इलाके में आज सुबह बदमाशों ने कारोबारियों से रंगदारी वसूलने के लिए फायरिंग की। मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए एक बदमाश को गिरफ्तार कर लिया। मुंबई क्राइम ब्रांच की यूनिट नौ ने खार पुलिस थाना इलाके में हुई फायरिंग के सिलसिले में शारिक शेख नाम के एक शख्स को गिरफ्तार किया है। फायरिंग के लिए इस्तेमाल की गई स्कूटी भी बरामद कर ली गई। ये बदमाश बांद्रा में फेरीवालों को डराकर रंगदारी वसूलना चाहते हैं। लिस ने बताया कि खार थाना क्षेत्र में फायरिंग की घटना की सूचना मिलते ही मौके पर बल पहुंचा। पता चला कि लिंकिंग रोड पर गजेबो शॉपिंग सेंटर के बोर्ड पर अज्ञात लोगों ने हवाई फायरिंग की। इसमें कोई घायल नहीं हुआ है। जांच जारी है।

बिल्कीस बानो मामले में सभी 11 दोषी रिहा

2008 में सुनाई गई थी आजीवन कारावास की सजा

अहमदाबाद, 16 अगस्त (एजेंसियां)। गुजरात में गोधरा कांड के बाद 2002 में बिल्कीस बानो सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के सात लोगों की हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे सभी 11 दोषी सोमवार को गोधरा उप-कारागार से रिहा हो गए. गुजरात सरकार ने अपनी क्षमा नीति के तहत इनकी रिहाई की मंजूरी दी. एक अधिकारी ने यह जानकारी दी. बई में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की एक विशेष अदालत ने 11 दोषियों को बिल्कीस बानो के साथ सामूहिक बलात्कार और उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या करने के जुर्म में 21 जनवरी 2008 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी. बाद में बंबई उच्च न्यायालय ने उनकी दोषसिद्धि को बरकरार रखा था.

न दोषियों ने 15 साल से अधिक कैद की सजा काट ली थी, जिसके बाद उनमें से एक दोषी ने समय से पहले रिहाई के लिए उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था. पंचमहल के आयुक्त सुजल मायत्रा ने बताया कि उच्चतम न्यायालय ने गुजरात सरकार से उसकी सजा माफ करने के अनुरोध पर गौर करने का निर्देश दिया, जिसके बाद सरकार ने एक समिति का गठन किया था। मायत्रा ही समिति के प्रमुख थे. यत्रा ने कहा, ''कुछ माह पहले गठित समिति ने सर्वसम्मति से मामले के सभी 11 दोषियों को क्षमा करने के पक्ष में निर्णय किया।

राज्य सरकार को सिफारिश भेजी गई थी और कल हमें उनकी रिहाई के आदेश मिले।'' इस मामले में जिन 11 दोषियों को रहा किया गया है वे हैं... जसवंतभाई नाई, गोविंदभाई नाई, शैलेष भट्ट, राधेश्याम शाह, बिपिन चन्द्र जोशी, केसरभाई वोहानिया, प्रदीप मोरधिया, बाकाभाई वोहानिया, राजूभाई सोनी, मितेश भट्ट और रमेश चंदाना. नकी रिहाई पर मानवाधिकार मामलों के अधिवक्ता शमशाद पठान ने सोमवार की रात कहा कि बिल्कीस बानो मामले से कम जघन्य और हल्के अपराध करने के जुर्म में बड़ी संख्या में लोग जेलों में बंद हैं और उन्हें कोई माफी नहीं मिल रही है.

पठान ने कहा कि सरकार जब इस तरह के फैसले लेती है तो तंत्र पर से लोगों का भरोसा उठने लगता है. रतलब है कि तीन मार्च 2002 को गोधरा कांड के बाद हुए दंगों के दौरान दाहोद जिले के लिमखेड़ा तालुका के रंधिकपुर गांव में भीड़ ने बिल्कीस बानो के परिवार पर हमला किया था. अभियोजन के अनुसार, ''बिल्कीस उस समय पांच महीने की गर्भवती थीं. उनके साथ सामूहिक बलात्कार किया गया था. इतना ही नहीं, उनके परिवार के सात सदस्यों की हत्या कर दी गई थी.'' अदालत को बताया गया था कि छह अन्य सदस्य मौके से फरार हो गये थे। इस मामले के आरोपियों को 2004 में गिरफ्तार किया गया था.

सीएम बोले, सरकारी स्कूल के बच्चों को देनी है अच्छी शिक्षा, देश को नंबर वन देखना चाहता हूं

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने मंगलवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों में आज अच्छी पढ़ाई होती है। अच्छी पढ़ाई से बच्चों का भविष्य अच्छा बनेगा। देश में 17 करोड़ बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ते हैं, कुछ सरकारी स्कूल को छोड़ दें तो इनकी हालत बहुत खराब है। अगर दिल्ली जैसे सरकारी स्कूल हर जगह खुल जाए तो बदलाव संभव है। 17 करोड़ बच्चों को अच्छी शिक्षा देना है। केजरीवाल ने कहा कि मैं जीते जी भारत को नंबर-वन देश देखना चाहता हूं।

सत्येंद्र जैन को अयोग्य घोषित करने की याचिका पर फैसला सुरक्षित

याददाश्त जाने का किया था दावा

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री सत्येंद्र जैन को विधायक और मंत्री के तौर पर अयोग्य घोषित करने वाली एक जनहित याचिका पर दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को फैसला सुरक्षित रख लिया। जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा और जस्टिस सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने याचिकाकर्ता के वकील का पक्ष सुनने के बाद कहा, "हम उचित निर्णय लेंगे।" याचिका में कहा गया है कि दिल्ली सरकार में मंत्री और शकूर बस्ती से विधायक सत्येंद्र जैन ने हाल ही में प्रवर्तन निदेशालय को पूछताछ के दौरान बताया था कि उनकी याददाश्त चली गई है। यह जानकारी एडिशनल सॉलिसिटर जनरल द्वारा ट्रायल कोर्ट में भी दी गई है। याचिका में कहा गया कि दिल्ली सरकार स्पष्ट रूप से देश के संविधान का अपमान कर रही है, जिसमें स्पष्ट रूप से लिखा है कि अगर किसी व्यक्ति की याददाश्त चली जाती है और ऐसा कोर्ट में घोषित कर दिया जाता है तो उसे विधानसभा या विधान परिषद के सदस्य के रूप में अयोग्य घोषित कर दिया जाएगा। याचिकाकर्ता आशीष कुमार श्रीवास्तव ने अधिवक्ता रुद्र विक्रम सिंह के माध्यम से कोर्स से दिल्ली सरकार को निर्देश देने की मांग की है कि वह सत्येंद्र जैन के कोरोना से संक्रमित होने और फिर याददाश्त खोने के बाद उनके द्वारा लिए गए सभी फैसले रद्द करे।

ममता बनर्जी का साथ पाकर खुश हैं तस्करी के आरोपी अनुब्रत मंडल, वकील बोले- बढ़ा आत्मविश्वास

कोलकाता, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पशु तस्करी मामले में गिरफ्तार हुए तृणमूल कांग्रेस नेता अनुब्रत मंडल के समर्थन में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी आती दिख रही हैं।

इसे लेकर उनके वकील का कहना है कि पार्टी के समर्थन के बाद मंडल का 'आत्मविश्वास' बढ़ गया है। सीबीआई ने मंडल को गुरुवार को बीरभूम स्थित आवास से गिरफ्तार कर लिया था। उन्हें 20 अगस्त तक हिरासत में भेजा गया है।

वकील अनिर्बान गुहातकुराता ने कहा, 'बीमार होने के बाद भी मेरे क्लाइंट में अब काफी ज्यादा आत्मविश्वास है।' पत्रकारों से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा, 'उन्हें पता चला है कि पार्टी नेता ने उनका समर्थन किया है। इसे उनका भरोसा बढ़ गया है। वह कह रहे हैं कि मुझे पता था कि दीदी मेरे साथ खड़ी रहेंगी। मुझे गलत तरीके से गिरफ्तार किया गया है। इस मामले से मेरा कोई लेना देना नहीं है।'रविवार को पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मंडल के समर्थन में बात कही। स्वतंत्रता दिवस पर उन्होंने पार्टी के कार्यक्रम को संबोधित किया। उस दौरान उन्होंने सवाल उठाया, 'केस्ता (अनुब्रत का नाम) को क्यों गिरफ्तार किया गया? अनुब्रत कुछ गलत नहीं चाहते थे। मैं उन्हें राज्यसभा भेजना चाहती थी, लेकिन वह राजी नहीं हुए। अनुब्रत को हर समय चुनाव के दौरान हिरासत में ले लिया जाता है। अगर केस्ता को जेल में बंद कर दिया तो क्या होगा?'

पार्थ चटर्जी मामले से दूरी बनाते दिखी थीं सीएम बनर्जी

शिक्षक भर्ती घोटाला मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने ममता सरकार में मंत्री रहे पार्थ चटर्जी को गिरफ्तार किया था। उनकी करीबी मानी जा रही एक्ट्रेस अर्पिता मुखर्जी पर भी ईडी ने शिकंजा कसा था। जांच के दौरान एक्ट्रैस के घर से करोड़ों रुपये की नकदी और जेवर बरामद हुए थे। खबरें आई थी कि चटर्जी ने सीएम बनर्जी से संपर्क करने की कई बार कोशिशें की हैं, लेकिन बातचीत नहीं हो पा रही है।

एकनाथ शिंदे गुट के एमएलए के पैर तोड़ देना, मैं जमानत करा लूंगा; शिकायत दर्ज

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे गुट के विधायक प्रकाश सुर्वे विवादों में फंसते नजर आ रहे हैं। उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना कैंप ने एक कार्यक्रम के दौरान बयानबाजी के चलते पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। फिलहाल, दोनों समूहों के बीच पार्टी के नियंत्रण और चुनाव चिह्न (धनुष-बाण) को लेकर जंग जारी है।

मामला भारत निर्वाचन आयोग तक पहुंच गया है। 14 अगस्त को मुंबई के मगथाने इलाके में कार्यक्रम के दौरान सुर्वे ने कहा कि अगर कोई हमारे साथ लड़ेगा, तो उसका जवाब दिया जाएगा। मामले का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। वह कहते हुए सुनाई दे रहे हैं, 'अगर आपसे कोई कुछ कहता है, तो उन्हें जवाब दो।' उन्होंने कहा, 'किसी की दादागिरी सहन नहीं की जाएगी। आप उनपर मारो।' उन्होंने कहा, 'मैं प्रकाश सुर्वे, आपके लिए यहां हूं।' विधायक ने कहा, 'अगर आप उनके हाथ नहीं तोड़ सकते, तो उनके पैर तोड़ दो। मैं अगले दिन आपकी जमानत कराऊंगा, चिंता मत करना।' उन्होंने यह भी कहा, 'हम किसी से नहीं झगड़ते, लेकिन अगर कोई हमसे लड़ेगा, तो उन्हें छोड़ेंगे नहीं।'

दहिसर पुलिस स्टेशन में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई गई है। जून में हुई बगावत के बाद महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी सरकार गिर गई थी। इसके बाद राज्य में शिवसेना और भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी, जिसमें शिंदे को मुख्यमंत्री बनाया गया। जबकि, भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस उपमुख्यमंत्री बने। हाल ही में शिंदे सरकार में कैबिनेट विस्तार हुआ है।

भारत में पिछले 24 घंटे में कोविड-19 के 8,813 नए मामले

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारत में एक दिन में कोविड-19 के 8,813 मामले आने से संक्रमण के कुल मामलों की संख्या बढ़कर 4,42,77,194 पर पहुंच गयी है. जबकि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 1,11,252 हो गयी है. केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को सुबह 8 बजे तक अद्यतन आंकड़ों के अनुसार, संक्रमण से 29 और मरीजों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या बढ़कर 5,27,098 हो गयी है. इनमें केरल द्वारा पुनर्मिलान किया गया मौत का एक मामला भी शामिल है. कड़ों के मुताबिक, उपचाराधीन मरीजों की संख्या में एक दिन में 6,256 मामलों की कमी दर्ज की गयी है, जबकि कोविड-19 से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 98.56 प्रतिशत है. इस बीमारी से उबरने वाले लोगों की संख्या बढ़कर 4,36,38,844 हो गयी है, जबकि मृत्यु दर 1.19 प्रतिशत हो गयी. स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार संक्रमण की दैनिक दर 4.15 प्रतिशत दर्ज की गयी, जबकि साप्ताहिक संक्रमण दर 4.79 प्रतिशत दर्ज की गयी. देशव्यापी कोविड-19 रोधी टीकाकरण अभियान के तहत अब तक कोरोनावायरस वैक्सीन की 208.31 करोड़ खुराक दी गयी हैं. कड़ों के अनुसार, देश में जिन 28 और मरीजों ने जान गंवाई है, उनमें से 8 की दिल्ली में, 6 की पंजाब, 2-2 मरीजों की मौत गुजरात, जम्मू-कश्मीर और उत्तर प्रदेश में तथा 1-1 मरीज की मौत असम, छत्तीसगढ़, गोवा, महाराष्ट्र, नगालैंड, ओडिशा, सिक्किम और त्रिपुरा में हुई. गौरतलब है कि देश में 7 अगस्त 2020 को संक्रमितों की संख्या 20 लाख, 23 अगस्त 2020 को 30 लाख और पांच सितंबर 2020 को 40 लाख से अधिक हो गई थी.

क्रमण के कुल मामले 16 सितंबर 2020 को 50 लाख, 28 सितंबर 2020 को 60 लाख, 11 अक्टूबर 2020 को 70 लाख, 29 अक्टूबर 2020 को 80 लाख और 20 नवंबर को 90 लाख के पार चले गए थे. देश में 19 दिसंबर 2020 को ये मामले एक करोड़ से अधिक हो गए थे. पिछले साल 4 मई को संक्रमितों की संख्या 2 करोड़ और 23 जून 2021 को 3 करोड़ के पार पहुंच गई थी. इस साल 25 जनवरी को संक्रमण के मामले 4 करोड़ के पार हो गए थे.

कराची एयरपोर्ट पर भारत के चार्टर्ड प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग कारण नहीं आया सामने

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कराची स्थित एयरपोर्ट पर भारत से दुबई जा रहे एक चार्टर्ड प्लेन की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। यह तब हुआ जब भारत से 12 यात्रियों को लेकर जा रहा यह प्लेन पाकिस्तान के कराची शहर स्थित जिन्ना अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। पाकिस्तानी मीडिया में इसके बारे में बताया गया है। चौंकाने वाली बात यह है कि इसका कारण सामने नहीं आया है। रअसल, पीटीआई ने जिओ न्यूज के हवाले से बताया कि हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से उड़ान भरने वाला यह चार्टर्ड विमान स्थानीय समय के अनुसार दोपहर 12:10 बजे कराची हवाई अड्डे पर उतरा। नागर विमानन प्राधिकरण के प्रवक्ता ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय चार्टर विमान ने भारत से उड़ान भरी थी और इसके अलावा अन्य किसी देश से उसका कोई संबंध नहीं है। ह भी बताया गया कि कराची में उतरने के कुछ ही देर बाद विशेष विमान सभी 12 यात्रियों को लेकर फिर से रवाना हो गया। अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि आखिर विमान किन कारणों से कराची हवाई अड्डे पर उतरा था। बता दें कि इससे पहले भी भारत से उड़ान भरने वाले दो विमानों को तकनीकी कारणों से पिछले महीने कराची हवाई अड्डे पर उतरना पड़ा था। उधर कई अन्य रिपोर्ट्स के मुताबिक राजीव गांधी एयरपोर्ट के अधिकारियों ने भी पुष्टि की है कि यह एक चार्टर्ड फ्लाइट थी। यह दुबई से हैदराबाद और हैदराबाद से कराची के लिए शुरू हुई थी। इसमें क्रू मेंबर सवार थे। ऑपरेटरों के मुताबिक आगे कोई जानकारी सामने नहीं आई। यह एक सामान्य प्रक्रिया थी।

उमरा करने वालों के लिए खुशखबरी

अब सऊदी सरकार ने किसी भी वीजा से उमरा करने को दी मंजूरी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हज की पवित्र यात्रा करने के बाद अब लोग उमरा करने की तैयारी कर रहे हैं. इस बीच धार्मिक यात्रा के लिए सऊदी अरब जाने वालों के लिए अच्छी खबर है. हज और उमरा मंत्रालय ने घोषणा की है कि जिन लोगों ने पर्यटक वीजा (टूरिस्ट वीजा) और वाणिज्यिक वीजा (कॉमर्शियल (वीजा) लिया है, वे अब सऊदी अरब में रहने के दौरान उमरा कर सकते हैं. यह सुविधा दुनियाभर के 49 देशों के नागरिकों के लिए दी गई है.

इस तरह बनवा सकते हैं वीजा

बता दें कि उमरा पर जाने वाले लोगों को पहले ऐप के जरिए टाइम लेना होगा. सऊदी गजट ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि लोग विजिट सऊदी अरब पोर्टल के माध्यम से अपना वीजा ऑनलाइन प्राप्त कर सकते हैं, या फिर एअरपोर्ट पर तुरंत पहुंचने पर अपना वीजा ले सकते हैं. रिपोर्ट में कहा गया है कि चाहे कोई टूरिस्ट वीजा से आया हो या बिजनेस वीजा से अब सभी तरह के वीजा पर उमरा करने की परमिशन दे दी गई है. वहीं अभी तक उमरा के लिए स्पेशल वीजा लेना होता था.

पहले लगता था समय

स्पेशल वीजा लेने में कम से कम एक महीने का समय लग जाता था. लेकिन उमरा वीजा को सरल करने का मकसद दुनियाभर में मुसलमानों को उमरा करने के लिए रास्ता आसान करना है. मंत्रालय ने साफ किया है कि इनमें अमेरिका, ब्रिटेन और शेंगेन वीजा धारक भी शामिल हैं. इस फैसले का उद्देश्य सऊदी मिशन 2030 को आगे बढ़ाना है. इसके तहत, हर साल तीन करोड़ लोगों को उमरा कराना लक्ष्य है.

उमरा क्या है?

उमरा एक तरह की धार्मिक यात्रा है, जो हज से अलग है. उमरा की यात्रा कोई भी कर सकता है. इस यात्रा की अवधि सिर्फ 15 दिनों की होती है. खास बात है कि सऊदी में जब हज यात्रा होती है तो उस समय उमरा नहीं किया जा सकता. उमरा के दिनों में यात्री करीब आठ दिन मक्का और सात दिन मदीना में बिताते हैं और धार्मिक कार्य करते हैं.

दिल्ली में डबल मर्डर, शहादरा में लूटपाट के बाद सास-बहू की चाकू घोपकर हत्या

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में दोहरा हत्याकांड से हड़कंप मच गया है। सास बहू की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। साथ ही घर में रखी अलमीरा भी टूटी मिली है। नकारी के अनुसार, दिल्ली के वेलकम थाना इलाके के सुभाष पार्क में गली नंबर 12 में एक बुजुर्ग महिला और उसकी 45 साल की बहू की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई।

सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जांच पड़ताल की तो मौके पर घर की अलमीरा टूटी मिली है। परिवार के बाकी सदस्य छुट्टी मनाने गए हुए थे। तड़के आए तो हत्याकांड का पता चला। परिवार का तिलक बाजार में पूजा सामग्री का कारोबार है। लिस ने बताया कि सुबह करीब 4.20 बजे दिल्ली के पीएस वेलकम में हत्या को लेकर एक पीसीआर कॉल आई। पुलिस की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। यहां दो महिलाएं मृत मिलीं। दोनों की पहचान विमला देवी (70) और डोली राय (45) के रूप में हुई है। सास बहू घर में अकेली थीं, जबकि दोनों बेटे सार्थक राय और शशांक राय मसूरी और ऋषिकेश गए हुए थे।

मंगलवार तड़के दोनों भाई वापस आए तो घर पर काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी नहीं खुला। दोनों भाइयों ने दूसरी चाबी से दरवाजा खोला। देखा तो अंदर मां और दादी की खून से लहूलुहान शव पड़े थे। घर से रखी अलमारी टूटी पड़ी थी, ज्वेलरी और कैश भी गायब था। पुलिस ने बताया कि बदमाशों ने घर के पालतू कुत्ते को बांधकर वारदात को अंजाम दिया। घटनास्थल की क्राइम और एफएसएल की टीम ने जांच की है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

छेड़छाड़ की तो लड़की ने चेहरे पर दांत से काटा, पुलिस ने निशान से आरोपी को पकड़ा

ठाणे, 16 अगस्त (एजेंसियां)। ठाणे पुलिस ने सार्वजनिक स्थल पर नाबालिग लड़की के साथ छेड़छाड़ के आरोपी को उसके चेहरे पर दांत से काटे जाने के निशान की मदद से गिरफ्तार किया है. पुलिस ने घटना की जानकारी देते हुए कहा कि यह घटना ठाणे के घोडबंदर रोड पर बने एक 'स्काईवॉक' पर 11 अगस्त को हुई. वर्तक नगर मंडल के पुलिस उपायुक्त नीलेश सोनावने ने बताया कि सोमवार शाम को जब लड़की 'स्काईवॉक' से जा रही थी तब व्यक्ति ने उसे पीछे से पकड़ा और उसके साथ छेड़छाड़ की. प्राप्त जानकारी के अनुसार लड़की ने खुद को छुड़ाने की कोशिश की और व्यक्ति के चेहरे पर दांत से काट लिया और किसी तरह उसकी पकड़ से मुक्त हुई. इसके बाद वह पुलिस स्टेशन पहुंची और वहां घटना के संबंध में शिकायत दर्ज कराई.

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 17 अगस्त, 2022 3

सुविचार

जो मनुष्य भय वश असत्य बोलता और झूठा आचारण करता है, वह पशु से भी बदतर है।

विकाराबाद का रहा है समृद्ध इतिहास : केसीआर

मुख्यमंत्री ने जिला कलेक्ट्रेट परिसर का शुभारंभ किया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव ने आज विकाराबाद जिला कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि विकाराबाद का एक समृद्ध इतिहास रहा है। विकाराबाद की हवा स्वस्थ जीवन जीने में मदद करती है। उन्होंने तेलंगाना आंदोलन के दौरान विकाराबाद को एक जिला बनाने का वादा किया और कहा कि उन्होंने अपना वादा पूरा किया। नवनिर्मित भवन परिसर पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा कि सभी सरकारी कार्यालय नवनिर्मित एकीकृत समाहरणालय की एक छत के नीचे कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि संयुक्त आंध्र के समर्थकों ने एक भ्रांति पैदा की कि रंगारेड्डी जिले में भूमि की दरें गिरेंगी और तेलंगाना के गठन में बाधा उत्पन्न हुई और कहा कि आज नए राज्य तेलंगाना में भूमि की कीमतों में वृद्धि हुई है। उन्होंने लोगों से पूछा कि क्या तेलंगाना नहीं बनने पर विकाराबाद जिला बन जाएगा? उन्होंने कहा कि उन्होंने स्वतंत्रता दिवस के भाषण में 10 लाख नई पेंशन देने की घोषणा की थी। सीएम ने कहा कि पड़ोसी राज्य के लोग अपने राज्यों में कृषि, बिजली, कल्याण लक्ष्मी, शादी मुबारक जैसी तेलंगाना योजनाओं को लागू करने पर जोर दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पल्ले प्रगति और पटना प्रगति योजनाओं ने राज्य के गांवों और नगर पालिकाओं को विकसित करने में मदद की है। उन्होंने कहा कि उन्होंने पानी का बकाया माफ कर दिया है और कहा कि उनकी सरकार भविष्य में किसानों के लिए और अधिक करेगी, उन्होंने कहा कि उनकी सरकार उन किसानों के कल्याण के लिए कई योजनाएं ले रही है, जिन्होंने एकजुट आंध्र राज्य में कठिन संघर्ष किया और संकट में पड़े।

गणेश उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी प्रकार कदम उठाएं : तलसानी

मंत्री ने गणेश उत्सव की व्यवस्थाओं की समीक्षा की

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। पशुपालन मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने संबंधित अधिकारियों को शहर में आगामी गणेश उत्सव के सुचारू संचालन को सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया है। 31 अगस्त से शुरू होने वाले गणेश उत्सव के आयोजन पर एक समन्वय समिति की बैठक मंगलवार को यहां डॉ मैरी चन्ना रेड्डी मानव संसाधन विकास संस्थान (एमसीआर एचआरडीआई) में आयोजित की गई। मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव और महमूद अली, विधायक दानम नागेंद्र, एमएलसी प्रभाकर राव, जीएचएमसी के मेयर गडवाल विजया लक्ष्मी, उप महापौर श्रीलता और विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। इस अवसर पर बोलते हुए, मंत्री तलसानी श्रीनिवास यादव ने कहा कि राज्य सरकार आगामी गणेश उत्सव को पर्यावरण के अनुकूल के रूप में बढ़ावा दे रही है और पर्यावरण को प्रदूषण से बचाने के लिए मिट्टी की मूर्तियों का उपयोग करने के लिए लोगों को प्रोत्साहित कर रही है। इस बार, सरकार ने जीएचएमसी, एचएमडीए और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सहयोग से लगभग छह लाख गणेश मिट्टी की मूर्तियों को वितरित करने और लोगों को मिट्टी की मूर्तियों के साथ त्योहार मनाने के लिए प्रोत्साहित करने का भी निर्णय लिया है।

अधिकारियों को गणेश जुलूस के मार्गों से संबंधित क्षतिग्रस्त सड़कों की मरम्मत का काम शुरू करने और उन्हें निर्धारित अवधि के भीतर पूरा करने के लिए भी कहा गया। मंत्री ने कहा कि राज्य सरकार दोनों शहरों में गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन के लिए मौजूदा 25 तालाबों के अलावा अन्य 50 तालाबों को विकसित करने की योजना बना रही है। अधिकारियों को क्रेन, प्रकाश व्यवस्था, जनरेटर, पेशेवर तैराकों की सेवाओं और पर्याप्त सफाई कर्मियों की प्रतिनियुक्ति सहित सभी आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए। इस अवसर पर गृह मंत्री महमूद अली ने पुलिस अधिकारियों को बंदोबस्त के लिए अतिरिक्त बल तैनात करने और संदिग्ध क्षेत्रों में मुफ्ती पुलिस और शी टीमों को तैनात करने का भी निर्देश दिया।

सामूहिक राष्ट्रीय गान में डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के अधिकारियों, संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय गान के सामूहिक गायन में डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान के अधिकारियों, संकाय और कर्मचारियों ने भाग लिया। स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवलु के एक भाग के रूप में, डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान के अधिकारियों, संकाय और कर्मचारियों ने 16 अगस्त को सुबह 11:30 बजे एडमिन ब्लॉक के सामने राष्ट्रगान के सामूहिक गायन में बड़े सम्मान के साथ भाग लिया।

महानिदेशक (एफएसी), डॉ एमसीआर एचआरडी संस्थान और तेलंगाना सरकार के प्रधान सचिव बेनहुर महेश दत्त एक्का ने राष्ट्रगान का नेतृत्व किया। इस अवसर पर श्री एक्का ने कहा कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने और विभिन्न क्षेत्रों में भारत की अनुकरणीय सफलता की कहानियां ऐतिहासिक घटनाएं हैं, और इसलिए, केंद्र और राज्य सरकारों द्वारा मनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संस्थान ने 1982-ऑस्कर विजेता फिल्म, "गांधी" का प्रदर्शन किया, ताकि कर्मचारी महात्मा गांधी के जीवन से बलिदान और देशभक्ति के मूल्यों को पूरी तरह से सीख सकें और उन्हें आत्मसात कर सकें।

बंडी के काफिले पर हुए हमला निंदनीय : राकेश जायसवाल

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। जामबाग संभाग के पार्षद राकेश जायसवाल ने जनगांव जिले के देवारुप्पला में प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बंडी संजय की प्रजासंग्राम यात्रा के तीसरे चरण के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं पर हुए हमले की कड़ी निंदा की। राजेश जायसवाल ने कहा कि लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है। सीएम केसीआर को अपने पार्टी कैडर को विपक्ष के खिलाफ हिंसा में शामिल होने से रोकना चाहिए। उन्होंने प्रदेश सरकार के साथ-साथ राज्य के पुलिस विभाग को इसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस अवसर पर बीजेपी नेता के. दसारी अनिल, नंदू कुमार, एम. राजू यादव, रामकृष्णा, भानु, जनार्दन आदि शामिल रहे।

साइबराबाद ऑयुक्तालय क्षेत्र में हुए राष्ट्रगान में हजारों लोगों ने लिया भाग

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद ऑयुक्तालय के गच्चीबावली मंडल के अंतर्गत विप्रो सर्कल में आयोजित सामूहिक राष्ट्रगान में साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र, सेरीलिंगमपल्ली विधायक अरेकापुडी गांधी, डोगरा रेजिमेंट कर्नल गोपाल राज पुरोहित (सेना पदक), डीसीपी ट्रैफिक टी. श्रीनिवास राव, मधापुर डीसीपी सुश्री शिल्पवल्ली, एससीएससी महासचिव कृष्णा येदुला डोगरा आदि ने भाग लिया। स्वतंत्रता भारत वज्रोत्सवम के हिस्से के रूप में, साइबराबाद पुलिस कमिश्नरी के विभिन्न क्षेत्रों, वाणिज्यिक परिसरों, गेटेड समुदायों / अपार्टमेंटों, कॉलेजों, स्कूलों आदि में आज सामूहिक राष्ट्रगान का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। देश के विभिन्न हिस्सों के साइबराबाद में रहने वाले करीब 6 हजार लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और वीरों के बलिदान को याद किया।

आजादी के अमृत महोत्सव पर चूरू जिले के छापर में वर्ष 2022 का चतुर्मास कर रहे आचार्यश्री महाश्रमणजी की मंगल सन्निधि में श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद को जैन श्वेताम्बर तेरापंथी महासभा द्वारा श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथी सभाओं की बृहत श्रेणी में सत्र 2020-2022 की विशिष्ट सभा के रूप में चयनित किया गया। इस अवसर पर सिकंदराबाद सभा का प्रतिनिधित्व करते हुए अध्यक्ष बाबुलाल बैद, निवर्तमान अध्यक्ष सुरेश सुराणा, मंत्री सुशील संचेती व अन्य।

बिहार एसोसिएशन हैदराबाद ने मनाया 76वां स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार एसोसिएशन हैदराबाद ने अपने नव निर्माणाधीन कार्यालय स्थित परिसर में ध्वजारोहण समारोह का आयोजन किया।

एसोसिएशन के महासचिव प्रभास कुमार ने बताया कि एसोसिएशन के अध्यक्ष हरेराम सिंह ने ध्वजारोहण किया। सभा को संबोधित करते हुए अध्यक्ष ने बताया कि यह आज़ादी हमारे पूर्वजों द्वारा अथक प्रयास एवं कठिन परिश्रम के माध्यम से हमें प्राप्त हुआ। अतः हमारा भी फर्ज बनता है कि हम अपने आने वाली पीढ़ी के लिए एक अच्छा वातावरण का प्रारूप तैयार करें। सभा को संबोधित करते हुए बिहार फाउंडेशन के अध्यक्ष मानवेंद्र मिश्रा ने कहा कि हम सभी को सकारात्मक कार्य करने की आवश्यकता है, जिससे समाज के सभी वर्गों को समान रुप से लाभ पहुंचे। सभा में एसोसिएशन के वरिष्ठ कार्यकारी दशरथ यादव, उपाध्यक्ष उत्तम यादव, रविशंकर एवं अशोक प्रसाद सिंह, डॉक्टर सुधीर कुमार, दिनेश सिंह, जितेंद्र सिंह, मदन सिंह, भगवान सिंह, राजू राय, सुरेश सिंह, अजय ओझा, रुपेश केसरी, धर्मेंद्र सिंह अभिषेक कुमार, राजेश कुमार, दीपक यादव एमके सिंह, हरेराम यादव, सुभाष यादव, अजय भगत, सुनील सिंह, भरत सिंह आदि ने अपने अपने विचार प्रकट किए। एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष विनोद कुमार गुप्ता ने सदस्यों को संबोधित करते हुए बिहार एसोसिएशन से जुड़े वेबसाइट के बारे में बताया। उपाध्यक्ष रविशंकर सिंह ने सुझाव पर अमल करने हेतु आश्वस्त किया।

मारवाड़ी युवा मंच पर्ल महिला शाखा सिकंदराबाद द्वारा आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में भाग लेती हुईं शाखा अध्यक्षा रक्षा जैन, निवर्तमान अध्यक्ष वर्षा मखाना, शाखा संरक्षक मंजू विनायकिया, उपाध्यक्ष शशि नाहर, निवर्तमान उपाध्यक्ष सुरेखा घोड़ेला, पूनम बोहरा कविता माडंन, रतन गांधी, ललिता लोहार, अनीता सुराणा, खुशबू जैन, रिद्धि बोहरा, सिद्धार्थ जैन व अन्य।

ब्रह्मर्षि सेवा समाज द्वारा अखंड रामायण व रामधुन कीर्तन का आयोजन

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। ब्रह्मर्षि सेवा समाज हैदराबाद द्वारा 24 घंटे का अनवरत राम धुन कीर्तन और रामचरितमानस के अखंड पाठ का आयोजन 14 और 15 अगस्त 2022 को जगतगीरगुट्टा स्थित भगवान परशुराम मंदिर में अति उत्साह के साथ अत्यंत भव्यता पूर्वक सम्पन्न हुआ। समाज के महासचिव इंद्रदेव सिंह ने कहा कि इस आयोजन में हैदराबाद के विभिन्न हिस्सों में बसे श्रद्धालुओं ने भारी संख्या में पूर्ण श्रद्धाभाव के साथ भाग लिया। दो दिनों के इस अनुष्ठान का शुभारम्भ 14 अगस्त को प्रातः 11 बजे समाज के अध्यक्ष सुजीत ठाकुर, महासचिव इंद्रदेव सिंह एवं उनकी पत्नी श्रीमती बेबी सिंह तथा अन्य सदस्यों द्वारा भगवान की प्राणप्रतिष्ठा, संकल्प एवं आवाहन से हुआ। तदुपरांत सदस्यों ने तुलसीकृत रामचरितमानस का अखंड पाठ किया और निरंतर रामधुन का सश्वर कीर्तन गायन कर अष्टयाम किया गया। भजन मंडली ने 24 घंटे निरंतर यह कीर्तन विभिन्न सुरों में गाकर सभी श्रद्धालुओं को भक्ति विभोर किया। समाज की महिला अध्यक्ष श्रीमती रागिनी सिन्हा, पूर्व महिला अध्यक्ष डॉ. आशा मिश्रा व श्रीमती अनीता राय, पूर्व कोषाध्यक्ष तिरुपति राय, पूर्व अध्यक्ष गोपाल चौधरी, एसएन शर्मा, श्रीमती विधात्री सिंह, पूर्व उपाध्यक्ष आरएस शर्मा आदि ने रामचरितमानस मानस का पाठ किया। अगले दिन प्रातः पूर्णाहुति की गई जिसमें उपर्युक्त सदस्यों के अतिरिक्त समाज के कार्यकारिणी एवं अन्य सदस्यों ने सपत्नीक भाग लिया ।

एफआईटीसीसीआई में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में बतौर अतिथि भाग लेते हुए समाजसेवी कुमुद भाई शाह और बीपी सिंघल। साथ में हैं महेंद्र अग्रवाल (उपाध्यक्ष), नितेश अग्रवाल (महासचिव), अरुण देवड़ा (कोषाध्यक्ष), ईसी सदस्य आशीष अग्रवाल, रमेश डी शाह, और अनुज सिंघल।

श्री सिखवाल ब्राह्मण समाज द्वारा श्री रामदरबार, पंचायतीवाड़ा में आयोजित श्रावणी महोत्सव के समापन समारोह में भाग लेते हुए वासुदेव तिवाड़ी, मुरलीधर तिवाड़ी, रामदेव नागला व अन्य।

मिधानि में बड़ी धूम-धाम से मना 76वाँ स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मिश्र धातु निगम लिमिटेड, हैदराबाद (मिधानि), रक्षा मंत्रालय, भारत सरकार में 76 वें स्वतंत्रता दिवस के उपलक्ष्य में आजादी का अमृत महोत्सव बड़े धूम-धाम से मानाया गया। इस वर्ष मिधानि में स्वतंत्रता दिवस समारोह का आरंभ भारत सरकार की अभूतपूर्व पहल 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम के साथ हुआ था। हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कंपनी के कर्मचारियों को तिरंगे वितरित किए गए थे। मिधानि के कर्मचारियों ने 13 से 15 अगस्त 2022 के दौरान अपने घरों पर भारतीय राष्ट्रीय ध्वज तिरंगा फहराकर देशभक्ति को प्रकट किया। इससे उन्होंने एकता व अखंडता का उदाहरण भी प्रस्तुत किया। 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर ध्वजारोहण के पश्चात उपस्थित कर्मचारियों को संबोधित करते हुए मिधानि के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक डॉ. संजय कुमार झा ने भारत की आजादी के अमृत महोत्सव के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने अपने संबोधन में देश के स्वतंत्रता सेनानियों को याद किया। उनको किए गए बलिदान के प्रति कृत्यज्ञता ज्ञापित की। डॉ. झा ने देश की प्रगति में उद्यमों की भूमिका को रेखांकित करते हुए देश को आत्मनिर्भर बनाने में रक्षा उपक्रमों के योगदान के विभिन्न उदारहण प्रस्तुत किए। उन्होंने सभी कर्मचारियों से कर्मठ बनने का आग्रह करते हुए देश की आत्मनिर्भरता को बनाए रखने के लिए मिधानि की भूमिका की आवश्यकता पर बल दिया। डॉ. झा ने अपने संबोधन में कंपनी द्वारा संचालित विभिन्न उत्पादन व सीएसआर परियोजनाओं से देश को हो रहे लाभ पर भी विचार प्रकट किए। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर मिधानि के बीपीडीएवी स्कूल के मेधावी छात्रों, कंपनी के 19 कार्यक्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाले 75 कर्मचारियों और 25 वर्ष की दीर्घ सेवा प्रदान करने वाले कर्मचारियों को सम्मानि किया गया। इस अवसर पर आयोजित विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया।

बिहार को दहलाने की बड़ी साजिश नाकाम

गया में दस आईईडी, छह केन बम और चार सिलेंडर बम बरामद

गया, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सुरक्षा बलों ने आतंक की एक बड़ी साजिश को नाकाम कर दिया है। गया में बाराचट्टी प्रखंड के नागोवार गांव से 400 मीटर दूर घने जंगल से एसएसबी और सीआरपीएफ के जवानों ने नक्सलियों द्वारा लगाये गये 10 आईईडी बम बरामद किये हैं। बरामद किए गए सभी आईईडी 150-200 मीटर के दायरे में लगाए गए थे। दस आईईडी में से छह केन बम हैं और शेष चार सिलेंडर बम हैं। नक्सलियों ने सभी बमों को एक ही वायर से कनेक्ट किया था।

29वीं वाहिनी एसएसबी के कमांडेंट हरे कृष्णा गुप्ता के नेतृत्व में विशेष छापेमारी अभियान चलाया गया। इसमें 159 बटालियन सीआरपीएफ के कमांडेंट कमलेश सिंह के निर्देश पर एसएसबी, बीबीपेसरा, सीआरपीएफ लुटुआ और लुटुआ थाने की पुलिस के एक संयुक्त दल ने पहाड़ी क्षेत्र में सर्च अभियान चलाया था। सुरक्षाबलों ने 15 अगस्त की दोपहर से ही कार्रवाई शुरू की थी। इसी दौरान जवानों एक साथ 10 आइइडी बम बरामद किए। सभी बमों को एक ही वायर से कनेक्ट किया गया था। बिजली के कोडेक्स तार पर जगह-जगह नक्सलियों ने गांठ भी दे रखे थे, ताकि ब्लास्ट जबर्दस्त तरीके से हो। बम को सुरक्षाबलों ने जंगल में ही डिफ्यूज कर दिया है। डिफ्यूज के समय धमाका इतना तेज हुआ कि वहां 15-20 मीटर के दायरे में करीब 3-4 फीट गहरा हो गया। आसपास के पेड़ों के पत्ते पुरी तरह से गिर गये।

बताया जाता है कि ग्राम नागोवार से 400 मीटर दक्षिण में ये जंगली इलाका नक्सली के गढ़ छकरबंधा क्षेत्र के अंतर्गत आता है, जहां सुरक्षाबलों को घात लगाकर नुकसान पहुंचाने के लिए बम प्लांट किया गया था। नक्सलियों की मंशा सफल हो जाती तो फोर्स को बड़ा नुकसान हो सकता था।

आए दिन इस क्षेत्र के नक्सलियों की गिरफ्तारी और हथियार एंव बम बरामदगी से नक्सलियों का मनोबल गिरा हुआ है। इसी कड़ी में सुरक्षा बलों को एक और सफलता मिली। इस ऑपरेशन का नेतृत्व 29वीं वाहिनी एसएसबी बीबीपेसरा के सहायक कमांडेंट रामवीर कुमार और सीआरपीएफ लुटुआ कैंप के सहायक कमांडेंट अर्पण ने किया।

'जूते-चप्पल' पर आ गई बिहार की पॉलिटिक्स

फिर से बीजेपी-जेडीयू आमने-सामने, संजय जायसवाल ने नीतीश को घेरा तो नीरज ने राजनाथ सिंह की तस्वीर दिखाई

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में अब जेडीयू और बीजेपी के बीच का पुराना गठबंधन टूट गया है। इसी बीच बीजेपी ने जेडीयू के नेता और बिहार के मुख्यमंत्री नितीश कुमार पर चप्पल पहन कर झंडा फहराने का आरोप लगाया। उसका पलटवार करते जेडीयू ने बीजेपी के नेता और भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ पर जूता पहन कर झंडा फहराने का आरोप लगा दिया। अब दोनो दलों के नेता एक दूसरे को नीचा दिखाने में अपनी एकजुटता दिखा रहे हैं।

दरअसल बिहार बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल ने आज एक तस्वीर साझा की। इस तस्वीर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चप्पल पहन कर झंडोत्तोलन कर रहे हैं। तस्वीर सांझा कर संजय जायसवाल ने इसे तिरंगा का अपमान बताया। अब जवाब देने की बारी थी जेडीयू की। जेडीयू ने भी चप्पल का जवाब जूते से दिया है। जेडीयू की तरफ से मोर्चा संभालते हुए नीरज कुमार ने भी एक तस्वीर सांझा की। इस तस्वीर में राजनाथ सिंह जूता पहन कर झंडा फहराते हुए दिख रहे है। इस तरह नीरज कुमार ने चप्पल का जवाब जूते से दिया। संजय जायसवाल ने सोशल मीडिया पर नीतीश कुमार की जो फोटो डाली वो मुख्यमंत्री आवास का है। झंडोत्तोलन करते समय मुख्यमंत्री ने चप्पल पहन रखा है। संजय जायसवाल ने लिखा है कि आजादी के अमृत महोत्सव पर किसी भी सरकारी स्कूल अथवा कार्यालय में कोई सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं होने का आदेश दिया गया। इसके बाद अब राष्ट्रीय ध्वज को अपमानित कर रहें हैं। अब यह भी कहेंगे कि महीनों से भाजपा मुझे प्रताड़ित कर रही थी, उसके कारण मैं राष्ट्रीय ध्वज का सम्मान भूल गया। इसके जवाब में जेडीयू के नीरज कुमार ने राजनाथ सिंह का जूता पहन झंडोत्तोलन करने वाली तस्वीर सांझा की। यह तस्वीर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के दिल्ली स्थित सरकारी आवास की है। तस्वीर सांझा करते हुए लिखा कि संजय जायसवाल जी फिर फंसे? आपने अपने फेसबुक पोस्ट पर स्वतंत्रता दिवस के अवसर को भी राजनीति का एजेंडा बना दिया। आपने राष्ट्रीय ध्वज का अपमान जैसा घिनौने शब्द का इस्तमाल कर राष्ट्रीय पर्व को कलंकित किया है। अब आपको दिखाते हैं आईना।

मुख्तार अंसारी पर हमले में ब्रजेश सिंह की पेशी

सालों बाद घर से अदालत पहुंचा डॉन

गाजीपुर, 16 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व विधायक माफिया मुख्तार अंसारी पर जानलेवा हमले के मामले में आरोपित माफिया डॉन ब्रजेश सिंह उर्फ अरूण कुमार सिंह की मंगलवार को गाजीपुर की एमपी/एमएलए कोर्ट में पेशी हुई। कड़ी सुरक्षा और कोर्ट में गहमागहमी के बीच ब्रजेश सिंह न्यायालय पहुंचे। हाईकोर्ट से जमानत मिलने और जेल से बाहर आने के बाद पहली बार ब्रजेश सिंह किसी अदालत में पेश हुए हैं। सालों बाद यह पहला मौका था जब ब्रजेश अपने घर से अदालत पहुंचे।

उसकी चट्टी कांड के नाम से मशहूर केस की सुनवाई में बांदा जेल से मुख्तार अंसारी को भी वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए जुड़ना था। निजी कारणों से विशेष जज रामसुध सिंह अवकाश पर थे। इसके चलते 29 अगस्त की तारीख तय कर दी गई।

15 जुलाई 2001 को मुख्तार अंसारी पर मऊ जाते समय गाजीपुर के उसकी चट्टी पर हमला हुआ था। उनके काफिके पर स्वचालित हथियारों से फायरिंग की गई थी। गोलीबारी में मुख्तार अंसारी के गनर की मौत हो गई थी। हमलावरों में से भी एक शूटर मारा गया था। मुख्तार अंसारी के हमराहियों को भी चोट आई थी। मुख्तार अंसारी ने ब्रजेश सिंह और त्रिभुवन सिंह को नामजद करते 15 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। विवेचना के बाद पुलिस ने 4 लोगों के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया था।

सभी मलाईदार विभाग जेडीयू के खाते में

सीएम ने गृह विभाग अपने पास रखा, वित्त भी जेडीयू को दिया, तेजस्वी को स्वास्थ्य और पथ निर्माण

पटना, 16 अगस्त (एजेंसियां)। बिहार में नीतीश कैबिनेट का आज विस्तार हुआ। और कुछ देर बाद विभागों का बंटवारा हो गया। मुख्यमंत्री ने अपने पास गृह, सामान्य प्रशासन समेत 5 विभाग रखे हैं। वहीं तेजस्वी के पास स्वास्थ्य, पथ निर्माण, नगर विकास और ग्रामीण कार्य का जिम्मा मिला है। लालू के बड़े बेटे तेजप्रताप को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग मिला है। राजभवन में राज्यपाल फागू चौहान 31 मंत्रियों को शपथ दिलाई। मंत्रियों ने पांच-पांच के बैच में शपथ ली। मंत्री बनने वाले कुल 31 विधायकों में आरजेडी से सबसे ज्यादा 16, जेडीयू से 11, कांग्रेस से 2, हम से एक और एक निर्दलीय शामिल है। लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप शपथ लेने वाले पहले 5 विधायकों में शामिल रहे।

अगड़ी जातियों के मंत्रियों की संख्या घटी

महागठबंधन की नई सरकार में सामाजिक समीकरण को ध्यान में रखकर मंत्री बनाए गए हैं। ओबीसी-ईबीसी से सबसे ज्यादा 17, दलित- 5 और 5 मुस्लिम शामिल हैं। एनडीए गठबंधन के मुकाबले अगड़ी जातियों का प्रतिनिधित्व इस बार घटा है। पिछली बार अपर कास्ट के 11 मंत्री थे, जो इस बार घटकर 6 हो गए हैं। वहीं पिछली बार ओबीसी-ईबीसी से 13 मंत्री थे, जबकि मुस्लिम 2 मंत्रिमंडल में शामिल थे।

जेडीयू से कुशवाहा, आरजेडी से भाई वीरेंद्र नाराज

कैबिनेट विस्तार के बाद जेडीयू और आरजेडी में नाराजगी की खबर है। बताया जा रहा है कि जेडीयू से उपेंद्र कुशवाहा, तो आरजेडी से भाई वीरेंद्र नाराज हैं। दोनों का नाम मंत्री बनने की रेस में सबसे आगे था, लेकिन ऐन वक्त पर पत्ता कट गया। सियासी गलियारों में कहा जा रहा है कि उपेंद्र कुशवाहा नाराज होकर दिल्ली भी चले गए हैं। नीतीश सरकार को सपोर्ट दे रही भाकपा माले ने सरकार में शामिल होने से इनकार कर दिया है। माले के 12 विधायक हैं। माले गठबंधन में तेजस्वी यादव के साथ 2020 में चुनाव लड़ी थी। हालांकि, भाकपा ने सरकार में उचित सम्मान मिलने पर शामिल होने की बात कही है। नीतीश कुमार 10 अगस्त को बिहार के 8वीं बार मुख्यमंत्री बने। उनके पास 164 विधायकों का सपोर्ट है।

एनडीए से अलग होने के बाद नीतीश कुमार महागठबंधन के नेता चुने गए थे, जिसके बाद 10 अगस्त को उन्होंने तेजस्वी यादव के साथ शपथ ली थी।

वाटर पार्क में डूबने से बच्चे की मौत

वाराणसी, 16 अगस्त (एजेंसियां)। वाराणसी के दानियालपुर में वाटर पार्क में डूबने से क्लास-2 के एक स्टूडेंट की मौत हो गई। बच्चे का अंतिम संस्कार करने के बाद परिजन सारनाथ थाने पहुंचे और कार्रवाई की मांग करते हुए धरने पर बैठ गए। परिजनों ने वाटर पार्क प्रबंधन पर लापरवाही का आरोप लगाया। पुलिस ने सभी को समझाया और उचित कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके साथ ही वाटर पार्क प्रबंधन से जुड़े लोगों से पुलिस पूछताछ कर रही है।

लाटभैरव सरैयां निवासी सब्जी विक्रेता राजकुमार सोनकर के दो बेटों और तीन बेटियों में दूसरे नंबर का यश आठ साल का था। वह क्लास-2 का स्टूडेंट था। यश सोमवार की दोपहर अपने मुहल्ले के लड़कों के साथ पास के ही दानियालपुर स्थित वाटर पार्क गया था। आरोप है कि वाटर पार्क में नहाने के दौरान यश डूब गया। साथ गए मोहल्ले के लड़कों की सूचना पर परिजन आए और यश को आनन-फानन अस्पताल ले जाया गया। अस्पताल में बच्चे के शव को मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद परिजन यश के शव को ले जाकर गंगा में प्रवाहित कर दिए। उधर, इस घटना के बाद से यश की मां कोमल देवी और उसके परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

यश का अंतिम संस्कार करने के बाद परिजन और मुहल्ले के लोग रात में सारनाथ थाने पहुंचे। सभी ने वाटर पार्क प्रबंधन से जुड़े लोगों पर कार्रवाई की मांग लेकर हंगामा शुरू कर दिया।

इसके साथ ही धरने पर बैठ गए। सभी का कहना था कि बच्चों को उनके गार्जियन के बिना वाटर पार्क में एंट्री कैसे दे दी गई।

पुलिस ने आश्वस्त किया कि तहरीर के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जाएगी। इसके साथ ही वाटर पार्क प्रबंधन से जुड़े दो लोगों को बुलाकर उनसे पूछताछ शुरू की तो यश के परिजन और उसके मुहल्ले के लोग शांत हुए।

उधर, इस संबंध में सारनाथ थाना प्रभारी धरमपाल सिंह ने बताया कि बच्चे की अंत्येष्टि करने के बाद परिजनों ने पुलिस को सूचना दी है। मामले की जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

इको टूरिज्म बोर्ड बनाएगी योगी सरकार

कुकरैल शिफ्ट होगा लखनऊ जू, शुरू होगी नाइट सफारी

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में मंगलवार को हुई कैबिनेट की बैठक में कुल 18 प्रस्तावों को मंजूरी दी गई। इनमें यूपी इको टूरिज्म बोर्ड के गठन, लखनऊ चिड़ियाघर को कुकरैल शिफ्ट करने और नाइट सफारी शुरू करने का प्रस्ताव भी शामिल हैं। नाइट सफारी कुकरैल वन क्षेत्र में बनेगी। वहां 2027 हेक्टेअर का जंगल है। 150 एकड़ में प्राणि उद्यान बनेगा। 350 एकड़ में नाइट सफारी बनेगी। कैबिनेट की बैठक में कंसल्टेंट की नियुक्ति का भी निर्णय लिया गया। तय हुआ कि 6 पद सृजित किए जाएंगे। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में परामर्श समिति और अपर मुख्य सचिव वन की अध्यक्षता में कार्य संचालन समिति बनेगी। 10 विभागों के समन्वय से प्रदेश में इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड के गठन का निर्णय लिया गया है।

अदालत के बाहर ताबड़तोड़ फायरिंग

पेशी पर आए आरोपी की हत्या, पुलिसकर्मी भी जख्मी

हापुड़, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हापुड़ जिला कोर्ट में दिनदहाड़े फायरिंग से हड़कंप मच गया। मंगलवार को जिला अदालत में पेशी पर आए एक आरोपी की गोली मारकर हत्या से सनसनी फैल गई। आरोपी वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए। मौके पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार, मंगलवार को हरियाणा पुलिस की कस्टडी में पेशी पर आए एक आरोपी की हापुड़ कचहरी के बाहर गोली मारकर हत्या कर दी गई। मृतक को चार से पांच गोली मारी गई हैं।

मृतक का नाम लाखन उर्फ यशराज पुत्र मनिपाल निवासी गांव अनंगपुर फरीदाबाद है। लाखन 2019 में धोलाना में हुई एक हत्या के मामले में आरोपी था। बदमाशों की ओर से पिस्टल से 10 से 15 राउंड फायरिंग हुई। पुलिस की ओर से गोली चलने की सूचना नहीं है। इस दौरान एक गोली पुलिसकर्मी को भी लगी है। गोली लगने से पुलिसकर्मी भी घायल हो गया। एसपी दीपक भूकर ने बताया कि किसी पुलिस कर्मी को गोली नहीं लगी है। हत्यारों की संख्या तीन थी। कचहरी के बाहर बदमाशों ने पैदल ही घटना को अंजाम दिया और उसके बाद पास के मोहल्ले रघुवीर गंज में खड़ी बाइक से फरार हो गए। पुलिस मोहल्ले में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है। आईजी प्रवीण कुमार ने भी मौके पर पहुंचकर मामले की जानकारी ली।

यहां जमा करा सकते हैं क्षतिग्रस्त तिरंगा

बस्ती की डीएम ने नागरिकों से की ये खास अपील

बस्ती, 16 अगस्त (एजेंसियां)। घर-घर तिरंगा अभियान के बाद अब राष्ट्रीय ध्वज को ससम्मान और सुरक्षित ढंग से रखे जाने को लेकर प्रशासन सचेत हो गया। यूपी के बस्ती में जिला प्रशासन ने राष्ट्रीय ध्वज को किसी प्रकार की क्षति होने पर सरकारी कार्यालयों में जमा करवाने का इंतजाम किया है। डीएम प्रियंका निरंजन ने नागरिकों से अपील करते हुए कहा है कि यदि किसी नागरिक को किसी स्थान पर क्षतिग्रस्त राष्ट्रीय ध्वज मिलता है, तो उसे निकट के सरकारी कार्यालय में जमा कर दें। राष्ट्रीय ध्वज को कहीं इधर-उधर ना फेंके और ना ही निस्तारण करने का प्रयास करें। मंगलवार को डीएम ने बताया कि राष्ट्रीय ध्वज के निस्तारण की एक प्रक्रिया होती है।

उन्होंने कहा कि नागरिक अपने घरों पर फहराए गए राष्ट्रीय ध्वज को घर पर सुरक्षित रख लें। वे आजादी के सौ वर्ष पूरा होने पर इसे फहरा सकते हैं। उन्होंने कहा कि सभी नागरिक तिरंगे को सम्मान पूर्वक उतार कर अपने घरों में सुरक्षित रख लें।

दीवार तोड़ता हुआ घर में घुसा ट्रॉला

रिटायर्ड दरोगा समेत चार की मौत, 4 घंटे तक मलबे में दबे रहे लोग

मैनपुरी, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मैनपुरी जिले की तहसील कुरावली में बीती रात दर्दनाक हादसा हुआ। यहां के ग्राम खिरिया पीपर के सामने तेज रफ्तार से जा रहा लोहे की सरिया से लदा ट्रॉला अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे बने एक मकान के पिलर को तोड़ता हुआ दूसरे मकान में घुस गया, जिससे मकान के मलबे में दबकर ट्रक के चालक परिचालक सहित मकान में सो रहे दंपत्ति की मौके पर ही मौत हो गई। ट्रॉला में बैठे छह लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे प्रशासनिक अधिकारी तथा पुलिसकर्मियों द्वारा घायलों को अस्पताल में भर्ती कराते हुए जेसीबी की मदद से रात में ही 4 घंटे रेस्क्यू कर मलबे में दबे शवों को बाहर निकाला गया। घटना की सूचना पर मृतक के परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं पुलिस ने मृतकों के शव का पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। सोमवार की रात लगभग 10:00 बजे ग्राम खिरिया पीपर के सामने हाईवे पर दिल्ली की तरफ से तेज रफ्तार से सरियों से लदा जा रहा ट्रॉला अनियंत्रित होकर हाईवे के किनारे बने प्रमोद कुमार पुत्र सुखराम के मकान के बने पिलर को तोड़ता हुआ सेवानिवृत पुलिसकर्मी विश्राम सिंह पुत्र अंगद सिंह के मकान में जा घुसा, जिससे पुलिस कर्मी का मकान ढह गया। मकान के मलबे में ट्रॉला चालक कविंद्र पुत्र मुन्नालाल निवासी ग्राम रुद्रपुर थाना बिशुनगढ़, जनपद कन्नौज परिचालक अंकित पुत्र प्रमोद निवासी ग्राम कुंदरकोट, थाना रामपुरा अहिरवा, औरैया सहित चारपाई पर सो रहे रिटायर्ड 61 वर्षीय पुलिसकर्मी विश्राम सिंह पुत्र अंगद सिंह तथा उनकी 55 वर्षीय पत्नी विनोदा देवी पत्नी अंगद सिंह निवासी ग्राम खिरिया पीपर सहित ट्रॉला में बैठे मुनेश कुमार पुत्र शेर सिंह, राम नारायन पुत्र प्रेमचंद्र, संजीव पुत्र सामंत सिंह, देवेंद्र पुत्र गंगा सिंह, अखिलेश पुत्र राजेश कुमार निवासीगण ग्राम रुद्रपुर, विशुनगढ़ कन्नौज, सुनील कुमार पुत्र भवर सिंह निवासी भोजपुर विशुनगढ़ कन्नौज दब गये। मलबे में दबे लोगों की चीख पुकार सुनकर रात में ही मौके पर दर्जनों की संख्या में ग्रामीण पहुंच गए।

पूर्व मंत्री सुभाष सिंह का दिल्ली में निधन

गोपालगंज सदर सीट से लगातार 4 बार विधायक रहे, किडनी ट्रांसप्लांट के बाद हुआ था इंफेक्शन

गोपालगंज, 16 अगस्त (एजेंसियां)। सूबे के पूर्व सहकारिता मंत्री व सदर विधान सभा सीट से लगातार चार बार विधायक रहे सुभाष सिंह का इलाज के दौरान दिल्ली में निधन हो गया। पूर्व मंत्री के निधन की ख़बर सुनते ही भाजपा नेताओं में शोक लहर दौड़ गई। वही परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। मंगलवार की सुबह 3 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। सुभाष सिंह सदर प्रखंड के ख़्वाजेपुर गांव निवासी थे। उनका राजनीतिक सफर 1990 के दशक से शुरू हुआ था। तब वो गोपालगंज के लिए यूनियन के अध्यक्ष हुआ करते थे। इसके बाद सहकारिता के क्षेत्र में उन्होंने काम किया। सुभाष सिंह की लोकप्रियता को देखते हुए बीजेपी ने गोपालगंज सदर विधानसभा से विधायक का टिकट दिया। भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़कर चुनाव जीते और लगातार चार बार विजयी होकर बिहार विधान सभा के सदस्य बने। वर्ष 2005, 2010, 2015 और 2020 में लगातार विधायक चुने गए। लगातार चार बार विधायक रहने पर एनडीए की सरकार में उन्हें सहकारिता मंत्री बनाया गया था। मंत्री पद के शपथ लेने के बाद उन्होंने किडनी ट्रांसप्लांट करवाया। लेकिन इंफेक्शन हो जाने के कारण दुबारा एम्स में उन्हें भर्ती कराया गया था। परिजनों की मानें तो किडनी ट्रांसप्लांट होने के बाद उन्हें गोपालगंज के घर लाया गया था। इसके बाद हालत बिगड़ने पर दोबारा दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया था।

जिसके बाद मंगलवार की अहले सुबह 3 बजे अंतिम सांस ली।

आरएलबी उन्नाव का प्रबंधक धोखाधड़ी में गिरफ्तार

नौकरी के नाम पर महिला से लिए 16.50 लाख रुपये, तीन साल से था फरार

लखनऊ, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लखनऊ पुलिस ने उन्नाव के रानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्या मंदिर इंटर कालेज के प्रबंधक को धोखाधड़ी के मामले में गिरफ्तार किया है। उसने एक महिला को शिक्षिका की नौकरी दिलाने के नाम पर 16.50 लाख रुपये ठग लिए थे।

प्लेसमेंट एजेंसी संचालक की मदद से की ठगी, दे रहा था जान से मारने की धमकी

इन्दिरानगर के निजामुद्दीन चांदन निवासी मंजू लता सिंह ने बताया कि 2017 में इंदिरानगर में प्लेसमेंट एजेसी जलाने वाले अमित यादव ने स्कूल में नौकरी दिलाने का वादा किया था। उसकी बातों में आकर उन्नाव स्थित रानी लक्ष्मी बाई कन्या विद्या मन्दिर इंटर कॉलेज के प्रबंधक वीरेंद्र सिंह से मुलाकात की। उन्होंने 15 लाख रुपये में नौकरी दिलाने का दावा किया।

उनकी बातों में आकर 15 लाख वीरेंद्र और अमित को कमीशन के तौर पर 1.50 लाख रुपये दे दिए। इन लोगों ने ज्वाइनिंग लेटर आजकल देने की बात कह महीनों टरकाते रहे। पुलिस से शिकायत करने की बात कहने पर मारपीट कर पर्स लूट लिया। जिसमें इनसे जुड़े साक्ष्य, रुपये और सोने की चेन थी। उसके बाद दोबारा तकादा करने पर जान से मारने की धमकी दी। इंस्पेक्टर इंदिरानगर डॉ. रामफल प्रजापति ने बताया कि पीड़िता मंजू लता ने आरोपियों के खिलाफ एक अप्रैल 2019 में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर तीन साल से फरार चल रहे विभूतिखण्ड निवासी आरोपी प्रबंधक वीरेंद्र सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया है।

नीतीश सरकार में लखीसराय-मुंगेर की झोली खाली

5 टर्म विधायक प्रह्लाद यादव मंत्री बनने से चूके

लखीसराय, 16 अगस्त (एजेंसियां)। महागठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल का ऐलान मंगलवार को पटना के राजभवन में कर दिया गया है। नई सरकार में बनाए गए सभी 31 मंत्रियों ने शपथ भी ली, लेकिन लखीसराय के नजरिए से नई सरकार में जिले को नुकसान हुआ है। बीजेपी से गठबंधन वाली सरकार में जहां लखीसराय के विधायक विजय कुमार सिन्हा को विशेष पद देते हुए विधानसभा अध्यक्ष और उससे पहले श्रम संसाधन मंत्री बनाया गया, तो वहीं वर्तमान की महागठबंधन सरकार में लखीसराय के सूर्यगढ़ा विधानसभा से लंबे समय से राजद के विधायक रहने वाले प्रह्लाद यादव को मंत्रिमंडल में स्थान नहीं दिया गया।

दरअसल, लखीसराय जिलांतर्गत दो विधानसभा क्षेत्र आते हैं। इनमें से एक लखीसराय और दूसरा सूर्यगढ़ा हैं। लखीसराय के विधायक वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष विजय कुमार सिन्हा हैं, जबकि सूर्यगढ़ा विधानसभा क्षेत्र से राजद के प्रह्लाद यादव हैं। पूर्वी बिहार के मुंगेर, जमुई और लखीसराय जिले की बात करें तो यहां राजद से एकमात्र विधायक प्रह्लाद यादव हैं।

नगरद्वय में हर्षोल्लास से मनाया गया 75वां स्वतंत्र दिवस

वायु सेना अकादमी ने मनाया हर घर 'तिरंगा कार्यक्रम'

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 'हर घर तिरंगा' अभियान को मनाने के राष्ट्रीय एजेंडे के अनुरूप, एयर मार्शल बी चंद्रशेखर, अति विशिष्ट सेवा मेडल, कमांडेंट, वायु सेना अकादमी, डुंडीगल, हैदराबाद के नेतृत्व में वायु सेना अकादमी में इसे शानदार तरीके से मनाया गया। सप्ताह की शुरुआत वायु सेना अकादमी के अंदर सभी प्रमुख स्थानों पर कई राष्ट्रीय ध्वज फहराकर एक मजबूत देशभक्ति की भावना के साथ हुई। वर्दीधारी कर्मी, उनके परिवार और नागरिक अपने घरों में राष्ट्रीय ध्वज फहराने के लिए बहुत उत्साहित थे। 12 अगस्त को एक समारोह में वायु सेना अकादमी के सीआई जीडीओटी एयर कमोडोर मनमीत सिंह द्वारा अकादमी मुख्यालय में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। 'आजादी का अमृत महोत्सव' और 'हर घर तिरंगा' कार्यक्रम की भावना को थोड़ा और आगे बढ़ाते हुए 13 अगस्त 22 को एक मिनी मैराथन का आयोजन किया गया। मैराथन को एयर मार्शल बी चंद्रशेखर ने झंडी दिखाकर रवाना किया। इस आयोजन में वायु योद्धाओं, उनके परिवारों और वायु सेना अकादमी के बड़ी संख्या में नागरिक कर्मियों की भारी भागीदारी हुई। 15 अगस्त 2022 को, पूरे औपचारिक पोशाक में सभी सेवारत रक्षा और साथ ही नागरिक कर्मियों की उपस्थिति में कमांडेंट द्वारा अकादमी परेड मैदान में राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया।

डॉ. एमसीआर एचआरडी संस्थान के महानिदेशक व तेलंगाना सरकार के प्रधान मुख्य सचिव बी. महेश दत्त एक्का ने संस्थान परिसर में 76 वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया।

आरोग्या अस्पताल में स्वतंत्रता दिवस समारोह संपन्न

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मोजमजाही मार्केट स्थित आरोग्या अस्पताल परिसर में देश का 76वें स्वाधीनता दिवस मनाया गया। आज़ादी के अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य पर ध्वजारोहण समारोह में डॉ.महेश शर्मा ने अतिथियों का अभिवादन और स्वागत किया और कार्यक्रम का संचालन किया। आरोग्या अस्पताल की ओर से डॉ. मोहन गुप्ता ने समारोह के मुख्य अतिथि एवं पूर्व विधायक प्रेमसिंह राठौर और डॉ. श्याम सुन्दर अग्रवाल ने विशेष अतिथि सुप्रसिद्ध भवन निर्माता एवं वास्तु-विशेषज्ञ मोहम्मद रईस मोहम्मद खान का स्वागत पुष्पहार और शाल से किया। इस अवसर पर डॉ. मनोज कुमार सिंह, डॉ. विजय मोहन, डॉ बी. प्रभाकर, गोविंद नारायण राठी, शंभुदयाल अग्रवाल, जावेद झंझुआ, ललताप्रसाद अग्रवाल, राजेंद्र कुमार अग्रवाल, आनंद वर्मा, मोहम्मद सलीम, प्रकाशनारायण राठी, राजस्थानी स्नातक संघ के अध्यक्ष राजकुमार गुप्ता एवं मानद सचिव सीए संदीप झँवर, सुमेर सिंह राठौर, भगवानदास गाँधी, अमर जाजू, भरत जाजू, गोपाल सारड़ा, सम्पत बियानी, द्वारका असावा, अरुण लाहोटी, संपत दरक, मोंटी अग्रवाल सहित अन्य गणमान्य अतिथियों ने कार्यक्रम में भाग लिया।

रंगारेड्डी जिले के गच्चीबावली पुलिस परेड ग्राउंड में 76 वां स्वतंत्रता दिवस समारोह भव्य तरीके से आयोजित किया गया। सुबह से दोपहर पंद्रह अगस्त के कार्यक्रम उत्सव के माहौल में जारी रहा। शिक्षामंत्री सबिता इंद्रा रेड्डी ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय ध्वज फहराया। कार्यक्रम में जिला कलेक्टर अमॉय, साइबराबाद पुलिस आयुक्त स्टीफन रवींद्र, अपर कलेक्टर तिरुपति राव, जिला राजस्व अधिकारी हरिप्रिया, सभी विभागों के अधिकारी, पुलिस अधिकारियों, कर्मचारियों और छात्रों ने भाग लिया।

रिकाबगंज भण्डारा चौक पर कुम्भ मेला अग्रवाल बंधु द्वारा मनाये गये स्वतंत्रता दिवस समारोह में भाग लेते हुए अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल, प्रखर अग्रवाल, बृजमोहन, फतहचन्द, मनित, राकेश पटवारी राजू व अन्य।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह	स्थिति	
सूर्य-	कर्क	में
चंद्र-	मेष	में
मंगल	वृष	में
बुध-	सिंह	में
गुरु-	मीन	में
शुक्र-	कर्क	में
शनि-	मकर	में
राहु-	मेष	में
केतु-	तुला	में

लग्नारंभ समय		
कर्क...	03-50	बजे
सिंह...	06-02	बजे
कन्या	08-10	बजे
तुला -	10-14	बजे
वृश्चिक	12-24	बजे
धनु---	14-38	बजे
मकर-	16-44	बजे
कुंभ -	18-35	बजे
मीन...	20-14	बजे
मेष--	21-49	बजे
वृष--	23-34	बजे
मिथुन..	01-34	बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतु-वर्षा,दिशाशूल- उत्तर -धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- षष्ठी- **20-24** तक उपरान्त, सप्तमी
मास - भाद्रपद कृष्ण पक्ष , बुधवार, **17 August**
नक्षत्र - अश्विनी - **21 -56** - तक उपरान्त, भरणी
योग - गण्ड **20- 55** - तक उप- वृध्दि
करण- गर - **08 -14** - तक,उप- वणिज
विशेष:- सिंहे अर्क,बंगाल भाद्रपदमास प्रा.
व्रत -त्योहार - सिंह राशि मे सूर्य

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 12:20 से 13:55 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र बेगम बाजार हैद्रा.

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
लाभ	06:01 - 07:35	शुभ	उत्पात	18:40 - 20:05	अशुभ
अमृत	07:35 - 09:10	शुभ	शुभ	20:05 - 21:30	शुभ
काल	09:10 - 10:45	अशुभ	अमृत	21:30 - 22:55	शुभ
शुभ.	10:45 - 12:20	शुभ	चंचल	22:55 - 00:20	शुभ
रोग.	12:20 - 13:55	अशुभ	रोग	00:20 - 01:45	अशुभ
उत्पात	13:55 - 15:30	अशुभ	काल	01:45 - 03:10	अशुभ
चंचल	15:30 - 17:05	शुभ	लाभ	03:10 - 04:36	शुभ
लाभ	17:05 - 18:37	शुभ	उत्पात	04:36 - 06:03	अशुभ

बापूजी नगर, न्यू बोइनपल्ली में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष जम्पाना प्रताप, अजित कल्याण, रामा राव व अन्य।

स्वतंत्रता दिवस आजादी अमृत महोत्सव पर पार्षद लालसिंह द्वारा गोशमहल डिवीजन में कई जगहों में झंडा फहराया गया। इस अवसर पर सोमराज सिंह, सुधाकर गौड़, संदीप सिंह, प्रदीप सिंह, अमरदीप सिंह, किसान व अन्य उपस्थित रहे।

आजादी के अमृत महोत्सव कार्यक्रम में भाग लेते हुए अत्तापुर थाने के सर्कल इंस्पेक्टर बी. क्रांति कुमार, सुनिल, दत्ता बिरादर, समाज सेवी राजेश करवा एवं अन्य।

सरस्वती पूजा समिति, रामंतापुर में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए समिति सदस्य भगवान सिंह, मंजुनाथ गुप्ता, सुरेश सिंह, सुरेश पासवान, कमलेश व अन्य।

श्री आशापुरा माताजी मित्र मंडल द्वारा बेगम बाज़ार में अमृत महोत्सव मनाया गया। झंडारोहण कार्यक्रम में साईंनाथगंज सीआई अजय कुमार, दीप सिंह राठौड़, गंगा सिंह चौहान, उदय सिंह एवं अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

स्वतंत्रता दिवस पर छावनी परिषद में ध्वाजारोहण करते हुए बोर्ड के सीईओ अजीत रेड्डी। उपस्थित हैं ज्वाइंट सीईओ विजयकुमार बालन, महेंदर, परशुराम, वेंकटरमणा, नरसिंग व अन्य।

हिंदी प्रचार सभा में धूमधाम से मना स्वतंत्रता दिवस

हैदराबाद, 16 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद में 76वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर सभा के प्रधानमंत्री एवं ट्रस्टी जे. प्रेम कुमार ने सभा के प्रांगण में तिरंगा फहराकर सभी पदाधिकारियों तथा कार्यकर्ताओं को स्वतंत्रता दिवस की बधाई दी। इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने कहा कि 15 अगस्त 1947 का दिन हमारे देश के इतिहास में स्वर्णाक्षरों से लिखा गया है। इस साल आजादी के 75 वर्ष पूरे होने पर अमृत महोत्सव मना रहे हैं। इस राष्ट्रीय त्योहार को हम लोग बड़े उत्साह और देशभक्ति की भावना के साथ मनाते हैं। उन्होंने इसी अवसर पर आगे कहा कि राष्ट्रीय पर्व के साथ हमें राष्ट्रभाषा हिंदी को भी आगे बढ़ाना है और इसे आगे और भी ऊँचाइयों तक पहुँचाना है। सभा के चुनाव अधिकारी श्रुतिकांत भारती ने कहा कि हमें बहुत मुश्किलों से आज़ादी मिली है। हमारे स्वतंत्रता सेनानियों ने बहुत कुछ खोकर आजादी को पाया है। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के अध्यक्ष जी. गांधी ने कहा कि हमें आजादी को बचाए रखना है। तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के मंत्री डॉ. सादिख पाशा, सभा के रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे ने कहा कि हमें स्वतंत्रता के साथ-साथ हिंदी को भी बचाना है। सभा के प्रधानमंत्री जे. प्रेम कुमार ने धर्मवंत हिंदी शिक्षण संस्थाएँ ट्रस्ट तथा मुफिद-उल-अनाम बालिका विद्यालय में भी ध्वजा रोहण किया। मुफिद-उल अनाम बालिका विद्यालय के अध्यापिका माधुरी, अलका, श्रद्धा, नंदा आदि उपस्थित थे। इस अवसर पर तेलंगाना हिंदी प्रचार सभा हैदराबाद के कोषाध्यक्ष राममोहनाचार्युलु, सभा के कार्यालय मंत्री के. वेंकटेश्वर, रजिस्ट्रार नामदेव वाघमोडे, कार्यकर्ता संघ के मंत्री सी. शिवलिंगम, माया पाण्डेय, भानुदास पुजारे, सी. विनोद रेड्डी, प्रतिभा कुलकर्णी, के, सरिता, रेखा पवार, जी.आर. नरसिंग, सुनिता सबनिस, श्रीकांत, अरुणा आदि उपस्थित थे।

चारमीनार, सुलतानशाही में स्वतंत्रता दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते हुए युवा भाजपा नेता अशोक सेन, पूर्व पार्षद पाशम सुरेंद्र व अन्य।

नागिरेड्डी कॉलोनी ओल्ड अलवाल में आयोजित स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम में नवीन रेड्डी, विश्व मंगल गौशाला के मुख्य सचिव शांतिलाल सुथार, संगीता सिरवी, धर्माराम, प्रभूराम, विशनाराम सोहन सिरवी आदि उपस्थित रहे।

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो अ): आप इस वक़्त अलौकिक घटनाओं से प्रभावित रहेंगे ।आप आज अपना दिन किसी रहस्यमयी मुद्दे की खोजबीन में बिताना चाहते हैं और कोई रहस्यमयी फिल्म या उपन्यास देख/पढ़ सकते हैं ।आप किसी रहस्य पर से पर्दा उठाने का फैसला भी ले सकते हैं या किसी स्थिति/व्यक्ति के बारे में और अधिक जानने की कोशिश करेंगे

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कदम उठाने का है,इसमें हिचकिये मत ।इसके स्थान पर मजबूत फैसला लीजिये । अवसरों को जाने मत दीजिये ।इस समय विश्वास पूर्वक लिया गया एक फैसला नाटकीय तरीके से आपकी जिंदगी को बदल सकता है,शायद आपको अभी ये प्रतीत न हो ।पुराने संबंधों के बारे में फिर से सोचने और अर्थहीन संबंधों को तोड़ देना ही सही रहेगा ।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): आपकी एकाग्रता और विचारशक्ति इस समय अपने चरम पर है और इसीलिए आप अपने आसपास के लोगों की स्थिति के बारे में और भी संवेदनशील हैं ।इससे आपको पिछले कुछ मतभेद सुलझाने में मदद मिलेगी ।आप किसी ऐसे व्यक्ति के सम्पर्क में आ सकते हैं जिससे आप काफी पहले अलग हो गए थे ।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): अनुभव सबसे बड़ा अध्यापक है और अभी आपको इसी से सीखना है ।भूतकाल से ली हुई सीख की उपेक्षा ना करें ताकि भविष्य की परेशानियों से बच सकें ।जरुरतमंदों ,चाहे बच्चे हों या बूढ़े,उनकी मदद करें ।ऐसे करने से ही आप सही रास्ते पर चल पायेंगे चाहे आपको अभी इस पर चलने में कोई भी परेशानी आ रही हो ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): आज साहस दिखाने के लिए बहुत अच्छा दिन है । आज आपका भाग्य आपके साथ है। आज आप जो भी करोगे सब कुछ अच्छा ही होगा ।अगर कहीं निवेश करना चाहते हैं तो यह बहुत अच्छा समय है।सच्चा प्यार मिलने की उम्मीद बन रही है हालाँकि अपने स्वास्थ्य के बारे में सतर्क रहें ,खांसी और ठण्ड से परेशान हो सकते हैं ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अगर आप अपना समय और ऊर्जा गरीब और कम सुविधा प्राप्त बच्चों को शिक्षा देने में लगायेंगे तो आपको बहुत ख़ुशी मिलेगी ।अपना कुछ सामन किसी जरूरतमंद को दे दें ।आपकी वित्तीय स्थिति अच्छी है ,आप पैसे से भी किसी की मदद कर सकते हैं ।आप नए लोगों से जल्दी ही परिचय भी कर लेते हैं

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज आप हर किसी पर विश्वास करने के मूड में रहेंगे । इसका नुक्सान यह है की आप किसी ऐसे आदमी के साथ भी अपनी बाते साझी कर सकते हैं जो दिल से आपका भला नही चाहता ।इसीलिए पहले इस आदमियो के बारे सही से छानबीन कर लें ।अगर आप पिछले कुछ समय से कार्यस्थल या घर पर किसी की बातो से असहमत हैं

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): नकारात्मकता से भरे छली लोगों से दूर रहें ।ये आपको भी नकारात्मक बनाकर असफल कर देने की कोशिश में हैं जबकि आप अपनी मंजिल के बहुत करीब हो ।शांति के लिए आज अपना अधिकतर समय परिवार के साथ घर पर बिताएं और सारा बाकी काम पूरा कर लें । कुछ मीठी यादें है।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): दूसरों पर विश्वास करना होगा । यह आपका कोई करीबी या कोई दोस्त हो सकता है और वः आपकी किसी ऐसे विशेष काम में मदद करेगा जिससे आपके भविष्य पर काफी प्रभाव पड़ेगा । लेकिन इसके लिए सबसे जरुरी यह होगा की आप उस व्यक्ति में विश्वास बनाये रखें । आपको अपनी ही तरफ से विश्वास की पहल करनी होगी ।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): यह समय अपने लक्ष्य के लिए गंभीरता से कोशिश करने का है ,आपको बहुत जल्दी इसका फल भी मिलेगा ।आप अभी कुछ बातों के बारे में सोच रहे थे,उनको कार्यान्वित करने का समय आ गया है ।आपको अपना सारा ध्यान अब इसी पर लगाना होगा ।हालाँकि आप इसके कारण बहुत व्यस्त रहेंगे

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): आपकी प्रवृतियाँ आज काफी सक्रिय रहेंगी और आपको उनकी सुनकर ही आज आगे बढ़ाना चाहिए। यहां तक की अगर आपके आसपास हर किसी की राय अलग है तो भी आप उनकी ना सुनकर अपने ही मन की सुनें ।आपके लिए शायद अभी यह कर पाना काफी मुश्किल होगा लेकिन आपको इसका लाभ मिलेगा ।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): अगर आप आज रसोईघर में बनने वाले खाने के बारे में सोच रहे हैं तो बिलकुल सही सोच रहे हैं।आज आपको कोई विशेष पकवान खाने को मिल सकता है।अपनी सेहत का ध्यान रखें और साफ़ सफाई बनाये रखें ।आपके मित्र के को हुई ग़लतफ़हमी आज दूर हो सकती है ।अप्रत्याशित श्रोतों से आय होने की भी संभावना है ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

स्वतंत्र वार्ता

गुरुवार, 18 अगस्त, 2022

दूध में फिर उबाल

एक ओर तो सरकार और उसकी कई संस्थाएं यह कहाते नहीं अघा रही हैं कि बढ़ती महंगाई पर नियंत्रण कर लिया गया है, लेकिन दूसरी ओर जो हकीकत सामने आ रही है उससे तो लगता कि महंगाई को पंख लग गए हैं। देखने में तो यही आ रहा है कि आम लोगों के उपभोग की प्रत्येक वस्तु दिन-प्रतिदिन महंगी होती जा रही है। बुधवार की सुबह का दूध दो रुपए और महंगा हो गया। मदर डेयरी और अमूल ने पांच माह के अंतराल पर एक बार फिर दूध के दाम बढ़ा कर लोगों पर महंगाई का बोझ और लाद दिया। जाहिर है जब लीड कंपनियों ने दाम बढ़ाए हैं तो दूसरी कंपनियों के लिए भी दाम बढ़ाने का रास्ता साफ हो गया है। जगजाहिर है कि प्रतिदिन दूध की खपत सबसे ज्यादा होती है। शायद ही कोई घर हो जहां दूध इस्तेमाल न होता हो। वैसे भी चाय से लेकर होटल, रेस्तरां और मिठाइयां बनाने तक में इसका इस्तेमाल किया जाता है। महंगे दूध की वजह से दूध से बनने वाली हर चीज भी और महंगी होगी। चाय की थड़ियों पर इसका असर कहीं ज्यादा दिखेगा। यानी दूध के दाम बढ़ने से सबसे ज्यादा मार आम लोगों पर ही पड़नी है। खास लोगों पर तो कोई असर नहीं दिखेगा लेकिन आम आदमी कराह रहा है। सबसे मजेदार बात तो यह है कि कंपनियां वह कारण बताने को तैयार नहीं हैं कि इस समय उसे दूध के दाम बढ़ाने की क्या जरूरत थी? दाम बढ़ाने की जो लचर वजह बढ़ती जा रही है वह भी किसी के गले नहीं उतर रही है। कंपनियों का कहना है कि लागत बढ़ गई है। पिछले पांच महीनों में दूध उत्पादन और इससे जुड़े खर्च तेजी से बढ़े हैं। बता दें कि कंपनियां ज्यादातर दूध, किसानों और पशुपालकों से ही खरीदती हैं। ऐसे में कंपनियों को किसानों से जिस दाम पर दूध मिलता है, वह दाम बढ़ोतरी का एक बड़ा कारण माना जा सकता है। दूध कंपनियों के अनुसार वह अपना लगभग अस्सी फीसद पैसा दूध खरीद पर खर्च करती हैं। इस बार भी किसानों से दूध खरीद की लागत दस से ग्यारह फीसद बढ़ने की बात कही जा रही है। हालांकि चारे के बढ़ते दाम से किसान भी संकट में हैं। ऐसे में दूध की कीमत बढ़ाना उनकी भी अपनी मजबूरी है। तब तो बात घूम-फिर कर वहीं आ जाती है कि अगर कंपनियों को ही दूध महंगा मिलेगा तो वे सस्ता कैसे बेचेंगी। जाहिर है, लागत तो उपभोक्ता से ही वसूलेंगी। इसके अलावा कई कंपनियां परिवहन लागत भी बढ़ने की बात कहती रही हैं। इससे बिजली महंगी होने से लेकर दूध की पैकिंग और ढुलाई जैसे खर्च भी लगातार बढ़ ही रहे हैं। नतीजतन कंपनियों को दाम बढ़ाने का बहाना मिल गया। दूसरी ओर उपभोक्ताओं का भी कहना है कि मान लिया कि कंपनियों की लागत बढ़ रही है, लेकिन इस बढ़ती लागत की वसूली का रास्ता भी तो तर्कसंगत होना चाहिए। सारा बोझ आम आदमी पर ही डाल कर लागत वसूलने को तो नाजायज ही कहा जाएगा। दूध कंपनियां दूध के अलावा भी कई तरह के उत्पाद बेचती हैं। मसलन, दही, छाछ, पनीर, चीज, आइसक्रीम और दूध से बनने वाली मिठाइयां भी। इनके दामों को थोड़ा समायोजित कर दूध के दाम को स्थिर रखने में आखिर कंपनियों का क्या जाता है। हालांकि दूध के दाम बढ़ने से इनके दाम भी स्वत ही बढ़ जाते हैं। लेकिन इनके दाम बढ़ने का असर उतना नहीं दिखता, जितना कि दूध महंगा होने से तत्काल दिखाई देने लगता है। अभी संकट यह है कि रसोई गैस से लेकर आटा, डबलरोटी जैसी चीजों सहित खाने-पीने की ज्यादातर वस्तुओं के दाम पहले से ही आसमान छू रहे हैं। पिछले महीने खाद्य पदार्थों पर लगी जीएसटी ने मुश्किलें और बढ़ा दीं। ऊपर से अब पेट्रोल और डीजल के दाम फिर बढ़ाने की चर्चा चलने लगी है। यानी महंगाई को और भी बढ़ना तय है। सबसे बडा संकट यह है कि जिस तरह से महंगाई बढ़ रही है उस अनुपात में लोगों की आमद नहीं बढ़ पा रही है। इससे जो असुंतलन पैदा हो रहा है वह आने वाले दिनों और मुश्किलें खडी करेंगी?

मोदी के भाषण पर विवाद फिजूल

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

लाल किले की प्रचारी से हर साल 15 अगस्त को प्रधानमंत्री जो भाषण देते हैं, उनसे देश में कोई विवाद पैदा नहीं होता। वे प्रायः विगत वर्ष में अपनी सरकार द्वारा किए गए लोक-कल्याणकारी कामों का विवरण पेश करते हैं और अपनी भावी योजनाओं का नक्शा पेश करते हैं। इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण के लगभग एक घंटे के हिस्से पर किसी विरोधी ने कोई अच्छी या बुरी टिप्पणी नहीं की लेकिन सिर्फ दो बातें को लेकर विपक्ष ने उन पर गोले बरसाने में कोई कसर नहीं छोड़ी। कांग्रेस के नेताओं को बड़ा एतराज इस बात पर हुआ कि मोदी ने महात्मा गांधी, नेहरू और पटेल के साथ-साथ इस मौके पर वीर सावरकर और श्यामाप्रसाद मुखर्जी का नाम क्यों ले लिया? चंद्रशेखर, भगत सिंह, बिस्मिल आदि के नाम भी मोदी ने लिए और स्वातंत्र्य-संग्राम में उनके योगदान को प्रणाम किया। क्या इससे नेहरू जी की अवमानना हुई है? कतई नहीं। फिर भी सोनिया गांधी ने एक गोल-मोल बयान जारी करके मोदी की निंदा की है। कुछ अन्य कांग्रेस नेताओं ने सावरकर को पाकिस्तान का जनक बताया है। उन्हें द्विराष्ट्रवाद का पिता कहा है। इन पढ़े-लिखे हुए नेताओं से मेरा विनम्र अनुरोध है कि वे सावरकर के लिखे ग्रंथों को एक बार फिर ध्यान से पढ़ें। पहली बात तो यह है कि सावरकर और उनके भाई ने जो कुर्बानियां की हैं और अंग्रेजी राज के विरुद्ध जो साहस दिखाया है, वह कितना अनुपम है। इसके अलावा अब से लगभग 40 साल पहले राष्ट्रीय अभिलेखागार से अंग्रेजों के गोपनीय दस्तावेजों को खंगालकर सावरकर पर लेखमाला लिखते समय मुझे पता चला कि अब के कांग्रेसियों ने उन पर अंग्रेजों से समझौते करने के निराधार आरोप लगा रखे हैं।

यदि सावरकर इतने ही अछूत हैं तो तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने मुंबई में बने उनके स्मारक के लिए अपनी निजी राशि से दान क्यों दिया था? हमारे स्वातंत्र्य-संग्राम में हमें क्रांतिकारियों, गांधीवादियों, मुसलमान नेताओं यहां तक कि मोहम्मद अली जिन्ना के योगदान का भी स्मरण क्यों नहीं करना चाहिए? विभाजन के समय उनसे मतभेद हो गए, यह अलग बात है। कर्नाटक के भाजपाइयों ने नेहरू को भारत-विभाजन का जिम्मेदार बताया, यह बिल्कुल गलत है। मोदी की दूसरी बात परिवारवाद को लेकर थी।

उस पर कांग्रेस नेता फिजूल भन्नाए हुए हैं। वे अब कुछ भाजपा मंत्रियों और सांसदों के बेटों के नाम उछालकर मोदी के परिवारवाद के आरोप का जवाब दे रहे हैं। वे बड़ी बुराई का जवाब छोटी बुराई से दे रहे हैं। बेहतर तो यह हो कि भारतीय राजनीति से 'बाप कमाई' की प्रवृत्ति को निर्मूल करने का प्रयत्न किया जाए।

टीपू सुल्तान के नाम पर फिर घमासान

कर्नाटक में टीपू सुल्तान के नाम पर फिर घमासान मचा है। 15 अगस्त को शिवमोगा में वीर सावरकर और टीपू सुल्तान की पोस्टर रैली निकाली जा रही थी। इस दौरान दोनों गुटों के बीच झड़प हुई, जिसमें जबीउल्ला नाम के शख्स ने एक पुलिसकर्मी पर चाकू से हमला कर दिया। 4 लोगों को गिरफ्तार किया गया है और इलाके में धारा 144 लगा दी गई है। इस घटना ने टीपू सुल्तान के नाम पर एक बार फिर बहस छेड़ दी है। आज हम जानेंगे कि अंग्रेजों से लोहा लेने वाले टीपू सुल्तान से हिंदूवादी चिढ़ते क्यों हैं?

हिंदू संगठन दावा करते हैं कि टीपू धर्मनिरपेक्ष नहीं, बल्कि एक असहिष्णु और निरंकुश शासक थे। 2015 में आरएसएस के मुखपत्र पांचजन्य में भी टीपू सुल्तान की जयंती के विरोध में एक लेख छपा था, जिसमें टीपू को दक्षिण का औरंगजेब बताया गया था। टीपू सुल्तान के संबंध में मशहूर लेखक चिदानंद मूर्ति कहते हैं, 'वे बेहद चालाक शासक थे। उन्होंने मैसूर में हिंदुओं पर कोई अत्याचार नहीं किया, लेकिन तटीय क्षेत्र जैसे मालाबार में हिंदुओं पर उन्होंने काफी अत्याचार किए।'

भाजपा के राज्यसभा सांसद राकेश सिन्हा ने नवंबर 2018 में कहा कि 'टीपू सुल्तान ने अपने शासन का प्रयोग हिंदुओं का धर्मांतरण करने के लिए किया और यही उनका मिशन था। इसके साथ ही उन्होंने हिंदुओं के मंदिरों को तोड़ा, हिंदू महिलाओं की इज्जत पर प्रहार किया और ईसाइयों के चर्चों पर हमले किए। इस वजह से हम ये मानते हैं कि राज्य सरकारें टीपू सुल्तान पर सेमिनार कर सकती हैं और उनके अच्छे बुरे कामों पर चर्चा कर सकती हैं, लेकिन उनकी जयंती पर समारोह आयोजित करने से युवाओं में गलत संदेश जाता है।'

19वीं सदी में ब्रिटिश गवर्मेंट के अधिकारी और लेखक विलियम लोगान ने अपनी किताब 'मालाबार मैनुअल' में लिखा है कि टीपू सुल्तान ने अपने 30,000 सैनिकों के दल के साथ कालीकट में तबाही मचाई थी। टीपू सुल्तान ने पुरुषों और महिलाओं को सरेआम फांसी दी और इस दौरान उनके बच्चों को उन्हीं के गले में बांध कर लटकाया गया। इस किताब में विलियम ने टीपू सुल्तान पर मंदिर, चर्च तोड़ने और जबरन शादी जैसे कई आरोप भी लगाए हैं।

1964 में प्रकाशित केट ब्रिटलबैंक की किताब

'लाइफ ऑफ टीपू सुल्तान' में कहा गया है कि सुल्तान ने मालाबार क्षेत्र में एक लाख से ज्यादा हिंदुओं और 70,000 से ज्यादा ईसाइयों को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया। जिन लोगों ने इस्लाम स्वीकार किया, उन्हें मजबूरी में अपने-अपने बच्चों को शिक्षा भी इस्लाम के अनुसार देनी पड़ी। इनमें से कई लोगों को बाद में टीपू सुल्तान की सेना में शामिल किया गया।

एकेडमिक माइकल सोराक के मुताबिक इस वक्त टीपू की छवि कट्टर मुगल बादशाह के तौर पर पेश करने के लिए उन फैक्ट को आधार बनाया जा रहा है, जो 18वीं सदी में अंग्रेज अधिकारी टीपू सुल्तान के खिलाफ इस्तेमाल करते थे। ऐसा इसलिए क्योंकि उस वक्त टीपू की बढ़ती ताकत और लोकप्रियता ने अंग्रेजों की बेचैनी बढ़ा दी थी। सोराक के मुताबिक बीते कुछ दशक में हिंदू राइट विंग टीपू को कट्टर मुगल शासक बताने लगा है। देश में पॉलिटिकल स्टेक बदलने की वजह से टीपू को लेकर हिंदू राइट विंग की सोच में यह बदलाव देखा जा रहा है। राइट विंगर्स का सबसे बड़ा आरोप है कि टीपू ने कर्नाटक के कुर्ग में हजारों कोडवा समुदाय के लोगों की जान ले ली। साथ ही दबाव डालकर मंगलोर में कैथोलिक क्रिश्चियंस को मुसलमान बनाया।

मैसूर के शासक टीपू सुल्तान की मौत के बाद 19वीं सदी में कन्नड़ भाषा में उन पर कई लोक गीत और नाटक लिखे गए थे। इन लोक गीत और नाटकों में टीपू की छवि को एक योद्धा के तौर पर पेश किया गया, जो अंग्रेजों के खिलाफ जंग में लड़ते हुए शहीद गए थे। कर्नाटक में टीपू के अलावा किसी और राजा के लिए ऐसे लोक गीत प्रचलित नहीं थे। हिस्ट्री की किताबों में और 'अमर चित्र कथा' कॉमिक्स में टीपू को महान योद्धा बताया गया, जिसने आखिरी सांस तक अंग्रेजों से लोहा लिया। कन्नड़ भाषा में लिखी 'भारत-भारती' नाम की सीरीज में आरएसएस ने टीपू को सच्चा देशभक्त और हीरो बताया था। इसमें टीपू के बारे में किसी किस्म की नकारात्मक टिप्पणी नहीं की गई थी। 20 नवंबर 1750 को कर्नाटक के देवनाहल्ली में मैसूर के शासक हैदर अली खां के घर एक बच्चे का जन्म हुआ। हैदर ने अपने बेटे का नाम सुल्तान फतेह अली खान शाहाब रखा था।

बाद में इसी बच्चे को टीपू सुल्तान के नाम से जाना गया। विवादों में होने के बावजूद टीपू सुल्तान को न सिर्फ एक अच्छे शासक, बल्कि योद्धा के तौर पर भी जाना जाता है। 15 साल की उम्र में टीपू सुल्तान ने सन 1766 में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ी गई मैसूर की पहली लड़ाई में अपने पिता का साथ दिया था और अंग्रेजों को बुरी तरह परास्त किया था। उस युद्ध में टीपू के पराक्रम को देखते हुए पिता ने उन्हें शेर-ए-मैसूर कहा था। सन 1782 में टीपू मैसूर के शासक बने थे।

टीपू सुल्तान की पहली लड़ाई द्वितीय अंग्रेज-मैसूर युद्ध था, जिसमें उन्होंने मंगलौर की संधि के साथ युद्ध को समाप्त किया और सफलता हासिल की। 15 साल की उम्र में अंग्रेजों को हराने के बाद सुल्तान के तौर पर भी पहली लड़ाई में टीपू ने जीत दर्ज की थी। यह युद्ध 1780-84 के बीच लड़ा गया था। तृतीय अंग्रेज-मैसूर युद्ध टीपू सुल्तान की शासक के तौर पर दूसरी बड़ी लड़ाई थी। यह युद्ध श्रीरंगपट्टनम की संधि के साथ समाप्त हुआ। टीपू को अपने प्रदेशों का आधा हिस्सा हैदराबाद के निजाम एवं मराठा साम्राज्य के प्रतिनिधि ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी के लिए छोड़ना पड़ा। यह युद्ध 1790 में लड़ा गया था।

चौथा अंग्रेज-मैसूर युद्ध 1799 में हुआ था। जब अंग्रेज मंगलौर संधि की शर्तों से मुकरे तो 1799 में दोनों के बीच आमने-सामने की लड़ाई हुई। इस लड़ाई में टीपू सुल्तान की सेना के बड़े अधिकारी मीर सादिक ने गद्दारी कर दी और वह अंग्रेजों से मिल गया। इसी वजह से करीब तीन महीने की लड़ाई के बाद युद्ध के मैदान में अंग्रेजों से लड़ते हुए टीपू सुल्तान शहीद हो गए। मेजर एलेक्जेंडर ऐलन ने बाद में इस युद्ध का जिक्र करते हुए किताब में लिखा था कि टीपू सुल्तान के मरने के बाद भी अंग्रेज सैनिक उनके शरीर को छूने से डर रहे थे।

मैसूर में हिंदू बहुमत में थे। इसलिए टीपू सुल्तान ने श्रीरंगपट्टनम, मैसूर समेत राज्य के कई स्थानों में मंदिर बनवाए। इतिहासकार टीसी गौड़ा ने अपने एक इंटरव्यू में कहा है कि टीपू ने श्रिंगेरी, मेल्कोटे नांजनगुंड, सिरीरंगापटनम, कोलूर जैसे मंदिरों के जवाहरातों को सुरक्षा मुहैया करवाई थी। 1759 में आदि शंकराचार्य के बनाए तिरुपति मंदिर पर मराठों ने हमला कर दिया था तो हिंदुओं की धार्मिक भावना को देखते हुए टीपू सुल्तान ने इसका पुनर्निर्माण करवाया था।

1990 के दशक में बाबरी ढांचा और राम मंदिर को लेकर जब विवाद चरम पर पहुंचा तो टीपू सुल्तान के प्रति नजरिए में भी बड़ा बदलाव देखने को मिला। इसके पहले तक तमाम स्कूली किताबों में उन्हें महान शासक की उपाधि दी जाती थी। मंदिर-मस्जिद विवाद के बीच टीपू की छवि एक धर्मनिरपेक्ष शासक के बजाय मुस्लिम तानाशाह की बना दी गई।

टीपू सुल्तान पर लिखी गई किताब में चिदानंद मूर्ति कहते हैं कि टीपू सुल्तान ने 1783 में पालघाट किले पर हमला कर हजारों ब्राह्मणों का कत्लेआम किया था। इससे हिंदुओं के मन में टीपू सुल्तान के प्रति डर बैठ गया था। हालांकि एक इंटरव्यू में इतिहासकार प्रोफेसर बी शेख ने बताया है कि यह सब कुछ इतिहास से अधिक वर्तमान राजनीतिक माहौल से प्रभावित है।

गुलाम नबी आजाद की प्रेशर पोलिटिक्स

जम्मू-कश्मीर में कांग्रेस कैंपेन कमेटी का अध्यक्ष बनाए जाने के दो घंटे के भीतर ही गुलाम नबी आजाद ने इस्तीफा दे दिया। इसके बाद ये चर्चा होने लगी कि क्या वे बीजेपी में जा रहे हैं। क्या वह अलग पार्टी बनाएंगे। हालांकि, आजाद के एक करीबी ने साफ किया है कि वे फिलहाल कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे। कांग्रेस में रहकर ही अपनी बात उठाते रहेंगे। 73 साल के आजाद अपनी सियासत के आखिरी पड़ाव पर फिर प्रदेश कांग्रेस की कमान संभालना चाह रहे थे, लेकिन केंद्रीय नेतृत्व ने उनकी बजाय 47 साल के विकार रसूल वानी को ये जिम्मेदारी दे दी। वानी गुलाम नबी आजाद के बेहद करीबी हैं। वे बानिहाल से विधायक रह चुके हैं। आजाद को यह फैसला पसंद नहीं आया। कहा जा रहा है कि कांग्रेस नेतृत्व आजाद के करीबी नेताओं को तोड़ रहा है। गुलाम नबी आजाद और कांग्रेस हाईकमान के बीच पिछले डेढ़ साल से टकराव चल रहा है। सुलह की बजाय यह टकराव लगातार बढ़ रहा है। बताया जाता है कि कांग्रेस नेतृत्व जम्मू-कश्मीर में गुलाम नबी आजाद के सियासी प्रभाव को कम करना चाह रहा है। गुलाम नबी आजाद भी लीडरशिप को समय-समय पर चुनौती दे रहे हैं। आजाद की नाराजगी कांग्रेस को 2022 के विधानसभा चुनाव में महंगी पड़ सकती है, क्योंकि जम्मू कश्मीर कांग्रेस में गुलाम नबी आजाद ही सबसे प्रभावशाली नेता हैं।

गुलाम नबी आजाद पिछले प्रदेश अध्यक्ष अहमद मीर का विरोध कर रहे थे। मीर से उनकी लंबे समय से अनबन चल रही थी। उन्हीं के दबाव में कांग्रेस आलाकमान ने मीर को हटाया भी था। कांग्रेस अध्यक्ष पद पर आजाद के करीबी को दायित्व भी दे दिया, लेकिन उन्हें यह पसंद नहीं आया। इतना ही नहीं आजाद के करीबी लोगों को किसी न किसी पद पर रखा जा रहा है, लेकिन मन की बात पूरी न होने पर आजाद ने खराब सेहत की वजह से कैंपेन कमेटी के अध्यक्ष का पद संभालने से इनकार कर

दिया। आजाद ने पार्टी को उस वक्त झटका दिया, जब उनके 20 करीबियों ने प्रदेश कांग्रेस पार्टी में अपनी जिम्मेदारियों से इस्तीफा दे दिया था। इससे आजाद जम्मू-कश्मीर कांग्रेस कमेटी में अपनी पैठ मजबूत करना चाह रहे थे, लेकिन आलाकमान ने झुकने की बजाय इस्तीफा मंजूर कर लिया। जम्मू क्षेत्र के रामबन, डोडा, किश्तवाड़, रियासी और उधमपुर जिले में आजाद का ज्यादा प्रभाव हैं। इन 5 जिलों में विधानसभा की 12 सीटें हैं। 8 महीने पहले इन जिलों पर ध्यान लगाकर आजाद किंगमेकर बनने की कोशिश कर रहे थे।

गुलाम नबी आजाद का राज्यसभा का कार्यकाल 15 फरवरी 2021 को पूरा हो गया था। उसके बाद उन्हें उम्मीद थी कि किसी दूसरे राज्य से उन्हें राज्यसभा भेजा जा सकता है, लेकिन कांग्रेस ने उन्हें राज्यसभा नहीं भेजा। आजाद का कार्यकाल खत्म होने वाले दिन उन्हें विदाई देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी भावुक हो गए थे। पिछले साल 2021 में मोदी सरकार ने गुलाम नबी आजाद को पद्म भूषण सम्मान दिया था। कांग्रेस के कई नेताओं को यह पंसद नहीं आया। नेताओं ने सुझाव दिया था कि आजाद को यह सम्मान नहीं लेना चाहिए।

केंद्र सरकार ने 2019 में जम्मू-कश्मीर से आर्टिकल 370 खत्म कर दिया था। इसका भाजपा के अलावा प्रदेश की सभी पार्टियां विरोध कर रही हैं। प्रदेश की सियासत इसी पर टिकी है। गुलाम नबी आजाद निजी तौर पर भी आर्टिकल 370 खत्म करने का विरोध कर रहे थे। ऐसे में वह कांग्रेस छोड़कर बीजेपी में जाते हैं तो उन्हें विरोध झेलना पड़ सकता है। जिन जिलों में आजाद का प्रभाव है, वहां भी असर होगा। 2014 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को महज 12 सीटें ही मिली थीं। यहां कांग्रेस चौथे नंबर की पार्टी थी।

5 महीने पहले 5 राज्यों में मिली करारी हार के बाद गुलाम नबी आजाद के घर पर कांग्रेस के असंतुष्ट जी-23 गुट की डिनर मीटिंग हुई थी। इसके बाद पार्टी में नेतृत्व को लेकर विद्रोह की अटकलें शुरू हो गई थीं। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की मीटिंग में सोनिया और राहुल-प्रियंका से इस्तीफे की पेशकश की थी, जिसे बैठक में मौजूद नेताओं ने ठुकरा दिया था। तब से जी -23 गुट लोकसभा चुनाव के लिए भरोसेमंद विकल्प पेश करने की बात कर रहा था। इससे पार्टी में टूट का खतरा पैदा हो गया था। बाद में ये खतरा टल गया।

10 जनपथ पर सोनिया गांधी और गुलाम नबी आजाद के बीच मुलाकात हुई। इसके बाद आजाद ने कहा था कि सोनिया अंतरिम अध्यक्ष बनी रहेंगी। हमने पार्टी की मजबूती के लिए कुछ सुझाव दिए हैं। उनकी मांगों पर सवाल पूछे जाने पर आजाद ने कहा- इसे सार्वजनिक नहीं कर सकते।

गुलाम नबी आजाद ने कांग्रेस के नाराज नेताओं के साथ जी-23 बनाया था। इनमें से 8 ने खुद को अलग कर लिया। एक नेता जितिन प्रसाद ने यूपी विधानसभा चुनाव से पहले बीजेपी का दामन थाम लिया था। असंतुष्ट खेमे में अब सिर्फ 14 नेता बचे हैं। इनमें गुलाम नबी आजाद, भूपेंद्र सिंह हुड्डा और पृथ्वीराज चव्हाण पूर्व सीएम रह चुके हैं। इनके अलावा ज्यादातर नेताओं का राज्यसभा का कार्यकाल खत्म हो चुका है।

तीन महीने पहले राज्यसभा के लिए कैंडिडेट्स की लिस्ट जारी होने के बाद भी कांग्रेस में कलह शुरू हो गई थी। कांग्रेस सिर्फ 10 लोगों को राज्यसभा भेज सकती थी, लेकिन दावेदार 20 से ज्यादा हो गए।

अशिक्षा,अंधविश्वास विकास के लिए अभिशाप

संजीव ठाकुर

(भारत मे गहन चिंतन की म ह ती आवश्यकता)

अशिक्षा और अज्ञानता ने अं ध वि श्व ा स तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी है। यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात है। यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है।

शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता है। उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक है। शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिए। बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलतः अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है।

मुफ्त की रेवड़ियाँ

डॉ. सुरेश कुमार

आदमी ज ब मुफ्तभोगी बन जाता है तब का म चो र बनना उसकी आदत बन जाती है। मुफ्त में फिनायल मिल जाए तो पीने वालों की यहाँ कमी थोड़े न है। बस पिलाने वाला मिल जाना चाहिए। और बात जब रेवड़ी की हो तो कहना ही क्या। वह भी मुफ्त की हो तो पूछिए ही मत।

एक दिन की बात ऐसे ही तीन मुफ्तफोगी जो अपने दल के पहुँचे हुए नेता भी थे, को अपने-अपने दलों के लिए मुफ्त की रेवड़ियाँ बाँटने की योजना बनाने की जिम्मेदारी सौंपी गई। तीनों एक-दूसरे पर भारी थे। एक से बढ़कर एक योजना लिए तैयार थे। पहले मुफ्तभोगी नेता ने अपनी योजना बताते हुए कहा - इस बार यदि हमारी जंपर पार्टी जीतती है तो सभी लोगों को हर माह की पर्याप्त सामग्री जैसे आटा, दाल, सब्जी, तेल, नमक, शक्कर आदि के साथ-साथ पेट्रोल-डीजल मुफ्त देंगे। इतना ही यह सारी सामग्री उनके घर पहुँचा दी जाएगी। हमें अपने मुफ्तभोगी जनता को घर से बाहर कदम रखने भर का कष्ट भी नहीं देंगे। उनके कहने से पहले सेवा में हाजिर हो जायेंगे।

दूसरे मुफ्तभोगी नेता ने कहा - चल-चल ! बड़ा आया मुफ्तभोगियों की सेवा करने वाला। हमारी योजना के आगे तुम्हारी योजना किसी काम की नहीं। हमारी जोड़तोड़ पार्टी घर गृहस्थी की सामग्री के साथ-साथ माँस, शराब, सिगरेट-बीड़ी-गुटका आदि का भी प्रबंध करेगी। तब देखना सभी हमीं को वोट देंगे।

तीसरे मुफ्तभोगी नेता ने कहा - हमारी योजना के आगे तुम्हारी योजना पानी न माँगे। हमारी नाकरगड़ू पार्टी इन सभी रेवड़ियों के साथ-साथ अपने दो-चार आदमी उन्हीं के घर छोड़ आयेगी। ये लो घर का सारा काम जैसे झाड़ू-पोंछा लगाना, रसोई बनाना, घर के लोगों के खाना खाने के बाद उनका मुँह साफ करना। हाथ धुलाना।

पखाना साफ करना, उनके सोकर उठने तक हाथ-पैर दबाना जैसे सभी काम करेगी। अब बताओ किसकी पार्टी जीतेगी? बड़े चले थे हमसे टक्कर लेने।

इन सबकी मुफ्त की रेवड़ियों के बारे में सुन जनता बड़ी बेसब्री से इनका इंतजार कर रही है। कब चुनाव हो कब वे जीते। एक बार जीत जाएँ तो मरने तक घर से बाहर निकलने तक की फुर्सत।

आज से सूर्य बदलेगा राशि

अब खत्म होगा सूर्य-शनि का अशुभ योग, 16 सितंबर तक तुला सहित चार राशियों के लिए अच्छा समय

17 अगस्त, बुधवार को सूर्य अपनी राशि में यानी सिंह राशि में आ जाएगा। इससे सूर्य का शुभ प्रभाव और बढ़ जाएगा। इस राशि में ये ग्रह अगले महीने 16 सितंबर तक रहेगा। इस दौरान सभी राशियों पर सूर्य का असर पड़ेगा। सूर्य के सिंह राशि में आने से इसे सिंह संक्रांति कहा जाएगा।

16 जुलाई से सूर्य कर्क राशि में है और अपने शत्रु ग्रह यानी शनि से दृष्टि संबंध बना रहा है। इस अशुभ योग के कारण कई लोग पिछले एक महीने से परेशान चल रहे हैं। लेकिन 17 अगस्त को सूर्य के राशि बदलने पर कई लोगों को इस अशुभ योग से राहत मिलने लगेगी।

12 राशियों पर सूर्य का प्रभाव

सूर्य के शुभ प्रभाव से मिथुन, तुला, वृश्चिक और मीन राशि वाले लोगों के जीवन में अच्छे बदलाव होने की संभावना है। वहीं वृष, कन्या और मकर राशि वाले लोगों को संभलकर रहना होगा। इनके अलावा मेष, कर्क, सिंह, धनु और कुंभ राशि वाले लोगों पर सूर्य का मिला-जुला असर रहेगा।

मेषः सूर्य के राशि बदलने से मेष राशि वाले लोगों की योजनाएं पूरी होंगी। फायदे वाला समय रहेगा। लेकिन लव लाइफ के लिए समय ठीक नहीं है। अनबन होने के योग बन रहे हैं। झूठे वादे करने से बचना होगा। नौकरीपेशा लोगों की योजनाएं पूरी होंगी। हर काम सावधानी से करना होगा। ऑफिस में होने वाली राजनीति से खुद को दूर रखना होगा।

वृषः सूर्य के प्रभाव से सरकारी प्रॉपर्टी से जुड़े विवाद होने की आशंका है। मानसिक तनाव और गुस्सा बढ़ सकता है। माता की सेहत को लेकर चिंता रहेगी। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों के कामकाज में रुकावटें आने के योग बन रहे हैं।

मिथुनः सरकार से फायदा मिल सकता है। पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। राजनीति से जुड़े लोगों को सफलता मिल सकती है। मेहनत बढ़ेगी लेकिन सफलता के योग हैं। लेखन या मीडिया से जुड़े लोगों के लिए अच्छा समय रहेगा।

कर्कः पारिवारिक जीवन के लिए समय शुभ रहेगा। आमदनी बढ़ सकती है। दांपत्य जीवन के लिए समय शुभ है। नौकरी और बिजनेस में आगे बढ़ने के मौके मिलेंगे। सेविंग खत्म हो सकती है। गुप्त बातें भी उजागर होने की आशंका है।

सिंहः लीडरशीप और मैनेजमेंट क्वालिटी बढ़ेगी। अधिकारियों से मदद मिलेगी। प्रमोशन के योग हैं। रोजमर्रा के कामों में सफलता मिलने के योग हैं। लेकिन दांपत्य जीवन में तनाव बढ़ सकता है। आत्मविश्वास बढ़ेगा। रुके हुए और बड़े काम पूरे हो जाएंगे।

कन्याः कामकाज में चुनौतियां बढ़ सकती हैं। फालतू खर्चा बढ़ने के योग हैं। आंखों से संबंधित परेशानी हो सकती है। वाहन चलाते समय सावधान रहना होगा। चोट लगने की आशंका है। आलस्य के कारण असफल हो सकते हैं।

तुलाः दोस्तों और भाइयों से मदद मिलेगी। नौकरीपेशा और बिजनेस करने वाले लोगों के लिए अच्छा समय है। अधिकारियों से मदद मिल सकती है। आगे बढ़ने के मौके मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन के लिए अच्छा समय है।

वृश्चिकः नौकरीपेशा लोगों के काम से अधिकारी खुश होंगे। नई जिम्मेदारी मिलेगी। कामकाज की तारीफ होगी। प्रॉपर्टी में फायदा मिलेगा। रुका हुआ पैसा मिल सकता है। सुख बढ़ेगा। बिजनेस में फायदा बढ़ सकता है।

धनुः किस्मत का साथ मिलेगा। मेहनत का फायदा भी मिलेगा। भाइयों और दोस्तों से मदद मिल सकती है। मेहनत बढ़ेगी। नए काम शुरू होंगे और पूरे भी हो जाएंगे। भाइयों और दोस्तों से भी विवाद हो सकते हैं। सेहत अच्छी रहेगी।

मकरः दुश्मनों के कारण परेशान हो सकते हैं। रहने या कामकाज करने की जगह में बदलाव के योग हैं। जीवन में अनचाहे बदलाव हो सकते हैं। सेहत को लेकर सावधान रहना होगा। यात्राओं में नुकसान हो सकता है।

कुंभः दांपत्य जीवन के लिए समय ठीक नहीं है। पारिवारिक मामलों में विवाद हो सकता है। वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। सेहत में सुधार होने के योग हैं। रोजमर्रा के कामकाज समय से पूरे होंगे।

मीनः सेहत के लिए अच्छा समय है। दुश्मनों पर जीत मिल सकती है। कोर्ट-कचहरी के कामों में सफलता मिल सकती है। मानसिक शांति मिलेगी। दूर स्थानों की यात्रा होने के योग बन रहे हैं। नौकरी या बिजनेस में बदलाव में सफलता के योग हैं।

भूलकर भी ससुराल में इस समय ना रखें खुले बाल वर्ना बर्बाद हो जाएगा सब कुछ

शास्त्रों के अनुसार रात में बाल खोलकर सोने से परिवार पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है।

शास्त्रों में कई ऐसी बातों के बारे में बताया गया है जो हम सभी को पता होना चाहिए। शास्त्रों में केश यानि कि बाल को लेकर भी कई बातें बताई गई है। जी दरअसल बाल महिलाओं का श्रृंगार होते हैं और यह उनको खूबसूरती प्रदान करते हैं। हालाँकि स्त्रियों द्वारा बालों को लेकर कुछ गलतियां कर दी जाती है जो उनका जीवन बर्बाद कर देती है। आज हम आपको उन्ही के बारे में बताने जा रहे हैं। जी दरअसल ज्योतिष शास्त्र में बालों को खोलकर महिलाओं के द्वारा कुछ ऐसे कामों को करना वर्जित माना गया है। जिनको करने से जीवन में दुर्भाग्य आता है। तो अब हम आपको बताते हैं कौन से वो काम है जिनको बाल खोलकर भूलकर भी करना चाहिए।

* महिलाओं को बाल खोलकर कभी भी पूजा-पाठ नहीं करना चाहिए। जी दरअसल शास्त्रों में महिलाओं का बाल खोलकर पूजा-पाठ करना अशुभ माना गया है। कहा जाता है बाल खोलकर पूजा-पाठ करने परिवार की सुख-समृद्धि चली जाती है।

* ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक महिलाओं को कभी भी बाल खोलकर भोजन नहीं बनाना चाहिए। जी हाँ, क्योंकि ऐसा करने से भोजन में नकारात्मकता का वास होता है। इसी के साथ ही आपको बता दें कि जिस भोजन में बाल हो उसे उसी समय त्याग देना चाहिए।

* ज्योतिष शास्त्र के अनुसार संध्या के समय किसी भी स्त्री को बाल खोलकर बाहर नहीं जाना चाहिए। इसके अलावा सूर्यास्त के बाद बालों को खोलकर दहलीज पर नहीं बैठना चाहिए। इससे जीवन में दुर्भाग्य आता है। ऐसा करना अनजान शक्तियों को आकर्षित करता है

* कभी भी दोनों हाथों से सिर नहीं खुजलाना चाहिए फिर चाहे वो महिला हो या पुरुष।

* शास्त्रों के अनुसार रात में बाल खोलकर सोने से परिवार पर इसका दुष्प्रभाव पड़ता है।

* पौराणिक मान्यताओं अनुसार जब माता सीता का विवाह भगवान राम से हुआ था, तब उनकी माता ने उनके बाल बांधते हुए कहा था कि कभी बालों को खुला मत रखना क्योंकि बंधे हुए बाल हमेशा रिश्तों को बांधकर रखते हैं। जी हाँ, इसी के साथ महिलाओं को केवल बाल तब ही खुले रखने चाहिए जब वह एकांत में अपने पति के साथ हो।

भूलकर भी नहीं बनाएं गलत स्वस्तिक मिलेगा भयंकर परिणाम

स्वस्तिक एक विशेष आकृति है, और इसके साथ किसी भी कार्य का शुभारंभ किया जाता है। जी दरअसल ऐसा कहते है कि स्वस्तिक चारों दिशाओं से शुभ और मंगल को आकर्षित करता है। हालाँकि इससे शुभ कार्यों की शुरुआत होती है, इस वजह से इसे भगवान गणेश का रूप भी माना जाता है। केवल यही नहीं बल्कि इसके प्रयोग से सम्पन्नता, समृद्धि और एकाग्रता की प्राप्ति होती है। कहा जाता है अगर किसी शुभ कार्य से पहले स्वस्तिक का प्रयोग ना किया जाए तो उसके सफलतापूर्वक संपन्न होने की संभावना बहुत कम रहती है।

स्वस्तिक का महत्व- कहा जाता है सही तरीके से बने हुए स्वस्तिक से ढेर सारी सकारात्मक ऊर्जा निकलती है। जी हाँ और यह ऊर्जा वस्तु या व्यक्ति की रक्षा करती है। इसी के साथ स्वस्तिक की ऊर्जा का अगर घर, अस्पताल या दैनिक जीवन में प्रयोग किया जाए तो व्यक्ति रोगमुक्त और चिंताओं से दूर रहता है। लेकिन ध्यान रहे गलत तरीके से प्रयोग किया गया स्वस्तिक भयंकर समस्याएं भी दे सकता है। कहा जाता है स्वस्तिक की रेखाएं और कोण बिलकुल सही होने चाहिए। जी हाँ और भूलकर भी उल्टे स्वस्तिक का निर्माण और प्रयोग न करें।

कहते हैं लाल और पीले रंग के स्वस्तिक ही सर्वश्रेष्ठ होते हैं। इसके अलावा यह भी ध्यान रहे स्वस्तिक बनाने के लिए केवल तीन रंगों का ही प्रयोग किया जा सकता है- लाल, पीला और नीला। किसी अन्य रंग का बना स्वस्तिक समस्याएं दे सकता है। अगर स्वस्तिक को धारण करना है तो इसके गोले के अंदर धारण करें।

कान्हा जी को करना है प्रसन्न तो जन्माष्टमी की पूजा में जरूर शामिल करें उनकी ये प्रिय चीजें

गाय का घी और मूर्ति

हर साल भाद्रपद माह में कृष्ण पक्ष की अष्टमी तिथि को श्री कृष्ण का जन्मोत्सव बड़े धूम-धाम से मनाया जाता है। खासतौर पर मथुरा और वृंदावन में तो जन्माष्टमी देखने लायक होती है।

धनिए की पंजीरी

जन्माष्टमी की पूजा में पिसे हुए धनिए का खास महत्व होता है। ऐसे में जन्माष्टमी के दिन भगवान कृष्ण को सूखे धनिए की पंजीरी का भोग लगाना शुभ होता है। वहीं ज्योतिष में धनिया को धन से जोड़कर देखा जाता है। मान्यता है कि कान्हा जी को धनिए की पंजीरी का भोग लगाने से जीवन में सुख-समृद्धि आती है।

हिन्दू धर्म में गौमाता को पूजनीय माना गया है। वहीं धार्मिक मान्यताओं के अनुसार कृष्ण जी को बचपन से ही गायों से बहुत लगाव था। वे अक्सर गायों और उनके बछड़ों के साथ खेलते थे या उन्हें चराने ले जाते थे। इसलिए जन्माष्टमी की पूजा में लड्डू गोपाल के साथ गाय की छोटी सी मूर्ति भी अवश्य रखें। इसके अलावा गाय के दूध और घी को जरूर शामिल करें।

वैजयंती के पुष्प

मान्यता है कि कृष्ण जी को वैजयंती का फूल बहुत प्रिय होता है। ऐसे में हो सके तो पूजा में वैजयंती के पुष्प या उसकी माना अवश्य चढ़ाएं। इससे कान्हाजी प्रसन्न होकर हर आपकी मनोकामना पूरी करते हैं।

बांसुरी

कहा जाता है कि कान्हा जी की बांसुरी की धुन के तो सभी दीवाने थे। जब भी वे बांसुरी बजाते थे तो उसकी मधुर आवाज सुनकर गोपियां नाच उठती थीं। इसलिए जन्माष्टमी की पूजा में कान्हा जी की मूर्ति के पास बांसुरी रखने से भगवान कृष्ण प्रसन्न होकर अपनी कृपा बरसाते हैं।

आज से 4 राशियों की चमकेगी किस्मत

सिंह राशिः इस दौरान आपके अंदर एक अलग ही उत्साह देखने को मिलेगा। जिससे आप अपने कार्यों को और अच्छे से पूरा कर सकेंगे। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। इस दौरान धन-धान्य की कोई कमी नहीं रहेगी। कार्यक्षेत्र में आपका प्रदर्शन अच्छा रहेगा। आपके काम की हर जगह तारीफ होगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

मेष राशिः इस दौरान आपको कुछ न कुछ नया सीखने को मिलेगा। करियर लाइफ और प्रेम लाइफ में अच्छा सफलता हासिल होगी। धन का प्रवाह शानदार रहेगा। कार्यक्षेत्र में सहकर्मियों के साथ आपके संबंध अच्छे रहेंगे। वरिष्ठों का भरपूर सहयोग प्राप्त होगा।

कर्क राशिः इस गोचर के दौरान आपको धन लाभ होने के आसार रहेंगे। पैसों की बचत कर पाने में आप सफल रहेंगे। कार्यस्थल में आपकी छवि मजबूत होगी। बॉस का आपको हर काम में साथ मिलेगा। रिसर्च से जुड़े छात्र अपने क्षेत्र में बेहतर परिणाम प्राप्त कर सकेंगे।

मीन राशिः जो जातक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उनके लिए ये समय काफी अनुकूल है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। एक से अधिक माध्यमों से धन प्राप्त होने के प्रबल आसार हैं। जो जातक नौकरी की तलाश में हैं उन्हें मनचाही नौकरी प्राप्त हो सकती है।

सिंह राशि के स्वामी हैं सूर्यदेव, इस लाल रत्न को धारण करने से मिल सकते हैं शुभ परिणाम

माणिक रत्न को सोने या तांबे की अंगूठी में जड़वा सकते हैं।

ज्योतिष शास्त्र में हर राशि से संबंधित कोई न कोई रत्न बताया गया है। जिसे धारण करने से जीवन की विभिन्न समस्याओं से मुक्ति मिल सकती है। वहीं सिंह राशि वालों के लिए भाग्यशाली रत्न माणिक या रूबी माना गया है। मान्यता है कि माणिक रत्न को धारण करने से कुंडली में सूर्य ग्रह को मजबूती मिलती है।

ज्योतिष के जानकारों के अनुसार कुंडली में सूर्य ग्रह के कमजोर होने से जातक के मान-सम्मान, सेहत, सफलता और यश सभी पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे में सही विधि द्वारा माणिक रत्न धारण किया जा सकता है। सिंह के अलावा मेष और धनु लग्न के लोगों कोई भी माणिक रत्न शुभ परिणाम दे सकता है। कार्यों में तरक्की मिलने के साथ ही और माणिक रत्न को हृदय तथा आंखों के रोगों में लाभकारी माना जाता है।

माणिक रत्न धरण करने की विधि

सूर्य ग्रह से संबंधित माणिक रत्न लाल या गुलाबी रंग का होना चाहिए। माणिक रत्न को सोने या तांबे की अंगूठी में जड़वा सकते हैं। इसे धारण करने के लिए रविवार के दिन सुबह स्नान के बाद माणिक रत्न की अंगूठी को गंगाजल और दूध के मिश्रण में शुद्ध करके मंदिर में भगवान के समक्ष बैठकर ॐ सूर्याय नमः मंत्र की एक माला का जाप करें। इसके पश्चात सूर्यदेव ध्यान कर अनामिका अंगुली में इसे पहनें।

बुध अपनी स्वराशि कन्या में करेंगे प्रवेश

21 अगस्त को बुध के कन्या राशि में प्रवेश के दौरान कई राशि वालों की जिंदगी में अहम बदलाव देखने को मिलेंगे। इस गोचर का आपके पेशेवर जीवन पर विशेष रूप से प्रभाव पड़ने वाला है। कुछ राशि वालों पर इस राशि परिवर्तन का बेहद शुभ प्रभाव पड़ेगा। तो कुछ के लिए ये गोचर परेशानियां बढ़ाने वाला साबित होगा। यहां हम जानेंगे उन राशियों के बारे में जिनके लिए ये गोचर शुभ फलदायी साबित होगा।

मेष राशिः इस राशि वालों के लिए ये गोचर शुभ फलदायी साबित होगा। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी। जो जातक प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे हैं उन्हें विशेष लाभ प्राप्त होने के आसार दिखाई दे रहे हैं। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। हर काम में सफलता मिलने के योग बन रहे हैं। घर परिवार के लोगों का हर काम में भरपूर सहयोग मिलेगा।

वृषभ राशिः इस राशि वालों के लिए ये गोचर शुभ रहेगा। धन का प्रवाह अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी। पेशेवर जीवन में सफलता मिलेगी। कार्यस्थल में कड़ी मेहनत का सकारात्मक फल प्राप्त होगा। प्रेमी जोड़ों के लिए भी ये गोचर शुभ है। संतान सुख की प्राप्ति हो सकती है।

मिथुन राशिः पारिवारिक जीवन अच्छा रहेगा। अगर संपत्ति या वाहन खरीदने की योजना बना रहे हैं तो समय शुभ है। व्यक्तिगत जीवन में आपको अपनी माता जी का पूरा सहयोग प्राप्त होगा। इस दौरान कुछ नया सीखने का मौका भी मिल सकता है। आर्थिक स्थिति अच्छी रहेगी।

कन्या राशिः ये गोचर इस राशि वालों के लिए लाभकारी रहेगा। जो लोग खुद का काम कर रहे हैं उन्हें अच्छी सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। किसी पुरानी बीमारी से मुक्ति मिलेगी।

ब्रेकअप की खबरों के बीच दिशा पाटनी ने पोस्ट शेयर कर लिखा- सब ठीक हो जाएगा

दिशा पाटनी और टाइगर श्रॉफ के ब्रेकअप की अफवाहें सोशल मीडिया पर छाई हुई थीं। इन अफवाहों के बीच दिशा पाटानी ने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। दिशा ने ब्रेंट मॉर्गन के सॉन्ग के लिरिक्स पोस्ट में शेयर किए हैं। एक्ट्रेस ने लिखा सब ठीक हो जाएगा।

दिशा ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर पोस्ट शेयर करते हुए लिखा, 'अगर किसी ने आपको कभी नहीं बताया, सब ठीक हो जाएगा।' (इफ नो वन एवर टोल्ड यू, इट्स ऑल गौना बी ओके)। बता दें, पिछले कुछ समय से रूमर्ड कपल दिशा और टाइगर ब्रेकअप की अफवाहों की वजह से सुर्खियों में हैं। हालांकि, इस पर दोनों में से किसी का रिएक्शन सामने नहीं आया है।

एक रिपोर्ट के मुताबिक, टाइगर और दिशा के ब्रेकअप की खबरें बिना सिर पैर की हैं। दिशा अभी भी लगभग हर रोज टाइगर के घर जाती हैं। एक्ट्रेस अपना ज्यादातर वक्त टाइगर और उनकी फैमिली के साथ बिताती हैं। जिस दिन काम नहीं होता, उस दिन दिशा अपना पूरा दिन एक्टर के यहां ही स्पेंड करती हैं। टाइगर और दिशा की टीम ने कहा था कि यह ब्रेकअप स्टोरीज कपल के तरफ से तो बिलकुल नहीं है।

दिशा पाटनी आखिरी बार एक विलेन रिटर्न्स में नजर आई थीं। इस फिल्म में दिशा के अलावा जॉन अब्राहम, अर्जुन कपूर, दिशा पाटनी और तारा सुतारिया भी लीड रोल में हैं। इस फिल्म का डायरेक्शन मोहित सूरी ने किया है। दिशा इसके पहले मलंग में भी मोहित के साथ काम कर चुकी हैं। बता दें, दिशा, सिद्धार्थ मल्होत्रा के साथ योद्धा फिल्म में नजर आएंगी। इसी बीच उनकी और आदित्य रॉय कपूर की फिल्म मलंग के सीक्वेंस की भी अनाउंसमेंट हो चुकी है।

विद्या बालन की 'द डर्टी पिक्चर' के सीक्वल की तैयारियां शुरू, लीड रोल के लिए इन तीन हसीनाओं में लगी रेस

बॉलीवुड इंडस्ट्री की बोल्ड और टैलेंटेड अदाकाराओं में से एक विद्या बालन की फिल्म 'द डर्टी पिक्चर' दिसंबर 2011 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म ने रिलीज के साथ ही बॉक्स ऑफिस पर तहलका मचा दिया था। फिल्म में विद्या बालन के अपोजिट नसीरुद्दीन शाह, इमरान हाशमी और तुषार कपूर को देखा गया था। 'द डर्टी पिक्चर' में विद्या बालन ने साउथ की लोकप्रिय अदाकाराओं में से एक सिल्क स्मिता का किरदार बड़े परदे पर निभाया था। ये फिल्म सिल्क स्मिता की जिंदगी पर आधारित थी। फिल्म की जबरदस्त सफलता के बाद अब मेकर्स ने इसके सीक्वल की तैयारियां शुरू कर दी हैं। बताया जा रहा है कि इसके सीक्वल के लिए बॉलीवुड की टॉप अदाकाराओं से बातचीत चल रही है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एकता कपूर ने फिल्म की पटकथा लिखने के लिए कनिका ढिल्लों को चुना है। रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि कनिका एक मेल लेखक के साथ सीक्वल की स्क्रिप्ट पर काम कर रही हैं। कथित तौर पर स्क्रिप्टिंग का काम साल के अंत तक खत्म हो जाएगा। एकता और उनकी प्रोडक्शन टीम अपने नए प्रोजेक्ट को लेकर उत्साहित हैं। फिल्म 2023 की पहली तिमाही में शुरू होगी। वहीं दूसरी ओर रजत अरोड़ा, जिन्होंने पहली किस्त लिखी थी, दूसरे भाग पर काम नहीं कर रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि तापसी पन्नू और कृति सेनॉनने फिल्म करने के लिए दिलचस्पी दिखाई है। हालांकि एकता कंगना रनौत को मुख्य भूमिका में लेना चाहती थीं लेकिन 'मणिकर्णिका' ने इस ऑफर को ठुकरा दिया। फिल्म का निर्देशन कौन करेगा यह अभी तय नहीं हुआ है। सुनने में आ रहा है कि मिलन लुथरिया दूसरी किस्त का निर्देशन कर सकते हैं। रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्म एक शक्तिशाली महिला की एक और बोल्ड कहानी के बारे में होगी।

अनुराग कश्यप ने एक्स-वाइव्स के साथ शेयर की फोटो

फिल्ममेकर अनुराग कश्यप इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म 'दोबारा' के प्रमोशन में बिजी हैं। प्रमोशन के दौरान फिल्ममेकर ने हाल ही में एक फोटो शेयर कर लोगों को दिल जीत लिया है। दरअसल, अनुराग ने सोशल मीडिया पर अपनी एक्स वाइव्स के साथ एक फोटो शेयर की है। साथ ही अनुराग ने दोनों वाइव्स को अपना पिलर बताया है।

अनुराग कश्यप ने कल्कि कोचलिन और आरती बजाज के साथ फोटो शेयर कर कैप्शन में लिखा, 'मेरे दो पिलर्स।' अनुराग के फोटो शेयर करने के बाद उनकी और आरती की बेटी आलिया कश्यप ने पोस्ट पर रिएक्ट करते हुए लिखा, 'आयकोनिक।' एक्ट्रेस कुब्रा सैत ने लिखा, 'बेस्ट।' फोटो में अनुराग अपनी दोनों एक्स वाइव्स के साथ खड़े होकर पोज देते हुए नजर आ रहे हैं।

दोनों बीवियों के साथ नहीं चला रिश्ता

बता दें, अनुराग कश्यप ने आरती बजाज से 1997 में शादी की थी। शादी के लगभग 12 साल बाद दोनों अलग हो गए थे। इसके बाद फिल्ममेकर ने कल्कि से 2011 में शादी रचाई। यह शादी महज 4 साल ही चली और साल 2015 में दोनों का तलाक हो गया।

महिलाओं के साथ काम करना ज्यादा आसान है-अनुराग

अनुराग ने हाल ही में एक इंटरव्यू में महिलाओं के साथ काम करने को लेकर बात की थी। उन्होंने कहा था, महिलाओं के साथ काम करना और उन्हें डील करना आसान होता है। पुरुषों में इनसिक्योरिटी बहुत ज्यादा होती है। मुझे तापसी पन्नू, सैयामी खेर और अमृता सुभाष के साथ काम करना ज्यादा आसान लगता है। वो लोग मुझपर बहुत भरोसा करती हैं। वहीं, जब मेल एक्टर्स नए होते हैं, वो आप पर पूरा भरोसा करते हैं, लेकिन वक्त के साथ उनकी इनसिक्योरिटी बढ़ने लगती है। अनुराग ने अपकमिंग निर्देशित फिल्म 'दोबारा' में तापसी पन्नू के साथ तीसरी बार कोलाब्रेशन किया है। इसके पहले उन्होंने तापसी के साथ मनमर्जियां और सांड की आंख जैसी फिल्में बनाई हैं। न्यू एज थ्रिलर फिल्म 19 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इस फिल्म में तापसी पवेल गुलाटी के साथ स्क्रीन शेयर करती नजर आएंगी। इसके पहले उन्होंने अनुभव सिन्हा की फिल्म 'थप्पड़' में साथ काम किया था। अनुराग कश्यप की निर्देशित फिल्म 'दोबारा' को एकता कपूर और सुनीर खेतरपाल ने मिलकर प्रोड्यूस किया है।

चाहत खन्ना को तलाक का ताना मारने के बाद उर्फी जावेद ने मानी अपनी गलती बोलीं- मैं बहुत नीचे गिर गई

टीवी अभिनेत्री उर्फी जावेद अपनी ड्रेसिंग सेंस के लिए मशहूर है. इस वजह से उन्हें कई बार ट्रोल किया जाता है. हाल ही में उन्हें टीवी एक्ट्रेस चाहत खन्ना के साथ सोशल मीडिया पर तीखी बहस करते हुए देखा गया. दरअसल, कुछ दिन पहले उर्फी एक पीले रंग की अजीब सी ड्रेस पहने दिखाई दी थीं. उनकी इन बोल्ड तस्वीरों पर चाहत ने कमेंट करते हुए कहा था कि ऐसे कपड़े कौन पहनकर जाता है. साथ ही चाहत ने मीडिया पर भी तंज कसते हुए कहा था अगर कोई अपने कपड़े उतार देगा तो मीडिया उसे भी सेलेब्रिटी बना देगा?

उर्फी ने पलटवार करते हुए लिखा- चाहत खन्ना के दो तलाक पर बात की. जिससे चाहत और भड़क गईं और उर्फी क्लासलेस बता दिया. चाहत ने कहा मुझे इस तरह के नाटक में शामिल होने की जरूरत नहीं है. कुछ लोग बातें कम करते हैं भौंकते ज्यादा हैं. इसके बाद अब उर्फी जावेद ने कबूल किया कि चाहत खन्ना के तलाक पर उन्हें कमेंट नहीं करना चाहिए था. पपराज़ी से बात करते हुए उन्होंने कहा, "मैं गलत थी. मुझे उसके तलाक पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी. कोई कुछ भी कहे, मुझे शांत रहना चाहिए."

पहली बेटी को जन्म देने के 4 महीने बाद फिर प्रेग्नेंट हुईं देबिना, अनाउंसमेंट कर गुरमीत बोले- ये एक ब्लेसिंग है

टीवी के पॉपुलर कपल देबिना बनर्जी और गुरमीत चौधरी दूसरी बार पेरेंट्स बनने वाले हैं। देबिना ने चार महीने पहले ही बेटी को जन्म दिया है और अब दोनों अपने दूसरे बच्चे की तैयारी में हैं। देबिना ने फैमिली फोटो शेयर करते हुए खुद अपनी प्रेग्नेंसी की जानकारी दी है। उन्होंने सोनोग्राफी की रिपोर्ट के साथ यह फोटो शेयर की है।

देबिना ने पोस्ट शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, कुछ फैसले पहले से ही तय होते हैं और कोई भी इसे बदल नहीं सकता है। यह सच में एक आशीर्वाद है। हमें पूरा करने के लिए जल्द ही कोई आने वाला है। साथ ही उन्होंने हैसटैग में बेबी नंबर 2 भी लिखा है। इस खबर के बाद सेलिब्रिटीज से लेकर फैंस तक कपल को बधाई दे रहे हैं। रश्मि देसाई और युविका चौधरी ने लिखा, 'बधाई हो।' वहीं एक फैन ने लिखा, 'यह सच में बहुत अच्छी खबर है। आप दोनों को बधाई हो।'

चार महीने पहले दिया है बेटी को जन्म

देबिना और गुरमीत ने 3 अप्रैल को 11 साल के लंबे इंतजार के बाद पेरेंट्स बने थे। उन्होंने वीडियो शेयर कर बेबी गर्ल की खुशखबरी दी थी। बता दें कि गुरमीत ने साल 2008 में टीवी सीरीज रामायण में नजर आए थे जिसमें उन्होंने भगवान राम का रोल निभाया था और उनके साथ सीता के रोल में देबीना बनर्जी थीं। दोनों की जोड़ी दर्शकों को बहुत पसंद आई थी। यहीं दोनों को एक दूसरे से प्यार हो गया और कुछ ही समय में दोनों ने फरवरी 2011 में शादी की थी।

एक्ट्रेस कनिष्का सोनी ने खुद संग रचाई शादी

सिंदूर और मंगलसूत्र के साथ फोटो शेयर कर लिखा- मुझे किसी आदमी की जरूरत नहीं है

'सोलोगैमी' यानी खुद से शादी करने का कॉन्सेप्ट दुनिया भर में तेजी से बढ़ रहा है। अब हाल ही में 'दिया और बाती हम' फेम कनिष्का सोनी ने खुद से शादी की है, जिसके बाद से सोलोगैमी फिर से सुर्खियों में है। इसके पहले गुजरात की क्षमा बिंदु ने खुद से शादी की थी। कनिष्का ने इस बात की जानकारी 16 अगस्त को सोशल मीडिया के जरिए दी है।एक्ट्रेस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर सिंदूर और मंगलसूत्र पहने हुए पोस्ट शेयर की है। इसके कैप्शन में एक्ट्रेस ने लिखा, 'खुद से शादी कर ली है। क्योंकि मैं अपने दम पर अपने सपने पूरे करती हूं। जिससे मैं प्यार करती हूं, वो इंसान मैं खुद हूं'। उन सभी का सवालों के जवाब, जो मुझसे पूछे जा रहे हैं, मुझे कभी भी किसी आदमी की जरूरत नहीं है।' कनिष्का ने आगे लिखा, 'मैं हमेशा अकेली खुश हूं और अपने गिटार के साथ पीसफुल लाइफ जी रही हूं'। मैं एक देवी हूं, मजबूत और शक्तिशाली हूं, शिव और पार्वती दोनों मेरे अंदर हैं'। बता दें, कनिष्का ने अपने जन्मदिन पर इस खबर को फैंस के साथ शेयर किया है।

ऋतिक की फाइटर से टकराएगी प्रभास की सालार

बीते सालों में साउथ सिनेमा बॉलीवुड पर भारी पड़ता नजर आया है, जिस वजह से बॉलीवुड और साउथ फिल्म इंडस्ट्री के सितारों में कांटे की टक्कर देखने को मिल रही है। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर सुपरस्टार प्रभास की मच अवेटेड फिल्म 'सालार' की रिलीज डेट अनाउंस हो गई है, जिसके बाद से ही सोशल मीडिया पर प्रभास और उनकी फिल्म ट्रेंड कर रही है। 'सालार' अगले साल 28 सितंबर को पर्दे पर दस्तक देगी, यह सुनकर ऋतिक रोशन की मुश्किलें यकीनन बढ़ गई होंगी। इसके पीछे का कारण है ऋतिक और प्रभास की फिल्मों के बीच होने वाला क्लैश।

प्रभास की 'सालार' और ऋतिक की 'फाइटर' दोनों ही फिल्में अगले साल सितंबर में एक ही दिन रिलीज होने वाली हैं, जिसका असर कलेक्शन पर भी नजर आ सकता है। दरअसल, दोनों एक्टर्स की फैन फॉलोइंग बहुत तगड़ी है, ऐसे में दोनों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलेगी। इसके अलावा बायकॉट बॉलीवुड ट्रेंड को देखते हुए ऋतिक रोशन के लिए बॉक्स ऑफिस पर सालार का सामना करना बेहद चुनौतीपूर्ण हो सकता है।

4 साल बाद पर्दे नजर आएंगे ऋतिक रोशन

ऋतिक की आखिरी फिल्म साल 2019 में आई वॉर थी, ऐसे में लंबे इंतजार के बाद उनकी दूसरी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर आने को तैयार है। एक्टर को अपनी फिल्म फाइटर से काफी उम्मीदें हैं, लेकिन प्रभास की फैन फॉलोइंग को देखते हुए यह क्लैश फिल्म पर असर डाल सकता है।

हिट के इंतजार में हैं प्रभास

प्रभास अपनी फिल्म 'बाहुबली' की वजह से सुपरस्टार बने हैं। फिल्म 'बाहुबली-2' के बाद प्रभास की आने वाली फिल्मों साहो, राधे-श्याम ने औसत प्रदर्शन किया है। उनकी आखिरी फिल्म राधे-श्याम थी, जो बुरी तरह से फ्लॉप हो गई। इसलिए प्रभास भी अपने करियर को बूस्ट करने के लिए 'सालार' से उम्मीद लगाए बैठे हैं।

कौन पड़ सकता है भारी?

डायरेक्टर प्रशांत नील प्रभास की फिल्म का निर्देशन कर रहे हैं, वहीं 'फाइटर' फिल्म का डायरेक्शन सिद्धार्थ आनंद ने किया है। दोनों ही फिल्मों की कास्ट बेहद दमदार है। 'सालार' में श्रुति हासन, पृथ्वीराज सुकुमारन और जगपति बाबू मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे, वहीं एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर ऋतिक की 'फाइटर' में शामिल हैं। ऐसे में दोनों ही फिल्मों की पोस्टपोन नहीं की जाती है, तो हमें सितंबर में 2 बिग बजट फिल्मों की टक्कर देखने को मिल जाएगी।

हिंदी फिल्मों की खस्ता हालत पर छलका डायरेक्टर अनीस बज्मी का दर्द

बडे सितारों को दी नसीहत

आमिर खान की 'लाल सिंह चड्ढा' और अक्षय कुमार की 'रक्षाबंधन' दोनों ही फिल्में 11 अगस्त को बॉक्स ऑफिस पर रिलीज हुई थीं। हालांकि यह दोनों ही बड़े बजट की फिल्में कमाई के मामले में फिसड्डी साबित रहीं। इससे पहले भी अक्षय कुमार की फिल्म 'सम्राट पृथ्वीराज' सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी लेकिन यह फिल्म भी बॉक्स ऑफिस पर बुरी तरह से पिट गई थी। बॉक्स ऑफिस पर हिंदी फिल्मों की इस बिगड़ती हालत पर अब 'भूल भुलैया 2 ' के डायरेक्टर अनीस बज्मी का रिएक्शन आया है। एक समाचार पत्र को दिए इंटरव्यू में अनीस बज्मी ने हिंदी फिल्मों की इस हालत पर दुख जताया है।

साथ ही फिल्म इंडस्ट्री को नसीहत देते हुए अनीस बज्मी ने कहा, ₹हमें यह सीखने की जरूरत है कि हमें अच्छी क्वालिटी की फिल्में बनाने की जरूरत है। दर्शकों को 5-10 साल पहले जो पसंद था, वह अब नहीं है। क्योंकि अब वह दुनियाभर के सिनेमा को देख सकते हैं। महामारी के दौरान उन्होंने फ्री में घर पर बैठकर देखा है। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि वह घर से निकलकर फिल्म के टिकट खरीदें तो इसके लिए आपको कुछ बेहतर देने की जरूरत है।

बॉलीवुड और टॉलीवुड के विवाद को लेकर अनीस बज्मी ने कहा, मुझे इस बात में कोई दम नहीं लगता। दोनों ही फिल्म इंडस्ट्री कई सालों से चल रही हैं और अच्छी फिल्में बना रही हैं। साउथ में हिंदी फिल्में के रीमेक बनाए जाते हैं और बॉलीवुड में भी साउथ की फिल्मों के रीमेक बनते हैं। अगर आप 3 हिट फिल्में और 14 फ्लॉप फिल्मों की बात कर रहे हैं तो यह निराधार है। क्योंकि हर साल भारत में करीब 200 फिल्में बनाई जाती हैं, जिनमें से केवल 5-7 फिल्में ही हिट होती हैं। तो इस बार वह 3 फिल्में साउथ से हैं, वह अच्छी फिल्में थीं और हमारी फिल्में नहीं चलीं। बस यही बात है।

बॉलीवुड डेब्यू के लिए जैस्मिन भसीन ने कसी कमर

टीवी इंडस्ट्री की ऐसी कई अदाकराएं हैं, जिन्होंने बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखकर दर्शकों के दिलों में खास जगह बनाई है। टीवी की दुनिया में एक्टिव होने के साथ-साथ इन अदाकाराओं का बड़े परदे पर जलवा देखने को मिलता है। बीते कई दिनों से खबरें आ रही हैं कि टीवी की जानी-मानी अदाकारा जैस्मिन भसीन ने भी बॉलीवुड डेब्यू के लिए कमर कस ली है। बताया जा रहा अहि कि जैस्मिन भसीन महेश भट्ट और विक्रम भट्ट की अपकमिंग फिल्म से बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं।

बॉलीवुड डेब्यू के बारे में बात करते हुए जैस्मिन भसीन ने बताया, कि 'मैं फिल्म को लेकर बहुत उत्साहित हूं। यह एक परफोर्मेंस बेस्ड फिल्म है। इस फिल्म के जरिए मेरा सपना सच होने जा रहा है। मैंने अब तक जो भी किरदार निभाये हैं, उनसे ये भूमिका काफी हटकर होगी। फिल्म की शूटिंग शुरू होने में थोड़ा समय लग सकता है लेकिन मुझे यकीन है कि फिल्म को देखने के बाद दर्शक एकदम हैरान रह जाएंगे।' जैस्मिन भसीन के फैंस भी उन्हें एक बार बड़े परदे पर एक्टिंग करते हुए देखने के लिए बेताब हैं। जैस्मिन भसीन ने फिल्म को लेकर ज्यादा जानकारी नहीं दी हैं लेकिन यह तय हो गया है कि वो महेश भट्ट और विक्रम भट्ट की फिल्म से बॉलीवुड में कदम रखने जा रही हैं।

बॉलीवुड ही नहीं जैस्मिन पॉलीवुड में एंट्री करने जा रही हैं। एक्ट्रेस जल्द ही 'हनीमून' में पंजाबी एक्टर और सिंगर गिप्पी ग्रेवाल के साथ नजर आएंगी। इस बारे में बात करते हुए जैस्मिन भसीन ने कहा, 'मुझे हर जगह काम करना है। मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहती हूं और अच्छे प्रोजेक्ट्स और स्क्रिप्ट का हिस्सा बनना चाहती हूं। पॉलीवुड डेब्यू को लेकर भी मैं काफी उत्साहित हूं। यह तो बस शुरुआत है। लोग मुझे आने वाले दिनों में कई जगहों और प्लेटफॉर्म पर देखेंगे।'

समझदार स्त्री के खास गुण

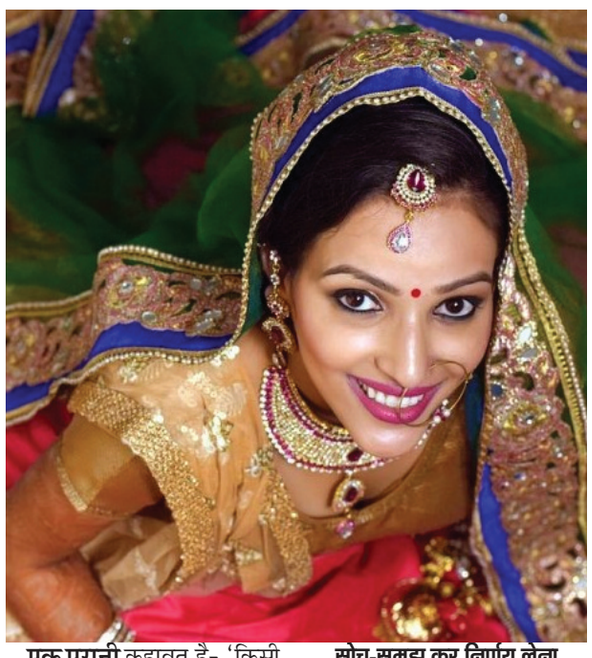

एक पुरानी कहावत है- 'किसी भी सफल इंसान की कामयाबी के पीछे महिला का हाथ होता है।' आज भी ये कहावत शत प्रतिशत सत्य साबित होती है। स्त्री को ही प्रथम शिक्षक कहा गया है। सिर्फ़ परिवार ही नहीं बल्कि समाज के निर्माण में भी महिलाओं की भूमिका बहुत ही महत्वपूर्ण मानी गई है। यदि कोई महिला समझदार है तो उसके आसपास का माहौल भी ख़ुशनुमा होता है। एक बुद्धिमति स्त्री विभिन्न परिस्थितियों में क्या करती है,

सोच-समझ कर निर्णय लेना

एक अक़्लमंद महिला हर छोटी-बड़ी बात का फ़ैसला हमेशा सोच-समझकर करती है। वह अच्छी तरह से जानती है कि उसके किसी भी फ़ैसले का असर उसके जीवन के साथ ही पूरे परिवार पर पड़ेगा, इसलिए वह जल्दबाज़ी में निर्णय लेना पसंद नहीं करती। इसके साथ ही मुश्किल परिस्थितियों का सामना भी बहुत ही धैर्य के साथ करती है।

अपनी ग़लतियों से सीखना

अक्सर लोग अपनी ग़लती को स्वीकारते नहीं हैं लेकिन समझदार महिला हमेशा अपनी ग़लतियों को खुले दिल से स्वीकार करती है और उनसे सीखती भी है। साथ ही इस बात का ध्यान रखती है कि दोबारा वही ग़लती न हो। सिर्फ़ अपनी ही नहीं बल्कि वह तो दूसरों की ग़लतियों से भी सीख लेती है।

नया सीखते रहना

एक बुद्धिमान महिला हमेशा कुछ न कुछ नया सीखने की चाह रखती है। साथ ही विभिन्न विषयों की जानकारी रखना और उन पर बातचीत करना पसंद करती है। इसके अलावा जीवन में कोई भी निर्णय लेने से पहले लोगों से सलाह लेती है, ताकि सभी की राय जान सके और सही फ़ैसले में मदद मिल सके।

व्यवहार में विनम्रता रखना

एक बुद्धिसंपन्न महिला के पास एक विनम्र हृदय भी होता है। वह हर किसी का सम्मान करना जानती है। उम्र में चाहे कोई व्यक्ति छोटा हो या बड़ा वो हर किसी से विनम्रतापूर्वक ही बात करती है। इसके अलावा अपने शब्दों के प्रति हमेशा सचेत रहती है। वह कुछ भी बोलने से पहले ज़रूर सोचती है, क्योंकि वह बख़ूबी जानती है कि उसके मुंह से निकले शब्द कितने महत्वपूर्ण हैं।

छोटे भाई- बहनों के लिए ओवरप्रोटेक्टिव होना ठीक नहीं

लाड़, दुलार, स्नेह, प्रेम और ध्यान रखना किसी भी रिश्ते में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। रिश्तों को अटूट बनाये रखने में यह भावना हमेशा मजबूत कड़ी का काम करती है। भाई-बहन का रिश्ता भी इससे अछूता नही है। लेकिन अगर ध्यान रखने की यह आदत ओवरप्रोटेक्शन में बदल जाये तो मुश्किल खड़ी हो सकती है। यह न केवल उस व्यक्ति के लिए आगे जाकर परेशानियां पैदा कर सकती है, बल्कि उसके पूरे व्यक्तित्व पर नकारात्मक असर भी डाल सकती है।

अधिकांशतः ओवरप्रोटेक्शन की यह आदत या कहें किसी का जरूरत से ज्यादा ध्यान रखने की आदत छोटे भाई या बहनों के मामले में होती है। या फिर उन परिवारों में जहां कोई बच्चा पूरे परिवार में अकेला हो। ऐसे में परिवार का पूरा ध्यान इस ओर होता है कि उस बच्चे को कहीं गलती से भी कुछ नुकसान न पहुंचे। इस चक्कर में बच्चे के व्यक्तित्व को एक सामान्य इंसान की तरह देखा ही नही जाता और वह हमेशा के लिए दूसरों पर निर्भर होकर रह जाता है।

गलत है यह आदत

चाहे भाई छोटा हो या बहन, जरूरी है कि जीवन के महत्वपूर्ण सबक वह अपने बल पर सीखे। यदि हमेशा बड़ा भाई या बड़ी बहन उसके साथ छाया बनकर रहेंगे तो वह पनपेगा कैसे? ऐसा कई घरों में होता है कि छोटे भाई या बहन को या तो

बाजार के काम नही करने दिए जाते, उसे कहीं अकेला नहीं भेजा जाता या अगर स्कूल एक ही है तो वहां भी बड़ा भाई या बहन उसके हर कदम पर उसके साथ होता है/होती है। इससे छोटे भाई या बहन में न तो अपने काम खुद करने की आदत पड़ती है न ही वह कोई जिम्मेदारी लेना पसंद करता है। यह बात बड़े होने पर उसके ही जीवन में बाधा की तरह आकर अड़ जाती है। इसलिए जरूरी है कि यह गौर किया जाए कि कहीं आप अपने भाई- बहन को लेकर ओवरप्रोटेक्टिव तो नहीं!

क्या आप उसे दुख पहुँचने की कल्पना से भी डरते हैं?

गिरने पर लगने वाली कोई चोट हो या फिर दिल दुखने का मामला। हर इंसान गिर कर ही सम्भलना सीखता है। अगर किसी को कभी कोई चोट ही नही लगेगी तो वह दर्द को भी कैसे जानेगा और जीवन को कैसे समझेगा? इस डर के कारण अगर आप छोटे भाई या बहन को कुछ करने ही नहीं देंगे तो उसके व्यक्तित्व का विकास भी नहीं हो पायेगा। चाहे दोस्तों के साथ खेलने की बात हो या गाड़ी चलाना सीखने की, उसे आज़ादी दें कि वह सही तरीके से इन्हें सीखे और जाने। उसे गिरकर सम्भलना और चुनौतियों से लड़ना भी सिखाएं। हां, उसके साथ हमेशा संबल बनकर जरूर खड़े रहें।

मिलकर लें जिम्मेदारियां

तू मत जा, मैं कर देता हूँ

बाजार से कोई सामान लाना हो, छोटे भाई-बहन की स्टेशनरी लेने जाना हो, उनकी साइकिल का पंक्चर ठीक करवाना हो, उनकी गाड़ी में पेट्रोल भरवाना हो या बाहर का कोई भी काम हो, हर बार यह कहकर छोटे भाई/बहन को रोक देना कि तुम रुको, मैं कर देता हूँ/देती हूँ, गलत है । ऐसा करते रहने से वे कुछ भी खुद से करना सीख ही नहीं पाएंगे। और जब वे आगे पढ़ाई या नौकरी के लिए बाहर जायेंगे तब उन्हें किसी भी चीज की जानकारी ही नहीं होगी और छोटे छोटे काम भी उन्हें पहाड़ जैसे लगने लगेंगे। इसलिए चाहे आप कोई बिल भर रहे हों, गाड़ी की सर्विसिंग करवा रहे हों या ऐसे अन्य कोई भी काम हों, अपने छोटे भाई-बहन को भी इसके बारे में जानकारी दें और उन्हें इससे जोड़ें। जब वे इस लायक हो जाएँ कि अकेले ये काम कर सकें तो उन्हें थोड़ा थोड़ा करके काम की जिम्मेदारी भी दें।

आर्थिक समझदारी भी सिखाएं

तू पैसों की चिंता मत कर

यह बात तब संबल की तरह होती है जब आप कठिन घड़ी में किसी को हिम्मत बंधा रहे होते हैं लेकिन अगर आप अपने छोटे भाई-बहन की जिद पूरी करने के लिए हर बार अपनी चादर से अधिक पैर बाहर निकालते हैं तो यह आगे जाकर बहुत तकलीफदायक बन सकता है। बचपन में चॉकलेट या खिलौने के लिए की गई जिद आगे जाकर कोई भी बड़ा रूप ले सकती है क्योंकि इंसान के मन में यह बात बैठ चुकी होती है कि मेरा बड़ा भाई-बहन तो इसे पूरा कर ही देगा। इससे बच्चों के मन में मेहनत और पैसों को लेकर सम्मान की भावना भी नहीं रहती, न ही वह सेविंग करना सीखता है। इसलिए लाड़-प्यार में आर्थिक सीमा को भी ध्यान में रखें। केवल छोटे भाई-बहन की जिद पूरी नहीं हुई तो उसे दुःख होगा, यह सोचकर उसकी हर जिद पूरी न करें।

छोटों की राय को भी महत्व दें

अरे तू कैसे समझेगा, अभी बहुत छोटा है तू!

घर में भाई-बहन के बीच की उम्र का अंतर जब भी 8-10 साल तक होता है, बड़े भाई या बहन को लगता है उसका छोटा भाई या बहन बच्चा ही है। ऐसे में वे उसे किसी भी निर्णय या स्थिति (खासकर कठिन परिस्थितियों में) शामिल करने से हिचकिचाते हैं। भावनात्मक रूप से यह सोच आपके स्नेह को प्रदर्शित करती है लेकिन व्यावहारिक रूप से देखा जाए तो यह छोटे भाई-बहन को स्वयं निर्णय लेने, विचार करने आदि के अवसर से ही वंचित कर देती है। ऐसे में समय आने पर वह असमंजस में पड़ सकता है या लोग उसका फायदा भी उठा सकते हैं। इसलिए परिवार के छोटे-मोटे मामलों में बचपन से छोटे भाई-बहन को भी साथ जोड़ें। उनसे राय लें और यदि राय सही लगे तो उन्हें प्रोत्साहित भी करें।

अभिभावकों की कुछ गलतियां बच्चों के व्यवहार को बिगाड़ सकती हैं

एक बच्चे पर सबसे ज्यादा असर उसके माता पिता का होता है। बच्चे किसी चीज को देखकर जितना जल्दी सीखते हैं, उतना वह सिखाने पर भी नहीं सीखते। एक बच्चा अपना अधिकतर समय माता पिता के साथ बिताता है, इसलिए उसके बर्ताव व रहन सहन पर माता पिता का प्रभाव सबसे ज्यादा होता है। बच्चे का पहला स्कूल उसका घर ही होता है और माता पिता उसके पहले टीचर। ये वह स्कूल है जहां से वह बड़ा होने तक बाहर नहीं निकला। हर दिन माता पिता का व्यवहार उसके मन मस्तिष्क पर अपना असर छोड़ता रहता है। इसलिए माता पिता के लिए भी जरूरी है कि वह अपने बच्चे के सामने सोच समझकर पेश आएं। माता पिता को बच्चों के सामने अच्छा व्यवहार करना चाहिए ताकि बच्चा भी यही सीखे। वहीं हर माता पिता को अपने बच्चों के सामने कुछ बातें भूलकर भी नहीं करनी चाहिए। अभिभावकों की कुछ गलतियां बच्चों के व्यवहार को बिगाड़ सकती हैं और उन्हें पछताने पर मजबूर कर सकती हैं। चलिए जानते हैं कौन सी बातें माता पिता को बच्चे के सामने कभी नहीं करनी चाहिए।

भाषा की मर्यादा

बच्चा जब बोलना शुरू करता है तो वह वही बोलता है जो आप अक्सर उसके सामने बोलते हैं। माता पिता की भाषा ही एक बच्चा सीखता है। उसे ये पता नहीं होता कि जो वह सुन रहा है उसका क्या मतलब है, वह गलत है या सही। इसलिए माता पिता को अपने बच्चों के सामने मर्यादित भाषा का उपयोग करना चाहिए। ऐसे शब्द न बोलें जो बच्चा सुनकर दोहराए। भाषा की शैली के साथ ही उसे बोलने के तरीके पर भी ध्यान देने की जरूरत है। अगर कोई बात माता पिता रूडली कहते हैं तो बच्चा भी अक्सर रूड होकर बात करता है।

व्यवहार न हो गलत

माता पिता का व्यवहार और रहन सहन बच्चे के पालन पोषण पर गहरा असर पड़ता है। अगर माता पिता एक दूसरे, परिवार के दूसरे सदस्यों या दोस्त पड़ोसियों से अच्छे से व्यवहार करते हैं तो बच्चा भी उसी तरह का व्यवहार करना सीखता है। अगर माता पिता अक्सर लड़ते रहते हैं, किसी का अपमान करते हैं, या अक्सर किसी की बुराई करते रहते हैं तो बच्चा भी लोगों से लड़कर बात करता है, दूसरों का सम्मान नहीं करता और दूसरों में बुराई ढूंढता है।

दिखावा न करें

कई बार बच्चों के सामने पद प्रतिष्ठा का दिखावा करना माता पिता को महंगा पड़ जाता है। वह रुतबे और पद प्रतिष्ठा की बात अक्सर करते हैं, इससे बच्चे के मन में गलत धारणाएं बनने लगती है। बच्चा घमणी, अपनी मन मर्जी का करने वाला और साथी दोस्तों को अपने से कमतर समझने लगता है। वह गलत काम को भी निडर होकर करने लगता है।

झूठ बोलना

माता पिता जब किसी बात को लेकर एक दूसरे या अन्य किसी से झूठ बोलते हैं तो बच्चा भी यह सब अपने सामने देखता है और झूठ बोलना सीख जाता है। उसे लगने लगता है कि झूठ बोलने से काम आसान हो जाता है। इसलिए वह अपने दोस्तों, परिवार से झूठ बोलना शुरू करता है और फिर बड़े बड़े झूठ बोलना शुरू कर देता है।

न उम्र की सीमा हो...., न रिश्तों का हो बंधन

आज की स्त्री आजाद हवा में सांस ले रही है। आगे बढने के लिए अब उसे अवसरों की कमी नहीं है। आर्थिक निर्भरता ने उसे बोल्ड और कॉनफिडेंट बनाया है। अपने लिए जीना वह पाप नहीं समझती। पुराने रीति रिवाजों को लेकर आज की नारी के मन में ढेरों सवाल उठ खड़े हुए हैं। इन्हीं में से एक है विवाह के लिए पुरूष का स्त्री से उम्र में बड़ा होना।

उसे इसमें कोई खास तथ्य नजर नहीं आता। क्या हुआ अगर स्त्री कम उम्र के पुरूष की तरफ आकर्षित होती है और स्त्री पुरूष रजामंदी से वैवाहिक बंधन में बंध जाते हैं। उनके बीच प्यार और एक सफल विवाह में उम्र कतई आड़े नहीं आती।

इसी तरह कई आधुनिक पुरूषों का मानना है कि उम्र में बड़ी स्त्री अच्छी पत्नी साबित होती है। उसके पास अनुभव, तजुर्बे और समझदारी का जखीरा होता है। जीवन में हर कदम पर गाइड कर जीवन की मुश्किलों से लडने में बहुत मददगार सिद्ध होती है। उसमें ज्यादा आत्मविश्वास और कूलनेस होती है। ठहराव होता है। अच्छे ओहदों पर हो तो उसका तेज देखते बनता है।

मनोचिकित्सक बाटलीवाला के अनुसार मैच्योर औरत भावनात्मक रूप से मजबूत होती है। वह पुरूष का मनोविज्ञान बेहतर समझती है।

पुरूष कैसी स्त्री पसंद करता है, उसे पता होता है और वो वैसा ही बिहेव करती है। छोटी उम्र में युवतियां इतनी मेच्योर नहीं होती कि वे पुरूष का मनोविज्ञान समझ सकें। वे अपने में ज्यादा लीन रहती हैं। अपने लुक्स को लेकर बेहद कांशियस वे पुरूष से प्रशंसा की उम्मीद लगाए रहती हैं। इनर ब्यूटी जैसी बात अभी उनके जहन में नहीं होती।

पुरूषों का नजरिया:- जीवन में अपने करियर को लेकर वैल सैटल्ड स्त्री के व्यक्तित्व में एक खासियत होती है जो कई कमउम्र नौजवानों को बेहद चार्मिंग लगती है। यह माइंडसेट पर भी निर्भर होता है। ऐसे पुरूष बड़ी उम्र के पुरूषों के मुकाबले स्त्री को ज्यादा सम्मान देते हैं क्योंकि वे उन्हें अपने से हर तरह बड़ा मानते हैं।

प्रेम का इजहार करने में ये कोताही नहीं करते। स्त्री की कमजोरी इन्हें खूब पता होती है। वे उसे स्पेशल फील कराते हैं। बदले में उसका निश्छल एकनिष्ठ प्यार पाते हैं।

उम्र के इस पायदान पर कम उम्र पति का प्यार उनके लिये अनमोल होता है। नो वाइफ बीटिंग, नो डोमेस्टिक वायलेंस क्योंकि यहां पुरूष स्त्री के ओहदे, समझदारी व मोटी कमाई का कायल होता है।

विवाह यहां भी जुआ है:- ऐसे रिश्ते एक सफल वैवाहिक जीवन ही बिताएंगे, इस बात की कोई गारंटी नहीं होती, हालांकि यह भी सच है कि हमारे सामने कई सेलिब्रिटी कपल्स का उदाहरण है जिनमें पत्नी पति से बड़ी है जैसे ऐश्वर्या राय-अभिषेक बच्चन, अर्चना पूरन सिंह-परमीत सेठी, अंजलि और सचिन तेंदुलकर जो एक सफल वैवाहिक जीवन गुजार रहे हैं।

कुछ बातों का ध्यान रखना ऐसे हर कपल के लिए अच्छा होगा। वैसे विवाह यहां भी एक जुआ ही है। साथी से आपकी क्या आशाएं हैं, आप उनमें कौन से गुणों को तरजीह देंगे, यह स्पष्ट होना चाहिए। ये रिश्ता लीक से हटकर है, इसलिए रिस्क फैक्टर भी यहां ज्यादा है।

जिनसे टेंशन क्रिएट होता है:- इन बातों को जान लेना, समझ लेना विवाह की सफलता में सहायक होगा जिनसे रिश्ते में प्रॉब्लंस होती हैं।

सबसे पहले बात आती है सिंसियरिटी की। इस रिश्ते को लेकर आप कितने सच्चे और ईमानदार हैं, यह जान लें। रिश्ते को लेकर लोगों के नेगेटिव कमेंट्स को सीरियस लेना, फैमिली सपोर्ट न मिल पाना, विगत को लेकर परेशान रहना, बड़ी उम्र के कारण औरत का मां न बन पाना, सोच के अलग स्तर, ये बातें टेंशन देती है। अंत में जैसा कि सोशल एनालिस्ट दिशा भार्गव कहती हैं, आज की औरत आर्ट आफ लिविंग जानती है। हर पल शिद्दत से जीना चाहती है। वो प्यार की ताकत से बखूबी वाकिफ है, इसलिए पुरानी मान्यताओं को ताक पर रख नई राहों पर चल पड़ी है।

मैरिज काउंसलर अभिनव राय के अनुसार जहां दिल का मामला हो, वहां उम्र की सीमा नहीं होती । पारंपरिक सोच के अनुसार जो बेमेल रिश्ते कहलाते हैं, उनमें खूब मेल देखा जा सकता है।

पार्टनर करे बार-बार शक, तो इन तरीकों से बढ़ाएं रिश्ते में भरोसा

प्यार और रिलेशनशिप में विश्वास होना बहुत जरूरी है। रिश्ते को बनाए रखने के लिए कपल्स को एक दूसरे पर भरोसा करना चाहिए। भरोसा कम होने या पार्टनर पर शक होने पर रिश्ता टूटने की कगार पर आ जाता है। ऐसे में जरूरी है कि लोग अपने पार्टनर के मन में इस रिश्ते के लिए विश्वास बढ़ाएं। ताकि रिलेशनशिप में आने वाली हर मुश्किल को दोनों मिलकर सुलझा सकें। भरोसे की कमी के कारण अक्सर पार्टनर अपने साथी पर शक करने लगते हैं। पार्टनर अगर बार बार शक करता है तो आप भी परेशान हो जाते हैं। ऐसे में दोनों के बीच लड़ाई झगड़े बढ़ जाते हैं। लेकिन पार्टनर के शक को दूर करने की कोशिश करनी चाहिए। साथ ही रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए पार्टनर के मन में अपने लिए भरोसे को बढ़ाना चाहिए। कुछ टिप्स को अपनाकर आप रिलेशनशिप में पार्टनर के भरोसे को मजबूत कर सकते हैं।

जानें शक की वजह

अगर पार्टनर आप पर बार बार शक करता है तो इसके कारणों को समझने की कोशिश करें। पार्टनर के शक की वजह कहीं आपकी ही कोई अंजाने में की गई गलती तो नहीं। पार्टनर के शक करने की वजह जानकर गलतफहमियों को दूर करें और ऐसी गलतियों को करने से बचें जो शक को बढ़ाए।

रिलेशनशिप की वजह समझाएं

पार्टनर को ये समझाएं कि आप दोनों एक रिश्ते में क्यों हैं। आप दोनों एक दूसरे के बारे में क्या महसूस करते हैं। आपकी भावनाओं और प्यार को अगर पार्टनर ने समझ लिया तो रिश्ते को लेकर उनका दिल और दिमाग क्लियर हो जाएगा और वह आप पर भरोसा करने लगेंगी।

पार्टनर का करें सम्मान

पार्टनर का सम्मान करें। जब आप अपने पार्टनर का सम्मान करेंगे। उनकी परवाह करेंगे तो वह आप पर भरोसा करने लगेंगे। साथी आपकी भावनाओं को महसूस कर पाएगा। सम्मान पर टिकने वाला रिश्ता ज्यादा दिन टिकता है, वहीं जिस रिश्ते में

इज्जत नहीं होती, वहां प्यार भी खत्म हो जाता है।

पार्टनर को फैसलों में करें शामिल

प्यार और रिलेशनशिप में विश्वास को बढ़ाने के लिए पार्टनर को महसूस कराएं कि उनके सिवा आपकी जिंदगी अधूरी है। उन्हें अपने फैसलों में शामिल करें। अपने जीवन से जुड़ी जरूरी बातें उनसे शेयर करें। ऐसे में पार्टनर रिश्ते को लेकर सिक्योर महसूस करेगा।

अकेलापन महसूस न होने दें

जब आप पार्टनर की परवाह नहीं करते। उनके लिए समय नहीं निकालते तो वह रिश्ते में अकेलापन महसूस करने लगते हैं। उन्हें लगता है कि शायद आप उनसे प्यार नहीं करते और आपकी जिंदगी में कोई और है। वह शक करने लगते हैं कि आप कभी भी उनसे ब्रेकअप कर सकते हैं। ऐसे में पार्टनर के लिए वक्त निकालें। उनकी भावनाओं की परवाह करें।

पुरुष अक्सर महिलाओं से बोलते हैं ये झूठ

रिलेशनशिप में विश्वास के साथ ही सच्चाई भी बेहद जरूरी होती है। क्योंकि झूठ से कई बार रिश्ते टूटने की नौबत आ जाती है। हालांकि कई बार पुरुष पार्टनर पत्नी या गर्लफ्रेंड को इंप्रेस करने या नाराज होने से बचाने के लिए भी झूठ बोल देते हैं। तो चलिए कुछ ऐसे झूठ जो अक्सर मेल पार्टनर अपनी पत्नी या गर्लफ्रेंड से बोल देते हैं।

मैं सिंगल हूं

कई बार पुरुष किसी महिला की तरफ आकर्षित होकर उससे दोस्ती कर लेते हैं। और एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर के चक्कर में उससे झूठ बोल देते हैं कि वो अभी सिंगल है। कई शादीशुदा मर्द इस झूठ को बोलते हैं। जिससे कि फीमेल फ्रेंड उससे बोलना ना छोड़ दे।

स्मोकिंग के बारे में

अक्सर पुरुष पत्नी या

गर्लफ्रेंड से स्मोकिंग की आदत के बारे में झूठ बोलते हैं। क्योंकि महिलाएं अक्सर स्मोक करने को मना करती हैं। ऐसे में वो झूठ बोलते हैं और तरह-तरह के बहाने बनाते हैं।

अक्सर देखा गया है कि पुरुष दोस्तों के साथ एंज्वॉय करते हैं और उन्हें हर वक्त अपनी पत्नी या गर्लफ्रेंड की कंपनी पसंद नहीं होती। लेकिन केवल पत्नी या गर्लफ्रेंड की नाराजगी ना झेलना पड़े इसलिए बोलते हैं कि बस अभी मैं तुम्हारे बारे में ही सोच रहा था। या फिर मैं तुम्हारे बिना नहीं रह सकता। हालांकि इस तरह की बाते कई बार फिल्मों में ही दिखाई जाती है।

पैसे को लेकर झूठ

ज्यादातर पुरुष अपनी गर्लफ्रेंड या फिर पत्नी से ये झूठ बोलते हैं कि उनके पास काफी सारा पैसा और संपत्ति है। यहां तक कि कम पैसा होने की बात वो अपनी फीमेल पार्टनर के सामने कभी आने नहीं देना चाहते हैं।

प्यार के मामले में झूठ

जब भी कोई पुरुष किसी महिला के साथ रिलेशनशिप में आता है तो वो कभी नहीं कहता कि तुमसे पहले और कितनी गर्लफ्रेंड थीं। पुरुष हमेशा यहीं कहते हैं कि तुम पहली लड़की हो जिससे मुझे प्यार हुआ। हालांकि इस तरह का झूठ वो अक्सर अपनी पार्टनर को किसी भी तरह की असुरक्षा की भावना से बचाने के लिए ही करते हैं।

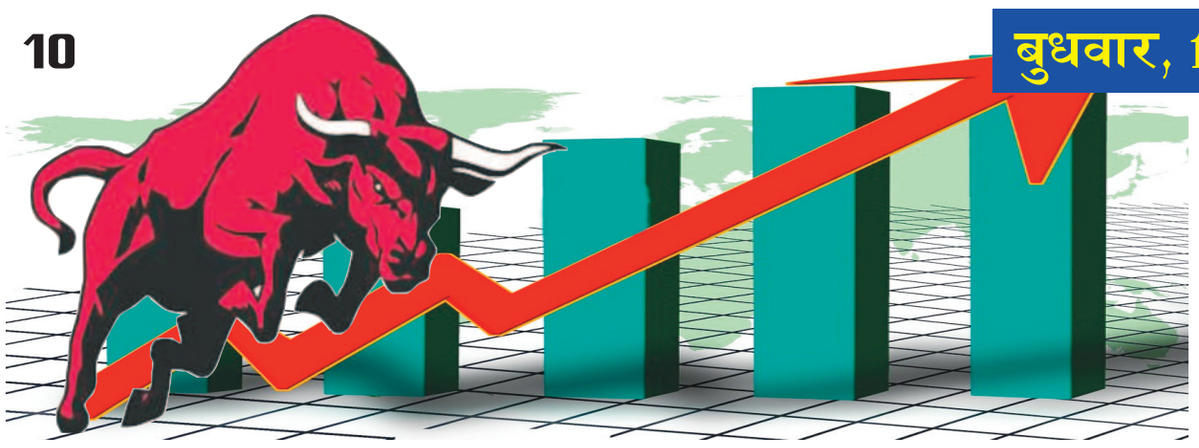

रेस्टोरेंट में बिल पर सर्विस चार्ज लेने की क्या जरूरत? हाईकोर्ट ने सुझाए ये विकल्प

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को रेस्टोरेंट में ग्राहकों से अतिरिक्त या 'अलग' शुल्क के रूप में सर्विस चार्ज वसूलने पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके स्थान पर खाने का दाम बढ़ाने का तरीका अपनाया जा सकता है। मुख्य न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति सुब्रमण्यम प्रसाद की पीठ ने यह टिप्पणी केंद्र सरकार की तरफ से दायर एक अपील की सुनवाई के दौरान की। इसके पहले हाईकोर्ट की सिंगल बेंच ने होटलों एवं रेस्टोरेंट को ग्राहकों से सर्विस चार्ज लेने पर रोकने वाले केंद्र के निर्देश पर स्थगन दे दिया था। मुख्य न्यायाधीश की अगुवाई वाली बेंच ने कहा कि एक आम आदमी रेस्टोरेंट में वसूले जाने वाले सर्विस चार्ज को सरकार की तरफ से लगाया गया टैक्स ही समझता है। ऐसी स्थिति में अगर होटल एवं रेस्टोरेंट ग्राहक से अधिक राशि वसूलना चाहते हैं तो वे अपने यहां परोसे जाने वाले खाने-पीने के सामान के दाम बढ़ा सकते हैं। फिर उन्हें बिल में अलग से सेवा शुल्क लेने की जरूरत नहीं रह जाएगी। रेस्टोरेंट संगठनों की तरफ से कहा गया कि सेवा शुल्क कोई सरकारी कर नहीं है और यह रेस्तरां में काम करने वाले कर्मचारियों के लाभ के लिए वसूला जाता है। कोर्ट ने इस दलील से असहमति जताते हुए कहा, "अपने कर्मचारियों का वेतन बढ़ाइए, हम आपकी बात सुनेंगे।

महिंद्रा के गाड़ियों की लॉन्चिंग पर मिर्जापुर मीम वायरल

ट्विटर पर आनंद महिंद्रा ने दिया ये जवाब

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ऑटोमोबाइल कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा ने 15 अगस्त को कंपनी की पांच नई एसयूवी को लांच की करने की घोषणा की। महिंद्रा एंड महिंद्रा ने बताया है कि वह घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजार में पांच नई इलेक्ट्रिक एसयूवी उतारेगी। कंपनी के मुताबिक ये वाहन वर्ष 2024 से 2026 तक बाजार में आ जाएंगे। एमएंडएम कंपनी की ओर से नए वाहनों की घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर मिर्जापुर वेब सीरिज की थीम पर आधारित एक मीम बहुत वायरल हो रहा है। अब इस मीम पर महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी

है। आइए जानते हैं कैसे मिर्जापुर वेब सीरिज की थीम पर बने मीम से कंपनी की घोषणा का स्वागत किया गया? टेस्ला भारत नहीं आ रहा पर चिंता की कोई बात नहीं, क्योंकि आनंद महिंद्रा यहां मौजूद हैं। महिंद्रा ग्रुप ने एक बड़ा फैसला लेते हुए इलेक्ट्रिक फोर व्हीलर सेगमेंट में पांच नई इलेक्ट्रिक गाड़ियां लॉन्च करने की घोषणा की है। इन वाहनों की पहली तस्वीर 15 अगस्त 2022 को जारी की जाएगी। महिंद्रा कंपनी की घोषणा के बाद माइक्रो ब्लॉगिंग साइट ट्विटर पर इस खबर से जुड़ी मिर्जापुर फेम मीम वायरल होने लगी। अलेख शिर्के नाम के ट्विटर यूजर ने मिर्जापुर मीम शेयर किया जिसमें अभिनेता पंकज त्रिपाठी उर्फ कालीन भैया कहते नजर आ रहे हैं कि 'हम करते हैं प्रबंध, आप चिंता मत कीजिए।' वे ऐसा टेस्ला के भारत नहीं आने की खबर पर प्रतिक्रिया देते हुए कहते दिख रहे हैं। ऊपर कैप्शन में 'भारत नहीं आ रही टेस्ला' लिखा है। उनके अनुसार आनंद महिंद्रा यह कह रहे हैं कि, 'हम करते हैं प्रबंध आप चिंता मत करिए।' बता दें कि पिछले मई महीने में टेस्ला कंपनी के सीईओ एलन मस्क ने भारत के संबंध में अपनी योजनाओं का खुलासा करते हुए कहा था कि टेस्ला भारत में तब तक अपनी कार नहीं बनाएगी जबतक उसे भारत में कार बेचने और सेवाएं प्रदान करने की इजाजत नहीं दी जाएगी। इस खबर से निराश लोगों को अब महिंद्रा ने पांच नए इलेक्ट्रिक वाहनों की लॉन्चिंग की घोषणा कर राहत दे दी है। अलेख शिर्के के इस मीम के शेयर करने के बाद इस ट्वीट पर महिंद्रा एंड महिंद्रा ग्रुप के चेयरमैन आनंद महिंद्रा ने भी अपनी प्रतिक्रिया देते हुए स्माइली शेयर की है।

सोना-चांदी हुआ सस्ता, कहीं आप 22 कैरेट के दाम देकर 18 कैरेट गोल्ड तो नहीं ले रहे

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। लगातार तीन दिन के अवकाश के बाद आज सोने-चांदी के रेट जारी हुए तो खरीदारों को थोड़ी राहत मिली। आज सर्राफा बाजारों में सोना औसतन 281 रुपये प्रति 10 ग्राम सस्ता हुआ है तो चांदी 447 रुपये प्रति किलो कमजोर हुई है। इंडिया बुलियंस एसोसिएशन द्वारा जारी हाजिर रेट के मुताबिक सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट शुद्ध सोना शुक्रवार 12 अगस्त के बंद भाव 52461 के मुकाबले आज यानी 16 अगस्त मंगलवार को 281 रुपये गिरकर 52180 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से खुला। वहीं, चांदी 447 रुपये सस्ती होकर 57905 रुपये प्रति किलो के रेट पर खुली। इसमें जीएसटी और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 4074 रुपये सस्ता है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के उच्च रेट 76008 रुपये प्रति

किलो से 18103 रुपये सस्ती है। 24 कैरेट सोने पर 3 फीसद जीएसटी जोड़ लें तो इसका रेट 53745 रुपये हो जा रहा है, वहीं ज्वैलर का 10 फीसद मुनाफा जोड़ने के बाद सोने का भाव 59119 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच जा रहा है। जीएसटी जोड़ने के बाद चांदी की कीमत 69642 रुपये प्रति किलो हो गई है। इसमें ज्वैलर का 10 से 15 फीसद मुनाफा अलग से है। यानी आपको 10 फीसद मुनाफा लेकर ज्वैलर करीब 65606 रुपये में देगा। आज 23 कैरेट गोल्ड का भाव भी 51971 रुपये प्रति 10 ग्राम की दर से खुला। इस पर भी 3 फीसद जीएसटी और 10 फीसद मुनाफा जोड़कर आपको मिलेगा 58883 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से। वहीं, 22 कैरेट सोने का भाव 47797 रुपये प्रति 10 ग्राम पर खुला। तीन फीसद जीएसटी के साथ यह 49230 रुपये का पड़ेगा। इससे बने जेवरों पर भी ज्वैलर्स का मुनाफा अलग से जोड़ने पर करीब 54154 रुपये का पड़ेगा।18 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 39135 रुपये प्रति 10 ग्राम है। यह 3 फीसद जीएसटी के साथ 40309 रुपये प्रति 10 ग्राम का पड़ेगा। ज्वैलर का 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़कर यह 44339 रुपये का पड़ेगा। अब 14 कैरेट सोने का भाव 30525 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया है। जीएसटी के साथ यह 31440 रुपये प्रति 10 ग्राम पड़ेगा। इस पर 10 पर्सेंट मुनाफा जोड़ लें तो यह 34584 रुपये का पड़ेगा।

महंगाई पर नकेल कस रही सरकार!

खुदरा के बाद अब थोक आंकड़ों पर भी दिखा असर

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्र सरकार और रिजर्व बैंक के प्रयासों के बीच थोक महंगाई दर के आंकड़ों में गिरावट आई है। सरकार की ओर से जारी ताजा आंकड़ों के मुताबिक थोक महंगाई दर जुलाई में घटकर 13.93 प्रतिशत रही, जो जून में 15.18 प्रतिशत थी। बीते कुछ माह के मुकाबले देखें तो ये बड़ी गिरावट है। खुदरा महंगाई भी काबू में: खाने का सामान सस्ता होने से खुदरा

महंगाई भी जुलाई में नरम होकर 6.71 प्रतिशत पर आ गई है। बीते शुक्रवार को जारी आंकड़ों में बताया गया था कि जून 2022 में महंगाई दर 7.01 प्रतिशत जबकि जुलाई 2021 में 5.59 प्रतिशत थी। हालांकि, अब भी खुदरा मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक के संतोषजनक स्तर की उच्च सीमा 6 प्रतिशत से ऊपर बनी हुई है। आरबीआई की कोशिश: आपको बता दें कि केंद्रीय रिजर्व बैंक ने महंगाई को काबू में लाने के लिए रेपो रेट में लगातार बढ़ोतरी की है। मई और जून के बाद अगस्त में भी रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति समिति ने रेपो रेट को बढ़ाया है। सिर्फ पिछले 4 महीने में अब तक रेपो रेट 1.40 फीसदी बढ़कर 5.40 फीसदी हो चुका है। वहीं, बीते कुछ माह में केंद्र सरकार ने भी पेट्रोल-डीजल, खाने के तेल समेत कई चीजों पर कीमतों की कटौती के लिए अहम उपाय किए हैं।

नई दिल्ली में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान में सार्वजनिक प्रणाली प्रयोगशाला का उद्घाटन करते केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग, उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण और कपड़ा मंत्री, पीयूष गोयल।

दिल्ली-एनसीआर में घरों की कीमतों में बड़ा उछाल

महामारी से पहले के स्तर को पार कर गईं कीमतें

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। आवास की मांग में तेजी और निर्माण लागत बढ़ने से आठ प्रमुख शहरों में आवासीय संपत्ति की कीमतों में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान औसत पांच पर्सेंट की वृद्धि हुई। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। इस दौरान दिल्ली-एनसीआर में आवास की कीमतों में सबसे अधिक 10 पर्सेंट की वृद्धि हुई।रियल एस्टेट क्षेत्र की शीर्ष संस्था क्रेडाई, सलाहकार कोलियर्स इंडिया और डेटा विश्लेषण फर्म लियासेस फोरास की यह रिपोर्ट आठ प्रमुख शहरों - दिल्ली-एनसीआर, मुंबई महानगरीय क्षेत्र (एमएमआर),

चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु, हैदराबाद, पुणे और अहमदाबाद के रुझानों पर आधारित है। रिपोर्ट का शीर्षक हाउसिंग प्राइस-ट्रैकर रिपोर्ट 2022 है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2022 की दूसरी तिमाही के दौरान भारत में आवास कीमतें महामारी से पहले के स्तर को पार कर गईं। इससे संकेत मिलता है कि घर की मांग काफी तेज है और आपूर्ति पूरी तरह मांग के अनुरूप है।

रतन टाटा ने 25 साल के युवा के स्टार्टअप पर लगाया दांव

जानिए क्या करती है कंपनी

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। उद्योग जगत के दिग्गज कारोबारी रतन टाटा ने वरिष्ठ नागरिकों को सेवा के रूप में सहयोग देने वाले स्टार्टअप गुडफेलोज में निवेश की घोषणा की है। हालांकि, निवेश की रकम के बारे में जानकारी नहीं दी गई है। आपको बता दें कि टाटा समूह

से रिटायरमेंट के बाद से रतन टाटा, कई स्टार्टअप में पैसे लगा चुके हैं। कौन है फाउंडर: अब रतन टाटा ने जिस नए स्टार्टअप में निवेश का ऐलान किया है, उसकी स्थापना शांतनु नायडू ने की है। कॉर्नेल विश्वविद्यालय से पढ़ाई करने वाले 25 वर्षीय नायडू टाटा के कार्यालय में हैं और 2018 से टाटा की सहायता कर रहे हैं। क्या है स्टार्टअप की खास बातें: यह स्टार्टअप वरिष्ठ नागरिक ग्राहकों के साथी के रूप में 'काम' करने के लिए युवा स्नातकों को काम पर रखता है। कंपनी मुंबई में अपने बीटा चरण में पिछले छह महीनों से 20 बुजुर्गों के साथ काम कर रही है और आगे पुणे, चेन्नई और बेंगलुरु में सेवाएं देने की योजना बना रही है।

रतन टाटा ने क्या कहा: 84 वर्षीय रतन टाटा ने स्टार्टअप की तारीफ की और कहा कि जब तक आप वास्तव में बूढ़े नहीं हो जाते, तब तक किसी को भी बूढ़े होने का मन नहीं करता।

भारतीय शेयर बाजार में उछाल, सेंसेक्स 379 अंक उछला, निफ्टी 17,800 के पार

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को सेंसेक्स में 379 अंकों का उछाल आया। वहीं, निफ्टी में भी 127.10 अंकों की बढ़त आई। बाजार में यह तेजी ऑयल व गैस, बैंकिंग और ऑटो सेक्टर के शेयरों में तेजी के कारण बाजार को मजबूती मिली और लगातार तीसरे सेशन में बाजार मजबूती के साथ बंद हुआ। मंगलवार को 30 शेयरों का बीएसई बेंचमार्क सेंसेक्स 379.43 अंकों की तेजी के साथ 59,842. 21 अंकों पर बंद हुआ। इसमें 0.64% की तेजी दि खी । मंगलवार के कारोबार में सेंसेक्स एक समय पर 460.25 अंक (0.77%) उछल कर 59,923.03 अंकों के ऊपरी लेवल पर पहुंच गया था। वहीं, 50 शेयरों के एनएसई बेंचमार्क निफ्टी मंगलवार को 127.10 अंक (0.72%) उछल कर 17,825.25 अंकों पर बंद हुआ। निफ्टी के 50 में 42 कंपनियों के शेयरों ने हरे निशान पर कारोबार किया।

एक्सचेंज डेटा के अनुसार भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को विदेशी संस्थागत निवेशक 3,040.46 करोड़ रुपये की नकद खरीदारी के साथ नेट बायर रहे।

देश की सबसे बड़ी रेल लिंक लाइन

यूपी के उद्योगों को फायदा, 500 डिब्बों की मालगाड़ी से आएगा 13000 टन माल

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। देश के सबसे बड़े मालवाहक रेल गलियारे की लिंक लाइन बनकर तैयार हो गई हैं। इस पर ट्रायल भी पूरा हो चुका हैं। ये लिंक लाइन डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर के वेस्टर्न और ईस्टर्न कॉरिडोर को आपस में जोड़ेगी। सूत्रों के अनुसार पीएम नरेंद्र मोदी 31 अगस्त को इस लाइन पर मालगाड़ी चलाने जाने को लेकर हरी झंडी भी दिखा सकते है। इस लिंक लाइन का सबसे ज्यादा फायदा दिल्ली-एनसीआर समेत यूपी के उद्योगों को मिलेगा। इस कॉरिडोर के चालू होने से पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा को फायदा होगा। इन राज्यों के औद्योगिक क्षेत्रों में बनने वाली वस्तुएं कम समय में महाराष्ट्र, गुजरात, पश्चिम बंगाल, बिहार, झारखंड आदि राज्यों में पहुंच

सकेंगी। इस कॉरिडोर पर चलने वाली 500 डिब्बों की मालगाड़ी एक बार में 13 हजार टन माल लेकर जा सकेगी। ईस्टर्न कॉरिडोर लुधियाना से कोलकाता और वेस्टर्न कॉरिडोर नोएडा के दादरी से मुंबई तक है। इन दोनों कॉरिडोर को जोड़ने के लिए ग्रेटर नोएडा के बोड़ाकी रेलवे स्टेशन से खुर्जा बुलंदशहर तक करीब 50 किलोमीटर लंबी लिंक रेल लाइन बिछाई गई है। इसी लिंक लाइन का काम अब पूरा हो चुका है। डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर कॉरपोरेशन के अधिकारियों ने भी लिंक लाइन पर इंजन दौड़ाकर ट्रायल पूरा करके ओके रिपोर्ट दे दी है। इस लिंक लाइन के चालू होते ही दिल्ली-एनसीआर और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कारोबारी अपना माल मुंबई और कोलकाता तक सस्ते रेल भाड़े पर भेज सकेंगे और वहां से मंगा भी सकेंगे। रेल मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, दिल्ली से हावड़ा और दिल्ली से मुंबई रेल लाइन पर इस वक्त क्षमता का 115 प्रतिशत ट्रैफिक है। सामान्य रेल लाइनों और सड़कों का ट्रैफिक कम करने रेल ढुलाई बढ़ाने के लिए के लिए अप्रैल 2005 में भारत-जापान की शिखर बैठक में इस परियोजना पर चर्चा हुई। आखिर साल 2006 में डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर इंडिया लिमिटेड का गठन हुआ। देश में माल ढुलाई के लिए रेल लाइनों को जोड़ने के लिए दो डायगोनल बनाए गए हैं- ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर। ये दोनों डायगोनल ईस्टर्न और वेस्टर्न कॉरिडोर को आपस में जोड़ेंगे। यह रेल लाइन सिर्फ और सिर्फ मालगाड़ियों के लिए होगी। जो मालगाड़ियां सामान्य लाइन पर औसत 25 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से चलती हैं। वो नए कॉरिडोर पर 75 से 100 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से दौड़ेंगी। प्रमुख रेल लाइनों से मालगाड़ियां हटाकर डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर पर शिफ्ट कर दी जाएंगी। इससे सामान्य रेल लाइनों पर यातायात का दबाव कम होगा। ट्रेनों को सिग्नल के इंतजार में आउटर पर खड़ा नहीं करना पड़ेगा।

15% तक लुढ़क गए मुथूट फाइनेंस के शेयर, गोल्ड लोन बिजनेस की घटी चमक

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। गोल्ड लोन देने वाली कंपनी मुथूट फाइनेंस के शेयर मंगलवार को शेयर बाजार में धड़ाम हो गए। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के कमजोर नतीजों के कारण कंपनी के शेयरों में यह गिरावट आई। मुथूट फाइनेंस के शेयर मंगलवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के शुरुआती कारोबार में 15 फीसदी लुढ़ककर 1009.80 रुपये के निचले स्तर पर पहुंच गए। फिलहाल, कंपनी के शेयर 12.46 पर्सेंट की गिरावट के साथ 1039.90 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं।

गोल्ड लोन बिजनेस में कमजोरी के कारण जून 2022 तिमाही में मुथूट फाइनेंस का मुनाफा 17.4 पर्सेंट घटा है। कंपनी के ओवरऑल एसेट अंडर मैनेजमेंट में गोल्ड लोन सेगमेंट की हिस्सेदारी 90 पर्सेंट से ज्यादा

है। इसके अलावा, कंपनी के कस्टमर बेस में भी गिरावट आई है। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में कमजोर नतीजों के बावजूद कंपनी के मैनेजमेंट ने फाइनेंशियल ईयर 2023 के लिए 10-15 पर्सेंट की एयूएम ग्रोथ बनाए रखी है।

इस साल अब तक 33% लुढ़क गए हैं कंपनी के शेयर

मुथूट फाइनेंस के शेयरों में इस साल अब तक करीब 33 पर्सेंट की गिरावट आई है। साल की शुरुआत में 3 जनवरी 2022 को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में कंपनी के शेयर 1540.40 रुपये के स्तर पर थे। फिलहाल, 16 अगस्त 2022 को बीएसई में कंपनी के शेयर 1039.90 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले 6 महीने में मुथूट फाइनेंस के शेयरों में 23 पर्सेंट से अधिक की गिरावट आई है।

वहीं, पिछले 5 साल में कंपनी के शेयर बीएसई में 125 पर्सेंट के करीब चढ़ गए हैं। डिस्क्लेमर: यहां सिर्फ शेयर के परफॉर्मेंस की जानकारी दी गई है, यह निवेश की सलाह नहीं है। शेयर बाजार में निवेश जोखिमों के अधीन है और निवेश से पहले अपने एडवाइजर से परामर्श कर लें।

सड़कों पर खून दिखेगा', गूगल की बड़ी चेतावनी

कर्मचारियों पर लटकी छंटनी की 'तलवार'

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। गूगल अगले कुछ महीनों में क्या बड़ी संख्या में कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाने जा रही है? इस बात की चर्चा खूब जोरों पर है। कंपनी के एक कर्मचारी के अनुसार गूगल एक्जक्यूटिव ने अपने कर्मचारियों को यह कहते हुए चेतावनी दी है कि अगर नतीजे उम्मीद से खराब रहे तो छटनी के लिए तैयार रहिए। बता दें, पिछले कुछ महीनों से गूगल क्लाउड्स का प्रदर्शन बेहतर नहीं रहा है। न्यूयॉर्क पोस्ट की खबर के अनुसार गूगल क्लाउड सेल्स डिपार्टमेंट के कर्मचारी ने बताया कि सीनियर एक्जक्यूटिव की तरफ से चेतावनी दी गई है कि अगर तिमाही नतीजे अच्छे नहीं रहे तो 'सड़कों पर खून दिखेगा' यानी छटनी के लिए तैयार रहें। इस खबर के बाद कर्मचारी काफी चिंतित हैं। बता दें, गूगल ने बिना किसी अनाउंसमेंट के इस महीने हायरिंग प्रोसेस को फ्रीज करके

रखा है। इस महीने की शुरुआत में गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने कहा था कि बहुत से कर्मचारी के काम को देखकर संतुष्टी नहीं मिल रही है। पिचाई के अनुसार गूगल की प्रोडक्ट अपनी क्षमता से कम है। 2022 की दूसरी तिमाही में कंपनी की कमाई पहली तिमाही की तुलना में कम हुई है। पिचाई की इच्छा है कि कर्मचारी मिशन मोड में काम किया करें। फेसबुक की पैरेंट कंपनी मेटा के सीईओ मार्क जुकरबर्ग पहले ही कह चुके हैं कि उम्मीद से कम प्रदर्शन करने वाले कर्मचारियों को बाहर का रास्ता दिखाया जाएगा। वहीं, ट्वीटर के सीईओ पराग अग्रवाल भी रेवन्यू टारगेट को ध्यान में रखते हुए नई हायरिंग को रोकने का ऐलान कर चुके हैं।

एयरपोर्ट पर आपका चेहरा ही होगा बोर्डिंग पास:हवाई यात्रा करने वालों के लिए लॉन्च हुआ 'डिजियात्रा' ऐप

फेशियल रिकग्निशन सिस्टम से होगी आपकी पहचान

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। दिल्ली और बेंगलुरू एयरपोर्ट ने घरेलू यात्रियों के फेशियल रिकग्निशन के लिए एक ऐप 'डिजियात्रा' लॉन्च किया है। इस ऐप के लॉन्च होने से अब यात्रियों को एयरपोर्ट पर एंट्री में होने वाली परेशानियों से निजात मिलेगी। अभी ऐप का बीटा वर्जन लॉन्च हुआ है और जल्द ही इसे फुल स्केल पर पेश किया जा सकता है। दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के अनुसार इस ऐप की मदद से चेहरे की पहचान के आधार पर सभी चेकप्वाइंट पर यात्रियों की एंट्री होगी। एयरपोर्ट की एंट्री, सिक्योरिटी चेक और बोर्डिंग गेट तीनों जगहों पर ऐप से ही काम हो जाएगा। दिल्ली एयरपोर्ट पर अभी इसे घरेलू यात्रियों के लिए टी3 टर्मिनल पर शुरू किया गया है। वहीं बेंगलुरू

इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (ने एक बयान में बताया कि इस ऐप के बीटा वर्जन को विस्तारा और एयर एशिया की उड़ानों में टेस्ट किया गया है। डिजियात्रा ऐप का बीटा वर्जन एंड्रॉयड ओएस के लिए प्लेस्टोर पर उपलब्ध है। अगले कुछ सप्ताह के दौरान यह ऐप एप्पल के आईओएस प्लेटफॉर्म पर भी उपलब्ध हो जाएगा। अभी डिजियात्रा ऐप का इस्तेमाल करना अनिवार्य नहीं किया गया है, जो यात्री इसका इस्तेमाल करना चाहते हैं, वे इसे डाउनलोड कर सकते हैं।

अभी ऑप्शनल रहेगा ऐप का इस्तेमाल

रजिस्ट्रेशन के लिए यात्रियों को आधार के डिटेल्स देने होंगे। इसके अलावा उन्हें कोविड-19 वैक्सीनेशन की जानकारियों के साथ एक सेल्फी अपलोड करने की जरूरत होगी।

ये बायोमेट्रिक सिस्टम है जो व्यक्ति की पहचान उसके चेहरे, आंखों, मुंह के कॉम्बिनेशन से करती है। इसमें चेहरे के सभी एलिमेंट खासकर आंखें और मुंह को रीड किया जाता है। फिर पहचान के लिए चेहरे की 3D इमेज बनाकर डेटाबेस में सेव की जाती है। इस तकनीक का आविष्कार अमेरिकी वैज्ञानिकों की टीम ने किया था। इसमें वूडी ब्लेडसोए, हेलेन चान वूल्फ और चाल्स बाइसन शामिल थे।

जयपुर में महिला शिक्षक को जिंदा जलाया, इलाज के दौरान मौत

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में एक महिला टीचर को कुछ लोगों ने जिंदा जला दिया। करीब 7 दिन पहले की इस वारदात का वीडियो आज सामने आया है। यह भयावह मामला राज्य के किसी दूर-दराज के इलाके का नहीं, राजधानी के पास एक गांव की है। उस महिला का कसूर इतना था कि वह आरोपियों से काफी दिन पहले अपने उधार दिए पैसे मांग रही थी। बुरी तरह झुलसी टीचर ने मंगलवार देर रात SMS हॉस्पिटल में दम तोड़ दिया।

इंसानियत को शर्मसार करने वाली यह घटना 10 अगस्त को जयपुर से करीब 80 किलोमीटर दूर रायसर गांव की है। सुबह आठ बजे रैगरों के मोहल्ले में वीणा मेमोरियल स्कूल की टीचर अनीता रेगर (32) अपने बेटे राजवीर (6) के साथ स्कूल जा रही थी। इस दौरान कुछ बदमाशों ने घेरकर उस पर हमला कर दिया। अनीता खुद

को बचाने के लिए पास ही में कालू राम रैगर के घर में घुस गई।

उसने 100 नंबर और रायसर थाने को सूचना दी, लेकिन पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। इसके बाद आरोपियों ने पेट्रोल छिड़ककर अनीता को आग लगा दी। महिला चीखती, चिल्लाती रही, लेकिन लोग वीडियो बनाते रहे। आरोप है कि किसी ने भी उसकी मदद नहीं की।

घटना की जानकारी मिलने पर महिला का पति ताराचंद अपने परिवार के लोगों के साथ मौके पर पहुंचा। 70 प्रतिशत झुलसी अनीता को जमवारामगढ़ के सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया, जहां से उसे एसएमएस हॉस्पिटल के जयपुर के बर्न वार्ड में रेफर कर दिया गया। यहां करीब सात दिन तक वह मौत से जंग लड़ती रही, लेकिन मंगलवार रात उसकी मौत हो गई।

उधार दिया पैसा मांगने से बिगड़ी थी बात

जानकारी के अनुसार मृतक महिला अनीता ने आरोपियों को ढाई लाख रुपए दिए हुए थे। महिला बार-बार जब उन से पैसों की मांग करती तो ये लोग उसके साथ अभद्रता और मारपीट किया करते थे।

इस संबंध में 7 मई को अनीता ने रायसर थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। आरोप है कि पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर कोई कार्रवाई नहीं की। इससे बदमाशों के हौसले बुलंद हो गए।

'सरकार हमारी है, जिम्मेदारी से बच नहीं सकते'

पायलट बोले- दलित बच्चे की लाश को रात में दफनाया; परिजनों पर लाठीचार्ज किया

जयपुर/ जालौर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। पूर्व डिप्टी सीएम सचिन पायलट ने जालोर के सुराणा में टीचर की पिटाई से बच्चे की मौत के मामले में पुलिस-प्रशासन और अपनी ही सरकार पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। पायलट ने बच्चे के परिजनों और रिश्तेदारों पर लाठीचार्ज करने और फोन छीनने का आरोप लगाते हुए एडीएम और डिप्टी एसपी के हटाने की मांग की है।

पायलट ने मंगलवार को सुराणा में मृतक बच्चे के परिजनों से मुलाकात की। उन्होंने कहा- 'जहां तक इस घटना की बात है, यह कहना नाकाफी है कि बाकी राज्यों में ऐसा होता है। किसी राज्य में दलित, आदिवासी, असहाय के साथ ऐसा होता है तो जीरो टॉलरेंस करना पड़ेगा। हम यह नहीं कह सकते कि बाकी राज्यों में हो रहा है तो यहां पर भी हो रहा है।'

पायलट ने कहा- 'हम वेट करते रहें कि अगला कब हादसा हो

और हम एक्शन लें। हमें उस मानसिकता को पराजित करने के लिए कुछ कदम उठाने होंगे जो दलितों,वंचितों के साथ अत्याचार करती है। वंचितों के जेहन में हमें यह विश्वास दिलाना होगा कि आप दलितों के साथ अत्याचार करके बच नहीं सकते।' इस खबर पर पोल दिया गया है, आगे बढ़ने से पहले इसमें हिस्साा लेकर आप अपनी राय व्यक्त कर सकते हैं।

व्यवस्था में कमियों को बदलने के लिए काम करें

पायलट ने कहा- इस तरह की घटना किसी के साथ हो,हमें अन्याय के खिलाफ बोलना चाहिए। हम जब विपक्ष में थे तो बाड़मेर में डेल्टा मेघवाल कांड हुआ। हम उसे लॉजिकल एंड तक लेकर गए थे। आज सरकार हमारी है, हम जिम्मेदारी से बच नहीं सकते। आजादी के 75 साल हो गए हैं।

हमें दलित,आदिवासियों में यह विश्वास कायम करना पड़ेगा कि उनके साथ अत्याचार करके कोई बच नहीं सकता। व्यवस्था में जो कमियां हैं, उसे बदलने के लिए सरकार को काम करना चाहिए।

कानून का डर नहीं रहेगा तब तक ऐसी घटनाएं

पायलट ने कहा- सरकार का इकबाल कायम रहना चाहिए। वंचितों के जेहन में रहना चाहिए कि अगर उनके साथ किसी ने गलत किया तो उसे परिणाम भुगतना होगा। कानून का एक जो डर होता है जेहन में, वो नहीं रहेगा तो ऐसी घटनाएं होती रहेंगी। जब भी किसी गरीब,दलित,असहाय के साथ अत्याचार हुआ है, वहां हम जरूर आए हैं। भविष्य में किसी की ऐसी हिम्मत नहीं हो, हम सब जिम्मेदार पदों पर हैं, मिलकर लोगों का विश्वास जीतें। अब वो बच्चा चला गया, वो वापस नहीं आएगा, पर हम कार्रवाई कर उदाहरण बना सकते हैं। पयलट ने कहा आज भी यह परिवार भय के माहौल में है। भविष्य में इनकी जानमाल की सुरक्षा की जिम्मेदारी सरकार की है और हमें उम्मीद है कि सरकार इनकी सुरक्षा करेगी।

गहलोत ने कहा था- और राज्यों में क्या हो रहा है देखिए आप

सचिन पायलट के बयान को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के बयान के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है। राजस्थान के लॉ एंड ऑर्डर के सवाल पर सीएम अशोक गहलोत ने 15 अगस्त को कहा था- दूसरे राज्यों के मुकाबले बहुत अच्छी स्थिति हमारी है। आप देखते होंगे कि यूपी में क्या हो रहा है, मध्यप्रदेश में क्या हो रहा है, और राज्यों में क्या हो रहा है?

देखिए आप, यहां बहुत ही अच्छे ढंग से प्रशासन चल रहा है। क्राइम तो सब जगह हो सकता है, पर यहां कोई कमी नहीं रख रहे हैं हम लोग। जालोर की घटना पर गहलोत ने कहा था- आप बताइए वो एक घटना हो गई है, सरकार ने तत्काल अरेस्ट कर लिया उस टीचर को, जो मुआवजा मिलना चाहिए वो दे दिया, आप क्या कर सकते हो उसके बाद में? जाने वाला तो कोई जा सकता है।

दलित लड़की को अगवा कर बंधक बना कई दिनों तक रेप का आरोप केस दर्ज; आरोपी की तलाश जारी

चुरू, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में एक दलित छात्र की पिटाई के बाद मौत का मामला अभी शांत नहीं हुआ है। इस बीच चुरू जिले में अब एक दलित लड़की को बंधक बना उसके साथ यौन उत्पीड़न का मामला सामने आया है। इस मामले में केस दर्ज किये जाने के बाद पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी हुई है। बताया जा रहा है कि पीड़ित बच्ची अपनी मां को सीकर के एक अस्पताल में बिलखते हुए मिली थी।

14 साल की यह नाबालिग बच्ची बीते 10 अगस्त को अपने घर से लापात हो गई थी। बच्ची के गायब होने की शिकायत परिजनों से पुलिस के पास भी दर्ज करवाई थी। जिसके बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर अपनी जांच-पड़ताल शुरू की थी। लेकिन हाल ही में बच्ची अपनी मां को सीकर स्थित एक अस्पताल में रोत हुई मिली है।

बंधक बना दुष्कर्म करने का आरोप

पीड़िता ने अपनी मां को अपने साथ हुई भयानक ज्यादती की कहानी बताई है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, 14 साल की इस दलित लड़की ने बताया कि ईसपाक खां नाम का युवक उसे बहला कर अपने साथ ले गया था। वो लड़की को अपने गांव ले गया। यहां एक घर में 2 दिनों तक उसे बंधक बना कर रखा गया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया गया।

पीड़िता ने बताया कि इसके बाद ईसपाक खां उसे लेकर सीकर के एक धर्मशाला में गया। यहां भी वो तीन दिनों तक बंधक रही और उसके साथ दुष्कर्म किया गया। आरोप है कि ईसपाक खां उसे एक अस्पताल में छोड़ कर फरार हो गया।

ग्रेटर मेयर सौम्या गुर्जर के मामले में एक्शन में सरकार

न्यायिक जांच की रिपोर्ट पर लीगल राय लेने की तैयारी

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जयपुर नगर निगम ग्रेटर की मेयर डॉ. सौम्या गुर्जर पर एक्शन लेने से पहले सरकार फूंक-फूंक कर कदम रख रही है। न्यायिक जांच की रिपोर्ट आने के बाद सीधे कार्यवाही करने के बजाए सरकार ने इस पर लीगल राय लेने का मानस बनाया है। इसके लिए सरकार ने एक प्रस्ताव के साथ न्यायिक जांच की रिपोर्ट को लीगल सेल में भिजवाया है। संभावना है कि लीगल सेल से राय आने के बाद ही सरकार इस मामले में कोई एक्शन ले सकती है।

सूत्रों के मुताबिक यूरोप के दौरे से लौटने के बाद स्वायत्त शासन विभाग के सचिव जोगाराम ने ये प्रस्ताव लीगल सेल में भिजवाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर नगरीय विकास मंत्री शांति धारीवाल को भिजवाया है। वहां से मंजूरी मिलने के बाद संभावना है कि आज प्रस्ताव लीगल सेल में चला जाएगा। यहां विधि

निदेशक के अलावा अतिरिक्त महाधिवक्ता से भी राय ली जा सकती है।

हालांकि इस मामले से जुड़े अधिकारी बयान देने से बच रहे है। सूत्रों का कहना है कि सरकार चाहे तो न्यायिक जांच की रिपोर्ट के आधार पर सौम्या गुर्जर को मेयर के पद से बर्खास्त कर सकती है, लेकिन इस मामले में सरकार कोई जल्दबाजी नहीं करना चाह रही। इस कार्यवाही से पहले वह कानून के जानकारों से राय-मशविरा करने के बाद ही कुछ करेगी, ताकि आगे जाकर एक्शन लेने के बाद सरकार की किसी तरह से किरकिरी न हो। न्यायिक जांच के समय सौम्या गुर्जर को मेयर पद से निलंबित करने के बाद सुप्रीम कोर्ट के स्टे ऑर्डर से सरकार की किरकिरी हुई थी।

रीट के जरिए दे सकते है चुनौती

स्वायत्त शासन निदेशालय एवं जयपुर नगर निगम के पूर्व निदेशक अशोक सिंह की माने तो राजस्थान नगर पालिका अधिनियम की धारा 39 में सरकार के पास ये अधिकार है कि वह चाहे तो इस मामले में दोबारा जांच करवा सकती है या वह मेयर को सीधे दोषी मानते हुए पद से हटा सकती है। वहीं सौम्या गुर्जर के पास सरकार के इस एक्शन पर केवल सिविल रीट के जरिए ही न्यायालय में जाने का अधिकार है। सरकार के पद से निलंबन पर स्टे लेने के लिए वह न्यायालय में पिटिशन नहीं लगा सकेगी।

भारी बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान में भारी और अति भारी बारिश का दौर जारी है। मौसम विभाग केंद्र जयपुर ने पूरे प्रदेश में बारिश का ऑरेंज और येलो अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अधिकारियों के अनुसार बंगाल की खाड़ी में सक्रिय तंत्र के चलते राजस्थान में मानसून की झमाझम बारिश का दौर जारी रहेगा। आगामी 24 घंटों में कई जगह तेज बारिश की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार 18 अगस्त से बारिश का दौर कम होने की संभावना है। जयपुर मौसम केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा के मुताबिक वर्तमान में पूर्वी राजस्थान के ऊपर बना गहरा कम दबाव का तंत्र पश्चिमी राजस्थान के ऊपर पहुंच गया है। अगले 12 घंटे में इसके और धीरे-धीरे कमजोर होकर पश्चिम दिशा की ओर आगे बढ़ने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान की अधिकतर भागों में बुधवार से ही बारिश की गतिविधियों में कमी होगी। पश्चिमी राजस्थान के

जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर, जालौर, बीकानेर, नागौर और आसपास के जिलों में अगले 24 घंटे में मानसून सक्रिय रहने की संभावना है।

18 अगस्त से कम होगी बारिश

मौसम विभाग के मुताबिक 18 अगस्त से पश्चिमी राजस्थान के जैसलमेर, बाड़मेर को छोड़कर ज्यादातर भागों में बारिश की गतिविधियों में तेजी से कमी होगी। अधिकतर भागों में मौसम शुष्क रहने की संभावना है. केवल छुटपुट स्थानों पर ही बारिश होने की संभावना रहेगी। एक और नया कम दबाव का क्षेत्र बंगाल की खाड़ी में 19 अगस्त को बनने की संभावना है। इसके असर से पूरी राजस्थान के कुछ भागों में 21 अगस्त से बारिश का नया दौर शुरू होगा.जयपुर मौसम केंद्र के मुताबिक बुधवार को जयपुर, अलवर, भरतपुर, धौलपुर, करौली, अजमेर, बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, सीकर, नागौर, जैसलमेर, जोधपुर, पाली, राजसमंद, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, उदयपुर, डूंगरपुर, बांसवाड़ा, प्रतापगढ़, बाड़मेर, जालौर समेत अन्य जगह पर बारिश होने की संभावना है. कुछ स्थानों पर मेघ गर्जन के साथ हल्की से मध्यम वर्षा होने की संभावना जताई गई है।

गांधी सागर से छोड़ा गया चंबल नदी में पानी

मध्य प्रदेश में हो रही भारी बारिश के चलते कोटा की चंबल नदी में पानी की आवक हो रही है। इसके चलते इस सीजन में पहली बार गांधी सागर बांध के गेट खोल पानी छोड़ा जा रहा है। साथ ही जवाहर सागर और कोटा बैराज से करीब 3 लाख क्यूसेक पानी छोड़ा जाएगा। निचले इलाकों में पानी भरने की आशंका जताते हुए प्रशासन ने अलर्ट जारी किया है।

छात्रसंघ चुनाव पर हाईकोर्ट के फैसले का इंतजार

सुनवाई आगे टली तो चुनाव की तारीख में भी हो सकता है बदलाव

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान छात्रसंघ चुनावों को लेकर आज कोर्ट में बड़ा फैसला हो सकता है। अगर सुनवाई आगे बढ़ी तो चुनाव की तारीख भी बदल सकतीहै। दरअसल, राजस्थान में कोरोना संक्रमण की वजह से पिछले 2 साल से छात्र संघ चुनाव नहीं हुए थे। वहीं, इस बार 26 अगस्त को छात्र संघ चुनाव के लिए वोटिंग होनी है। ऐसे में छात्रसंघ चुनाव में भाग्य आजमाने के लिए बड़ी संख्या में छात्रनेता अपनी दावेदारी पेश कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या में ऐसे छात्र भी हैं। जो पिछले 2 साल से चुनाव नहीं लड़ पाए थे। लेकिन इस बार उनकी एज लिमिट 25 साल के पार कर गई है। जिसकी वजह से उन्होंने हाईकोर्ट से उम्र सीमा में छूट देने की मांग है। जिसको लेकर अब से कुछ ही देर में फैसला आने की संभावना है।

दरअसल, छात्र नेता संजय चेच, नरेंद्र यादव, राहुल मीणा समेत सात छात्रों ने हाईकोर्ट में उम्र सीमा में छूट देने की मांग की है। छात्रों का कहना है कि पिछले 2 साल से चुनाव नहीं हुए। ऐसे में इस बार जो छात्र पिछले लंबे वक्त से तैयारी कर रहे हैं। उन्हें उम्र सीमा में रियायत मिलनी चाहिए। एबीवीपी के राष्ट्रीय मंत्री

होशियार मीणा ने कहा कि सरकार ने आनन-फानन में छात्रसंघ चुनाव कराने का फैसला किया है। जिस वजह से बड़ी संख्या में छात्र कोर्ट पहुंच गए हैं। ऐसे में कोर्ट के फैसले के बाद ही हम छात्र संघ चुनाव की आगामी रणनीति बनाएंगे।

छात्र नेता संजय चेची ने बताया कि मैं पिछले 5 सालों से एबीवीपी के सक्रिय छात्र नेता के रूप में काम कर रहा हूं। साल 2020 में छात्र संघ चुनाव लड़ने की तैयारी कर रहा था। लेकिन कोरोना के चलते पिछले दो सालों से चुनाव नहीं हुए। वहीं, अब मेरी उम्र 26 साल हो चुकी है। ऐसे में नियमों के तहत मैं अब छात्र संघ चुनाव में हिस्सा नहीं ले सकता। इसलिए मेरे द्वारा हाईकोर्ट में याचिका लगाई गई है। ताकि कोरोना काल को देखते हुए इस सा छात्रसंघ चुनावों में आयु सीमा में दो सालों की छूट दी जाए।

निर्णायक होगा कोर्ट के फैसला

26 अगस्त को होने वाले छात्र संघ चुनाव से पहले ही कोर्ट का फैसला छात्रसंघ चुनाव के सभी समीकरण बदल सकता है। कोर्ट द्वारा अगर याचिका लगाने वाले छात्रों को रियायत नहीं मिलती है। तो दोनों ही संगठनों के लिए प्रत्याशियों का चयन करना मुश्किल हो जाएगा। वहीं, अगर कोर्ट इस मामले में अगली तारीख देता है। ऐसे में 26 अगस्त को होने वाले छात्र संघ चुनाव की तारीख में परिवर्तन की संभावना है।

राजस्थान के 7 लाख कर्मचारी 24 अगस्त से करेंगे आंदोलन

3 साल से ठंडे बस्ते में सामंत कमेटी रिपोर्ट, खेमराज कमेटी कार्यकाल और बढ़ाया

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। राजस्थान के 7 लाख सरकारी कर्मचारियों ने 24 अगस्त से आंदोलन की घोषणा कर दी है। गहलोत सरकार की ओर से खेमराज कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने से राज्य कर्मचारी ने गहरी नाराजगी जताई है। इससे पहले बनी सामंत कमेटी की रिपोर्ट भी सरकार ने 3 साल बाद भी सार्वजनिक नहीं की है। इससे राज्य कर्मचारियों में गहरी नाराजगी है।

चुनावी साल से पहले बार-बार कर्मचारियों के हितों से जुड़ी कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने से कर्मचारी वर्ग में इसलिए नाराजगी है कि सरकार उनकी बुनियादी मांगों को टालने की

कोशिश कर रही है। अपनी मांगों को लेकर राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत ने आंदोलन की घोषणा करते हुए सामंत कमेटी और खेमराज कमेटी की रिपोर्ट को सार्वजनिक करने और वेतन विसंगति दूर करने की मांग प्रमुख रूप से रखी है।

राजस्थान राज्य कर्मचारी संयुक्त महासंघ एकीकृत के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह ने कहा- खेमराज कमेटी का कार्यकाल बढ़ाने के विरोध में कर्मचारियों में बड़ा आक्रोश है। इससे पहले सामंत कमेटी की रिपोर्ट भी 2019 से ठंडे बस्ते में पड़ी है। सरकार बार-बार कमेटियां बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ा रही है। खेमराज कमेटी का कार्यकाल 31 अगस्त 2022 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2022 तक कर दिया है। इसी को देखते हुए राज्य के 7 लाख कर्मचारियों में आक्रोश है। 24 अगस्त को सभी जिला कलेक्टर के जरिए सीएम को ज्ञापन दिया जाएगा। मांगों पर ध्यान नहीं दिया तो 27 अगस्त को उदयपुर में बड़ी रैली निकाली जाएगी।

पूनिया बोले- गहलोत सरकार में बहुसंख्यक हिंदू प्रताड़ित

अलवर में चिरंजीलाल सैनी मॉब- लिंचिंग तुष्टीकरण, चतुर्वेदी बोले-दूसरा समुदाय करता तो ?

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। अलवर में मॉब लिंचिंग पर बीजेपी प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर हमलावर हो गई है। बीजेपी प्रदेशाध्यक्ष सतीश पूनिया और पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी ने कहा है कि प्रदेश में मॉब लिंचिंग की घटनाओं में लगातार बहुसंख्यक हिन्दुओं का प्रताड़ित किया जा रहा है। लेकिन अशोक गहलोत वर्ग विशेष के तुष्टीकरण की राजनीति के कारण हाथ पर हाथ धरे बैठे हैं। इसलिए प्रदेश में लगातार ऐसी घटनाएं हो रही हैं।

सतीश पूनिया ने कहा-गहलोत के राज में लगातार बहुसंख्यक हिन्दुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। अलवर के गोविंदगढ़ में

चिरंजीलाल सैनी के साथ समुदाय विशेष की मॉब लिंचिंग की घटना कांग्रेस सरकार की तुष्टीकरण की राजनीति के कारण हुई है। अशोक गहलोत के मुख्यमंत्री और गृहमंत्री पीरियड में अपराध और अपराधियों का हौसला बढ़ना दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है। प्रदेश में मॉब लिंचिंग की घटनाएं और अपीजमेंट के कारण लगातार अपराधियों को संरक्षण मिला है। गहलोत कानून व्यवस्था संभालने में पूरी तरह नाकाम सीएम और गृहमंत्री साबित हुए हैं।

पूनिया बोले-पुलिस की ढिलाई, प्रशासनिक कमजोरी रही है। पुलिस की पंचलाइन है, अपराधियों में डर और आमजन में विश्वास, अब आमजन असुरक्षित है और अपराधी अपराध करते वक्त यह सोचता नहीं है, उसका क्या होगा। ऐसे हालातों से पानी सिर से ऊपर गुजर चुका है। राजस्थान की कानून व्यवस्था को जो नजर लगी है, अशोक गहलोत के सियासी बयान उसको ठीक नहीं कर पाएंगे। इससे पहले मॉब लिंचिंग अलवर, झालावाड़ और जयपुर सहित कई जिलों में हो चुकी हैं, जिसमें लगातार बहुसंख्यक हिंदुओं को प्रताड़ित किया जा रहा है। बजाय सियासत करने के गहलोत कानून व्यवस्था का रिव्यू करें। उसमें राजनीतिक हस्तक्षेप कम करें। पुलिस को संसाधन मुहैया कराएं। अभी राजस्थान को बचा लेना चाहिए। वरना राजस्थान की गवर्नेंस,आर्थिक व्यवस्था, पर्यटन, समाज का सदभाव पर इसका असर पड़ेगा। इंटरनेट बैन होने से करोड़ों का कोराबार प्रभावित होगा।

बीजेपी के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष अरुण चतुर्वेदी बोले- अलवर जिले के गोविंदगढ़ में जिस तरह घेरकर के समुदाय विशेष के लोगों ने वहां के एक बहुत ही साधारण और आर्थिक दृष्टि से कमजोर चिरंजीलाल सैनी को मारने का काम किया है, वह पूरे राजस्थान में आम आदमी के लिए चिन्ता की बात है। अपराध के नजरिए से राजस्थान पहले नम्बर पर आया है और राजस्थान में अलवर क्राइम में टॉप पर है। मैं राजस्थान के सीएम और गृहमंत्री से पूछना चाहता हूँ, इस तरह की घटना किसी दूसरे समुदाय की ओर से की गई होती तो किस तरह का वातावरण होता और कैसे कार्रवाई होती।

'दलित बच्चे को न्याय नहीं मिला तो समर्थन वापस लेंगे...'

मंत्री गुढ़ा बोले- पूरे राजपूत समाज को विलेन बनाना बर्दाश्त नहीं

जयपुर, 17 अगस्त (एजेंसियां)। जालोर के सुराणा में दलित बच्चे की मौत पर अब कांग्रेस के अंदर ही नेताओं में विवाद हो गया है। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री राजेंद्र गुढ़ा ने नागौर के डांगावास कांड की याद दिलाते हुए अपनी ही पार्टी के नेताओं को निशाने पर लिया है। गुढ़ा ने जालोर मामले में न्याय नहीं मिलने पर बसपा मूल के सभी विधायकों के समर्थन वापस लेने तक की चेतावनी दी है। गुढ़ा ने जयपुर में मीडिया से बातचीत में कहा- बच्चे को जिस टीचर ने मारा उसे चाहे फांसी पर लटका दीजिए, लेकिन इस घटना के लिए पूरे राजपूत समाज को गाली देना, विलेन बनाना गलत है। इसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। किसी एक आदमी ने अपराध किया तो पूरा समाज कैसे दोषी हो गया। एक व्यक्ति के अपराध में पूरे राजपूत समाज को खलनायक की तरह पेश किया जा रहा है। यह अच्छी बात नहीं है। जिसने गुनाह किया है, उसे सजा दीजिए। दलित बच्चे की मौत के मामले की फास्ट ट्रैक कोर्ट में डे टू डे सुनवाई कीजिए। सजा दिलाकर मिसाल पेश कीजिए, लेकिन एक समाज को बेवजह विलेन बनाना सहन नहीं करेंगे। राजेंद्र गुढ़ा ने कहा- मैं हमारे साथी विधायक लाखन मीणा के बयान से 100 फीसदी सहमत हूं। सरकार कार्रवाई नहीं करेगी। दलित बच्चे को न्याय नहीं मिलेगा। हमारे सभी 6 विधायक सरकार से समर्थन वापस ले लेंगे।

पित्ती ट्रस्ट-अग्रवाल सेवा दल का 100 वां चिकित्सा शिविर 21 को, शिविर का पोस्टर विमोचित

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बद्री विशाल पन्ना लाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा 100वां विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर अग्रवाल समाज की उर्दू गली, रिकाबगंज, चारमीनार, मुरलीनगर एवं चेलापुरा शाखा के सहयोग से रविवार 21 अगस्त को पुराना कबूतरखाना स्थित श्री माहेश्वरी विद्यालय हाई स्कूल में आयोजित किया जायेगा।

आज यहाँ सेवा दल के प्रचार प्रसार संयोजक अजित गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस शिविर में मेडिकवर अस्पताल हाई टेक सिटी के अस्थिरोग, सामान्य रोग, हृदय रोग, बाल रोग, ईएनटी रोग, लॉयन्स क्लब ऑफ सिकंदराबाद दंडू आई इंस्टीट्यूट के नेत्र रोग विशेषज्ञ, इवोक डेंटल केयर की डॉ.मनीता प्रसाद सेठ, जायसवाल अस्पताल मोती नगर की स्त्री रोग विशेषज्ञ तथा बजाज फिजियो केयर की फिजियोथैरेपिस्ट डॉ.मीता बजाज अपनी सेवाएं प्रदान करेंगे। शिविर रक्तचाप, रैंडम ब्लड शुगर, बोन मिनरल डेंसिटी की निशुल्क जांच की जायेगी। ईसीजी तथा टूडी इको के निशुल्क परीक्षण की सुविधा प्रदान की जाएगी। जरूरतमंद रोगियों को 15 दिन से एक माह की दवाई निशुल्क प्रदान की जायेगी. शिविर में आवश्यकता अनुसार नेत्र रोगियों को उनके चश्में निशुल्क प्रदान किये जायेंगे तथा यदि आवश्यक हो तो नेत्र रोगियों के निशुल्क ऑपरेशन की व्यवस्था दंडू आई संस्थान के सहयोग से की जायेगी। शिविर में अग्र महिला मंच की सदस्याओं, समाजसेवी गोपाल सिंह, शंकरलाल यादव, घनश्याम यादव, पवन भुवानिया, सुमन भुवानिया, जितेन्द्र अग्रवाल, तथा पित्ती लैमिनेशंस के कर्मचारी अपना सहयोग प्रदान करेंगे। अधिक जानकारी के लिए संयोजक प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, संजय पंसारी, शेष कुमार गोयल, बजरंगलाल अग्रवाल, कमल कुमार गर्ग, दिनेश कुमार केडिया, घनश्याम अग्रवाल से संपर्क किया जा सकता है।

अजित गुप्ता ने बताया कि पित्ती ट्रस्ट तथा अग्रवाल सेवा दल के सदस्य गत 2004 से ही सेवा कार्य कर रहे हैं। लगभग 6 वर्ष पूर्व 3 जनवरी 2015 को इन सेवा कार्यों को विस्तारित करने के उद्देश्य से अग्रवाल सेवा दल का गठन सेवा दल के परामर्शदाता शरद बी.पित्ती के नेतृत्व में किया गया था। उन्होंने बताया कि अब तक कुल 99 शिविर आयोजित किये जा चुके हैं जिनका लगभग 50000 से अधिक रोगियों ने लाभ उठाया है। अजीत गुप्ता ने कहा गौड़ बंधुओं द्वारा मृगशिरा के अवसर पर वितरित किये जाने वाले मत्स्य प्रसादम को ग्रहण करने के लिए नगर में पधारने वाले दमा रोगियों तथा उनके परिजनों की सुविधा हेतु हर वर्ष एक तीन दिवसीय विशाल सेवा शिविर भी लगाया जाता है। जिसके माध्यम से लगभग एक लाख लोगों में निशुल्क भोजन वितरित किया जाता है। इन शिविर में लगातार तीन दिनों तक पुलिहारा, उपमा, छाछ , बिस्किट,पानी के पैकेट वितरित किये जाते हैं और चाय की व्यवस्था की जाती है। इस शिविर में आपातकालीन चिकित्सा की व्यवस्था भी की जाती है। इसके अतिरिक्त गणेश विसर्जन यात्रा के अवसर पर भी एक आपातकालीन चिकित्सा शिविर बशीरबाग में लगाया जाता है। सेवा दल तथा पित्ती ट्रस्ट द्वारा 80 विधवा बहनों को 751 रुपये की मासिक पेंशन प्रदान की जाती है। बद्री विशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट के अध्यक्ष तथा सेवा दल के परामर्शदाता शरद ब.पित्ती, अग्रवाल सेवा दल के समन्वयकर्ता रतन गुप्ता, संयोजक सुरेन्द्र गोयल, कैलाश केडिया, विनय सी.अग्रवाल, अजित गुप्ता, निखिल रानासरिया, उर्मिला अग्रवाल, अग्रवाल समाज तेलंगाना की उर्दू गली, रिकाबगंज, चारमीनार, मुरली नगर तथा चेलापुरा शाखाओं के पदाधिकारियों ने सभी से इस विशाल निशुल्क शिविर का लाभ उठाने का आग्रह किया है। अवसर पर शिविर का पोस्टर प्रदीप अग्रवाल, शिव कुमार भालवाले, नवीन अग्रवाल, शेष कुमार गोयल, अचल गुप्ता, पंकज मित्तल, सुनिल केडिया, राजेन्द्र प्रसाद भालवाले, दिनेश कुमार केडिया, श्यामसुन्दर बंग एवं केदार शर्मा आदि उपस्थित थे।

आत्मनिर्भर भारत ईसीआईएल का मूल संकल्प : रियर एडमिरल संजय चौबे

ईसीआईएल का "नाभिकीय प्रौद्योगिकी' विशेषांक का विमोचन

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल) में आजादी का अमृत महोत्सव वर्ष में स्वतंत्रता दिवस के अवसर रियर एडमिरल संजय चौबे (से.नि.), अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने ईसीआईएल गौरव, अंक-18 "नाभिकीय प्रौद्योगिकी' विशेषांक का विमोचन किया गया। इस अवसर पर डॉ. अनीश कुमार शर्मा, निदेशक (तकनीकी), एन. रामबाबु, कार्यपालक निदेशक (नाभिकीय), अनुराग मालवीया, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) सहित ईसीओए तथा ईसी स्टाफ एवं वर्कर्स यूनियन के महासचिव उपस्थित थे। अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ने कहा कि आत्मनिर्भरता ईसीआईएल का संकल्प है। हमारे संस्थापक जनक डॉ. एएस. राव ने जिस आत्मनिर्भरता का संकल्प लिया था उसे आधुनिक प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरा करना है। "राष्ट्र सर्वप्रथम' ईसीआईएल के प्रत्येक सदस्य का ध्येय तथा संकल्प होना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि

आज वही राष्ट्र प्रगति के पथ पर अग्रसर है जो तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर हैं। "आत्मनिर्भर भारत' विशेषांक के मुख्य संपादक डॉ. राजनारायण अवस्थी, वरिष्ठ अधिकारी (राजभाषा) ने इस तकनीकी विशेषांक के प्रकाशन कौशल पर प्रकाश डाला। इस अंक में नाभिकीय प्रौद्योगिकी में ईसीआईएल के बढ़ते कदम, हाइड्रोजन वाष्प सांद्रता मॉनीटरिंग प्रणाली, स्क्रीन प्रिन्टिंग सुविधा का स्वदेशी तकनीक से विकास, "वीएचडीएल' प्रोग्रामिंग भाषा, ईसीआईएल:राजभाषा कार्यान्वयन में निरंतर प्रगति की ओर, आंचलिक कार्यालयों में राजभाषा कार्यान्वयन, क्लाउड अनुवाद प्रबंधन प्रणाली, स्वच्छ भारत-सुंदर भारत : जन-जन की आकांक्षा, शिक्षा के धरातल पर : शिक्षक और अभिभावक, सकारात्मक दृष्टिकोण का संस्था पर प्रभाव, प्रकृति एवं प्राकृतिक संसाधनों पर जनसंख्या प्रभाव, स्वच्छ भारत मिशन : एक राष्ट्रीय संकल्प, स्वर्णिम कल के लिए: समानता का आज, हमारे माननीय अतिथिगण, महत्वपूर्ण कार्यक्रम: झलकियां, स्वतंत्रता सेनानी : अल्लूरी सीताराम राजु, स्वास्थ्य-सौन्दर्य : जायफल, काव्य सौरभ : काव्यांजलि, "ईसीआईएल गौरव' ज्ञान-प्रश्नोत्तरी आदि को विशेष रूप से प्रकाशित किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में चिप्पाड़ा अंबेडकर, कनका श्री महालक्ष्मी, देवश्री मोदक, कनि. अनुवादक (राजभाषा) तथा अजहर सुल्तान, प्रवर श्रेणी लिपिक ने महत्वपूर्ण सहयोग किया।

हैदराबाद पहुंचे भारतीय रेलवे के कर्मचारियों के हित में आवाज बुलंद करने वाले आल इंडिया रेलवे फेडरेशन (एआईआरएफ) के महासचिव शिवगोपाल मिश्रा से सिकंदराबाद के रेलवे गेस्ट हाउस में बिहार सहयोग समिति तेलंगाना के अध्यक्ष बिनय कुमार यादव, उपाध्यक्ष बिर्जेंद्र कुमार गुप्ता ने मुलाकात की। इस दौरान विनय कुमार यादव ने शिव गोपाल मिश्रा को यूपी-बिहार के लोगों से जुड़ी रेल समस्याओं से अवगत कराया। इस दौरान अध्यक्ष / एससीआरएमयू, शंकर राव, संयोजक, राष्ट्रीय महिला समिति, एआईआरएफ प्रवीना सिंह, कोषाध्यक्ष एससीआरएमयू के मुरलीधर उपस्थित रहे।

सीवरेज पाइपलाइन के निर्माण कार्य के शुभारंभ विधायक टी. राजा सिंह, जामबाग के पार्षद राकेश जायसवाल द्वारा किया गया। इस अवसर पर सुरेखा, पार्षद एए शैलेंद्र यादव, रामकृष्ण, एमओआईएस, अनिल, राजू यादव, विजय, भानु, जनार्दन उपस्थित रहे।

श्री राजस्थानी समाज ट्रस्ट की बैठक सम्पन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री राजस्थानी समाज ट्रस्ट के तत्वाधान में राजस्थान भवन के अत्तापुर क्षेत्र में निर्माण के सन्दर्भ में बैठक का आयोजन पर्ल काउंटी क्लब हाउस में किया गया। आज की बैठक की अध्यक्षता सुरेश कुमार मोदी ने की एवं मंच का संचालन लक्ष्मीकांत व्यास ने किया। आज प्रेस विज्ञप्ति जरी करते हुए आज की बैठक के सयोंजक लक्ष्मीकांत व्यास ने बताया की आज की बैठक में राजस्थानी समाज के गणमान्य बंधुओ को आमंत्रित किया गया, जिसमे रामावतार गुप्ता, पंडित काशीराम महाराज, अमित फोगला जिनका स्वागत सुरेश कुमार मोदी, लक्ष्मी निवास सारडा, अभिषेक अग्रवाल ने किया सभा को सम्बोधित करते हुए सुरेश कुमार मोदी ने भवन सम्बन्धी आयोजित की गई पिछली बैठक का ब्यौरा दिया एवं सभी समाज बंधुओं से सुझाव मांगे गे समय पर हरिश्चंद्र शर्मा, गिरिराज शर्मा, ओमप्रकाश भाटी, मिट्ठा लाल प्रजापत का सम्मान रमेश कुमार लद्दड़ एवं संतोष कुमार अग्रवाल ने किया रामावतार गुप्ता ने सम्बोधित करते हुए सभी समाज बंधुओ से भवन के निर्माण में सहयोग करने को कहा एवं काशीराम महाराज ने संबोधित करते हुए कहा की अत्तापुर ही नहीं बल्कि आस पास के क्षेत्र में भी भवन की आवश्यकता है अत्तापुर में भवन का निर्माण होना से हर एक समाज बंधू को इसकी सुविधा मिल सकेगी अमित फोगला ने सभा को संबोधित करते हुए कहा की भवन निर्माण के लिए भूमि का अधिग्रहण करने की शुवत कर समाज द्वारा एक अच्छा कार्य करने जा रहे है और इसमें हर एक समाज बंधू का सहयोग होना चाहिए। हरिश्चंद्र शर्मा पवन नालपुरिया, रामदेव राठी श्रीकांत पाराशर ने आपने विचार सभ के सामने रखे एवं सभी ने भवन निर्माण के इस कार्य में बढ़ चढ़ कर सहयोग करने का आश्वासन दिया समाज के भामाशाह एवं समाज बंधुओ का सहयोग निरंतर प्राप्त होरहा जिसे जल्द भूमि का अधिग्रहण कार्य सम्पन्न कर भवन निर्माण किया जायेगा समय पर संतोष कुमार अग्रवाल ने गज भूमि का सहयोग देने की घोषणा की गई समय पर सुरेश कुमार मोदी, लक्ष्मीकान्त व्यास, अभिषेक अग्रवाल, बाबूलाल जोशी, लक्ष्मीनिवास सारडा, रमेश कुमार लद्दड़, संतोष कुमार अग्रवाल रामावतार गुप्ता, अमित फोगला, हरिश्चंद्र शर्मा, पं. काशीराम महाराज, ओमप्रकाश भाटी, मिट्ठालाल प्रजापत, श्याम अग्रवाल, रमेशचन्द्र गिल्डा, श्रीकांत पाराशर, अनिल भंडारी, रामदेव राठी, अरुण शर्मागिरिराज शर्मा, ओमप्रकाश शर्मा, संजय गुप्ता , प्रकाश भाटी, जुगल किशोर पारिक, श्रीकिशन पंचारिया, रामप्रसाद रिणवा, पवन नालपुरिया, सुनील भूत, नरेश डोबा, गोविन्दराज अग्रवाल, श्रीकांत मित्तल, राजेन्द्र झवर, प्रेम तोषनीवाल, गणेश बियाणी, मूलचंद शर्मा, प्रवीण अग्रवाल एवं अन्य समाज के गणमान्य उपस्तिथ रहे।

डॉ. कोमुरा रेड्डी कृष्ण बसंती हिन्दी लिटरेचर रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड से सम्मानित

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हनुमानकोंडा ज़िले के हसनपर्ती के शासकीय कनिष्ठ महाविद्यालय के हिन्दी प्राध्यापक डॉ. एल. कोमुरा रेड्डी को मध्यप्रदेश के उज्जैन में राष्ट्रीयता और इक्कीसवीं सदी का भारत: ज्ञान-विज्ञान, साहित्य एवं संस्कृति के सरोकार विषय पर संपन्न एक दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय हिन्दी शोध संगोष्ठी में कृष्ण बसंती हिन्दी लिटरेचर रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022 से सम्मानित किया गया है। विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, अक्षर वार्ता अंतरराष्ट्रीय हिन्दी शोध पत्रिका और कृष्ण बसंती शैक्षणिक एवं सामाजिक जन कल्याण समिति उज्जैन के तत्वावधान में कृष्ण बसंती हिन्दी लिटरेचर रिसर्च एक्सीलेंस अवार्ड-2022 सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें देश विदेश और विभिन्न राज्यों से आए

विविध महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में कार्यरत हिन्दी प्राध्यापकों, आचार्यों और साहित्यकारों उच्च शिक्षा एवं हिन्दी साहित्य के शोध के क्षेत्र में 39 प्रतिभाओं को मुख्य अतिथि सभाध्यक्ष प्रो. अखिलेश कुमार पाण्डेय, कुलपति विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, सारस्वत अतिथि प्रो. सी.जी.विजय कुमार मेनन, कुलपति महर्षि पाणिनि संस्कृत एवं वैदिक विश्वविद्यालय उज्जैन, प्रोफ़ेसर. रामराजेश मिश्र पूर्व कुलपति, विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, विशिष्ट अतिथि डॉ. विकास दुबे, निदेशक मध्यप्रदेश साहित्य अकादमी, पंडित योगेन्द्र महंत जी पूर्व राज्य मंत्री, प्रो. शैलेंद्र कुमार शर्मा जी कुलानुशासक विक्रम विश्वविद्यालय उज्जैन, डॉ. मोहन बैरागी द्वारा सम्मानित किया गया है। इस संदर्भ में काकतीय विश्वविद्यालय के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य चिलुकामारी संजीव ने उन्हें बधाई दी है।

रक्तदान करें और जीवन रक्षक बनें : राहुल राज

जिला केंद्र में रक्तदान शिविर आयोजित

आसिफाबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरम भीम आसिफाबाद जिला कलेक्टर राहुल राज ने कहा कि वे रक्तदान कर जीवनदानी बनें। उन्होंने विधायक अतराम सक्कू के साथ बुधवार को जिला केंद्र स्थित जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया और रक्तदाताओं की जानकारी ली और उनसे बात की। इस मौके पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि वह रक्तदान करें और किसी और की जान बचाएं। आजादी का अमृत महोत्सव के अवसर पर राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर रक्तदान शिविरों का आयोजन किया है और जिले की युवतियों और पुरुषों को रक्तदान करने और जीवनदान करने की सलाह दी जाती है।उन्होंने कहा कि हर तीन महीने में एक बार रक्तदान किया जा सकता है और रक्तदान को आदत बना कर दूसरों के लिए मिसाल कायम करनी चाहिए। इस माह की 8 से 22 तारीख तक स्वतंत्र वज्रोत्सवम के अवसर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है और आज कुल 110 युवाओं ने भाग लिया और रक्तदान किया। बाद में कलेक्टर और उनकी पत्नी ने भी रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में जिला चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी प्रभाकर रेड्डी, अस्पताल अधीक्षक स्वामी, नागेश्वर राव, डॉक्टर नागमणि, महेश, हर्षवर्धन, चिकित्सा कर्मचारी और अन्य ने भाग लिया।

कलेक्टर दंपत्ति ने अंगदान के लिए दी सहमति

स्वतंत्रता दिवस समारोह के तहत जिला केंद्र स्थित जिला अस्पताल में आयोजित रक्तदान शिविर के उद्घाटन के अवसर पर मुख्य अतिथि कलेक्टर राहुल राज ने जिला चिकित्सा अधिकारी को अंगदान स्वीकार करते हुए दस्तावेज प्रस्तुत किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अंगदान से पुनर्जन्म होता है। कई लोगों ने कलेक्टर राहुल राज और उनकी पत्नी श्रीजा को बधाई दी जिन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि किसी और को जीवन पाने का मौका मिलेगा।

तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती ने किया राष्ट्र भक्ति कार्यक्रम

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आज़ादी का अमृत महोत्सव के अंतर्गत तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती की ओर से राष्ट्र भक्ति पर आधारित गीत कविता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आरम्भ मोहिनी गुप्ता द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना एवं मातृ वंदना से हुआ। मुख्य अतिथि के रूप में शिक्षाविद् माननीय ज्योति गुरवारा ने कहा कि देश की आज़ादी में लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने अपने जीवन को आहूत किया। उन्होंने इतिहास के उन बिन्दुओं पर प्रकाश डाला, जिनसे आधिकांश भारतवासी अब तक अनभिज्ञ रहें। तेलंगाना हिंदी साहित्य भारती के अध्यक्ष लेफ्टिनेंट कर्नल दीपक दीक्षित ने आज़ादी के अमृत पर्व के कार्यक्रम हेतु सभी को शुभकामनाएं दी। कार्यक्रम अध्यक्ष का परिचय डॉ इंद्रजीत सिंह के द्वारा तथा मुख्य अतिथि का परिचय डॉ सी. कामेश्वरी ने दिया।

संयुक्त महामंत्री डॉ. इंद्रजीत सिंह ने मंच की गतिविधियों पर प्रकाश डाला। काव्य गोष्ठी के स्वनामधन्य कविगण दया शंकर प्रसाद, मोहिनी गुप्ता, बिनोद गिरी अनोखा, दीपक दीक्षित, सुरभि दत्त, सुषमा देवी, रमा द्विवेदी, राजरानी शुक्ल, प्रतिमा तिवारी, वर्षा शर्मा, सी. कामेश्वरी, स्नेहलता शर्मा, अर्चना पाण्डे, सी एच रामलू गीतकार, उमेश चंद यादव, इंद्रजीत सिंह, दर्शन सिंह प्रभृति ने देश भक्ति की भावना को अपने शब्द सुमनों से सजाया। कार्यक्रम का समापन डॉ. सुषमा देवी के कल्याण मंत्र द्वारा किया गया।

काव्य गोष्ठी के सफल तकनीकी सहयोग में डॉ. सी. कामेश्वरी की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस भव्य आभाषी कार्यक्रम में तेलंगाना हिन्दी साहित्य भारती की प्रदेश प्रभारी डॉ. सुरभि दत्त तथा तेलंगाना हिन्दी साहित्य भारती के प्रदेश अध्यक्ष ले. कर्नल दीपक दीक्षित एवं समस्त पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

देशभक्ति कवि सम्मेलन संपन्न

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। अमृत महोत्सव के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता कवि मंच के तत्त्वावधान में जियागुड़ा में आयोजित देशभक्ति कवि सम्मेलन भव्यता से संपन्न हुआ। इस कवि सम्मेलन की शुरुआत पुरुषोत्तम कड़ेल की स्वरचित सरस्वती वंदना से हुई। कवि सम्मेलन में देशभक्ति पर आधारित कई गीत, ग़ज़ल आदि रचनाओं का पाठ कर कवियों ने श्रोताओं को मंत्र मुग्ध कर खूब वाहा-वाही बटोरी। इस सम्मेलन में भाग लेने वाले कवि दीपक वाल्मीकि, सत्यनारायण काकड़ा, श्रीमती रमा बहेड़, सदानंद, श्रीमती उमा देवी सोनी, सीताराम माने, श्रीमती माधुरी मिश्रा,के साथ-साथ प्रमुख अतिथि के रूप में देवा प्रसाद मायला ने भी काव्य पाठ किया। इस कवि सम्मेलन का संचालन कवि पुरुषोत्तम कड़ेल ने किया। इस अवसर पर जियागुड़ा के पार्षद बोहिनि दर्शन, स्कूल के डायरेक्टर रतन प्रकाश जायसवाल, स्कूल के प्रधान अध्यापक एम नागेश्वर, गौशामहल डिवीजन के पार्षद लाल सिंह अथिति एवं विशेष अतिथि के रूप में मंच पर आसीन थे। इसी क्रम में श्रोताओं के साथ-साथ पधारे इस कार्यक्रम को सफल बनाने में नीतिन नंदकर, अशोक कटला, राजेन्द्र डिगान, रवींद्र सिंह, बीजेपी सीनियर लीडर राधाकृष्ण, अन्नू यादव, ढोलक कृष्णा, रमेश एडवोकेट, तुलसीदास, रमेश चौगले, किशन धाम आदि का सहयोग सराहनीय रहा। पार्षद बोहिनी दर्शन ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

लोकदेवता जाहर वीर श्री गोगाजी जन्मोत्सव 20 को

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। श्री गोगा नवमी, शनिवार, 20 अगस्त के पावन अवसर पर प्रतिवर्षानुसार श्री गोगाजी मन्दिर, ऐश्वर्या एग्रीप्रॉसेसर्स प्राइवेट लिमिटेड, पेद्दाअम्बरपेट, हयातनगर मण्डल, रंगारेड्डी जिला में श्री गोगाजी जन्मोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया जायेगा। उक्त जानकारी यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में फकीरचन्द राजेन्द्रप्रसाद ताजपुरिया परिवार द्वारा दी गई। विज्ञप्ति अनुसार श्री गोगाजी जन्मोत्सव अर्न्तगत शनिवार 20 अगस्त को प्रातः 4:30 बजे अभिषेक, भक्तजन प्रातः 7 बजे से सम्पूर्ण दिवस गोगाजी के दर्शन लाभ प्राप्त कर सकेंगे। सायं 6 बजे से भण्डारा तथा सायं 6:30 बजे से भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा। नगरद्वय के सुप्रसिद्ध भजन गायक विजय जाजू अपनी सुमधुर वाणी में बाबा श्री गोगाजी के भजन प्रस्तुत करेंगे। अवसर पर बाबा का दरबार, अखण्ड ज्योत, अनुपम श्रृंगार, अलौकिक दर्शन एवं भजन संकीर्तन मुख्य आकर्षण रहेंगे। विज्ञप्ति में फकीरचन्द राजेन्द्रप्रसाद ताजपुरिया परिवार ने सभी भक्तों से निवेदन किया गया है इस पावन अवसर पर श्री गोगाजी मन्दिर, पेद्दा अम्बरपेट पधारकर लोकदेवता जाहरवीर श्री गोगाजी के दर्शन, भजन एवं प्रसाद लाभ प्राप्त करें।

एलआईसी पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने के लिए एलआईसी की योजना

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय जीवन बीमा निगम आज से 21 अक्तूबर तक अपने ग्राहकों के लिए एक विशिष्ट विशेष पुनरुद्धार अभियान ला रहा है, ताकि वे अपनी व्यक्तिगत एलआईसी पॉलिसियों को पुनर्जीवित कर सकें।

यह विशेष पुनरोद्धार अभियान एक अनूठा अभियान है क्योंकि यह सभी गैर-यूलिप नीतियों के लिए विलम्ब शुल्क में बहुत ही आकर्षक रियायत के साथ विस्तारित है। इस विशेष पुनरुद्धार अभियान के तहत यूलिप पॉलिसियों को छोड़कर सभी पॉलिसियों को पॉलिसी शर्तों के अधीन प्रथम अदत्त प्रीमियम की तारीख से 5 वर्षों के भीतर पुनर्जीवित किया जा सकता है। जोखिम कवर की वहनीय बहाली की सुविधा के लिए सूक्ष्म बीमा पॉलिसियों के लिए विलंब शुल्क में 100% की छूट दी गई है, चिकित्सा आवश्यकताओं में कोई रियायत नहीं है। यह अभियान उन पोलिसी धारकों को लाभ पहुंचाने के लिए शुरू किया गया है जो अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण प्रीमियम का भुगतान करने में सक्षम नहीं थे और उनकी पॉलिसी लैप्स हो गई थी। जीवन बीमा कवर आकस्मिक/ अप्रत्याशित जीवन हानि के लिए एक जोखिम प्रबंधन है। यह अभियान एलआइसी के मूल्यवान पॉलिसी धारकों को अपनी व्यपगत पॉलिसियों को पुनर्जीवित करने और अपने परिवार के वित्तीय हितों की रक्षा के लिए बीमा को लाभ जारी रखने का एक दुर्लभ अवसर प्रदान करता है।

अग्र महिला समिति दोमलगुड़ा शाखा द्वारा बड़ी चौड़ी स्थित गवर्नमेंट हाईस्कूल में आवश्यक सामग्री वितरित की गई। इस अवसर पर उपस्थित हैं उमेश गुप्ता, रामगोपाल गुप्ता, शाखा की मुख्य संयोजिका सरला अग्रवाल, उपसंयोजिकाएं पूजा गुप्ता, रश्मि अग्रवाल, सीमा अग्रवाल, मंजेश्वरी गुप्ता, मधु गोयल, मनीषा जालान व अन्य।

अखिल भारतीय सिखवाल ब्राहमण समाज इंदौर के तत्वावधान में निःशुल्क विवाह योग्य युवक-युवतियों का परिचय सम्मलेन 9 अक्टूबर को होगा। इसकी प्रचार सामग्री का विमोचन कार्यक्रम के मुख्य यजमान नंदकिशोर व्यास बिलाल द्वारा संपन्न हुआ। इस अवसर पर स्वजातीय बंधू एवं महिलाएँ उपस्थित थे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बंडी संजय द्वारा की जा रही प्रजा संग्राम यात्रा में शेरिलिंगमपल्ली निर्वाचन क्षेत्र के प्रभारी गज्जला योगानंद ने भाग लिया। हाल ही में पदयात्रा के दौरान भाजपा नेताओं पर टीआरएस के गुंडों के हमले के बारे में बंडी ने संजय से बात की।

आईसीसी महिला एफ़टीपी

2025 तक कुल 301 मैच खेलेंगी महिला टीमें भारत के 65 मैच, दो टेस्ट भी खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। आईसीसी ने साल 2022 से 2025 तक के लिए महिला क्रिकेट का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसकी शुरुआत इसी साल मई के महीने से हो चुकी है और 2025 में भारत में होने वाले महिला विश्व कप के साथ यह खत्म होगा। इस दौरान तीन साल में कुल 301 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले जाएंगे। इसमें सात टेस्ट 159 टी20 और 135 वनडे मैच शामिल हैं। भारत में होने वाले महिला विश्व कप में जगह बनाने के लिए महिला चैंपियनशिप के मैच में भी इसका हिस्सा होंगे। इस दौरान भारतीय टीम कुल 65 मैच खेलेगी, जिसमें दो टेस्ट, 27 वनडे और 36 टी20 मैच शामिल हैं। भारत को एक टेस्ट ऑस्ट्रेलिया और एक इंग्लैंड के खिलाफ खेलना है। आईसीसी ने जो शेड्यूल जारी किया है, उसमें मई के मैच भी शामिल हैं।

इस वजह से भारतीय टीम अब तक तीन वनडे और तीन टी20 मैच पहले ही खेल चुकी है।

इन देशों की मेजबानी करेगा भारत

इस दौरान भारत न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, वेस्टइंडीज और आयरलैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज खेलेगा। वहीं, ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, श्रीलंका और बांग्लादेश का दौरा करेगा। हालांकि, इनमें से श्रीलंका के खिलाफ सीरीज हो चुकी है।

अगले साल भारत आएगी ऑस्ट्रेलियाई टीम

ऑस्ट्रेलियाई महिला टीम 2023-24 की गर्मियों के दौरान एक बार फिर भारत का दौरा करेगी। इस दौरान एक टेस्ट, तीन एकदिवसीय और तीन टी20 मेच खेले जाएंगे। वहीं, भारतीय महिला टीम 2025 की सर्दियों में ऑस्ट्रेलिया जाकर तीन वनडे और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेलेगी। 2022 से 2025 के बीच महिला क्रिकेट में होने वाले सात टेस्ट में से, इंग्लैंड सबसे अधिक पांच टेस्ट खेलेगा। उसके बाद ऑस्ट्रेलिया (चार), दक्षिण अफ्रीका (तीन) और भारत (दो) टेस्ट मैच खेलेगा। आईसीसी के क्रिकेट महाप्रबंधक वसीम खान ने एक बयान में कहा, ₹यह महिलाओं के खेल के लिए बहुत अहम समय है। यह शेड्यूल न केवल भविष्य के क्रिकेट दौरों के लिए निश्चितता देता है बल्कि एक संरचना के लिए आधार भी तैयार करता है जो आने वाले वर्षों में विकसित होना है।

आईसीसी के अनुसार, 2022-25 महिला चैम्पियनशिप में टीमें आमतौर पर 2025 विश्व कप से पहले तीन मैचों की द्विपक्षीय एकदिवसीय श्रृंखला खेलेंगी। इनमें से कई श्रृंखलाओं के साथ टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच भी होंगे, कुछ टीमें पांच मैचों की टी20 श्रृंखला के लिए अपनी सहमति भी दे रही हैं। आईसीसी ने अपने बयान में कहा, ₹सभी द्विपक्षीय टी20 मैच संबंधित टीम रैंकिंग में गिने जाते हैं, जिसके आधार पर टीमें आईसीसी के टूर्नामेंट में जगह बनाती हैं।

जिम्बाब्वे दौरे में चोटिल सुंदर की जगह लेंगे शहबाज

टीम इंडिया में मौका मिला, 18 अगस्त को हरारे स्पोर्ट्स क्लब में पहला मुकाबला खेलेंगे

मुंबई, 16 अगस्त (एजेंसियां)। हरियाणा के स्पिन ऑलराउंडर शहबाज अहमद को जिम्बाब्वे दौरे के लिए टीम इंडिया में शामिल किया गया है। वे चोटिल वाशिंगटन सुंदर की जगह लेंगे। एक काउंटी मैच के दौरान वाशिंगटन सुंदर के कंधे में चोट लगी है।

28 साल के शहबाज लेफ्ट ऑर्म स्पिनर होने के साथ-साथ पावर हिटर भी हैं। वे आईपीएल में आरसीबी का हिस्सा हैं।

बीसीसीआई ने बुधवार को बताया कि शहबाज हरारे स्पोर्ट्स क्लब में 18 अगस्त को पहले वनडे मुकाबले में टीम इंडिया का हिस्सा होंगे। बोर्ड ने दौरे के लिए टीम भी घोषित की है।

अब टीम में दो लेफ्टी स्पिन ऑलराउंडर

शहबाज के शामिल किए जाने से टीम इंडिया में अब 2 लेफ्टी स्पिन ऑलराउंडर हो गए हैं, क्योंकि अक्षर पटेल पहले से ही टीम का हिस्सा है। यहां बता दें कि रवींद्र जडेजा भी लेफ्टी स्पिन ऑलराउंडर हैं, लेकिन वे इस दौरे में टीम का हिस्सा नहीं हैं।

टीम इंडिया प्रैक्टिस में जुटी

टीम इंडिया जिम्बाब्वे पहुंच चुकी है। टीम के खिलाड़ी वहां प्रैक्टिस में जुटे हुए हैं। एक दिन पहले बोर्ड ने एक दिन पहले टीम के प्रैक्टिस करते हुए फोटो पोस्ट किए थे।

आईपीएल-2022 में 219 रन बनाए

बाएं हाथ के ऑलराउंडर शहबाज ने आईपीएल - 2022 में अपनी बल्लेबाजी से सभी को प्रभावित किया है। उन्होंने 120.99 की स्ट्राइक रेट से 219 रन बनाए हैं। शहबाज ने लीग के 29 मैचों में 279 रन बनाए हैं। साथ 13 विकेट भी लिए हैं।

नई टीम

केएल राहुल (कप्तान), शिखर धवन (उपकप्तान), रुतुराज गायकवाड़, शुभमन गिल, दीपक हुड्डा, राहुल त्रिपाठी, ईशान किशन, संजू सैमसन, शार्दुल ठाकुर, कुलदीप यादव, अक्षर पटेल, आवेश खान, प्रसिद्ध कृष्णा, मोहम्मद सिराज, दीपक चाहर, शहबाज अहमद।

फीफा ने भारतीय फुटबॉल संघ को सस्पेंड किया

अक्टूबर में होने वाला अंडर-17 विमेंस वर्ल्ड कप भी टला, भारत से मेजबानी छीनी जा सकती है

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। फीफा ने ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन (एआइएफएफ) को तुरंत प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है। इस वजह से अब भारत में 11 से 30 अक्टूबर के बीच होने वाले फीफा अंडर-17 विमेन वर्ल्ड कप नहीं हो सकेगा। हालांकि फीफा ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि वर्ल्ड कप कब करवाया जाएगा।

फीफा एआइएफएफ में दखल से नाराज

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर एआइएफएफ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को हटाकर कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) का गठन किया था। लेकिन फीफा ने नाराजगी जताते हुए कहा कि

वह थर्ड पार्टी के हस्तक्षेप को नहीं मानता। वह युवा एवं खेल मंत्रालय के संपर्क में भी है। उम्मीद है कि जल्द ही मामले को सुलझा लिया जाएगा।

दरअसल पिछले कुछ महीनों से एआइएफएफ में ठीक-ठाक नहीं चल रहा है। इसी साल सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर खेल मंत्रालय ने फुटबॉल फेडरेशन के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को स्पोर्ट्स कोड के उल्लंघन पर हटा दिया था और फेडरेशन को सस्पेंड कर दिया था। साथ ही खेल के संचालन के लिए कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) का गठन किया। वहीं, 28 अगस्त तक चुनाव के आदेश दिए हैं।

वहीं, फीफा ने फेडरेशन में थर्ड पार्टी के हस्तक्षेप की वजह से एआइएफएफ को सस्पेंड करने का फैसला किया है। साथ ही चेतावनी दी है कि जल्द ही हस्तक्षेप बंद नहीं हुआ तो भारत से फीफा अंडर-17 विमेन वर्ल्ड कप के आयोजन को भी छीना जा सकता है।

प्रफुल्ल पटेल 2009 से फेडरेशन के अध्यक्ष

सुप्रीम कोर्ट ने कुछ महीने पहले ही ऑल इंडिया फुटबॉल संघ के अध्यक्ष प्रफुल्ल पटेल को स्पोर्ट्स कोड के पालन नहीं करने की वजह से उन्हें हटाने के साथ ही एआइएफएफ को सस्पेंड कर उसकी जगह पर कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) का गठन कर दिया था।

पटेल 2009 से एआइएफएफ के अध्यक्ष थे। भारत के स्पोर्ट्स कोड के अनुसार कोई भी व्यक्ति 3 बार से ज्यादा अध्यक्ष नहीं बन सकता। पटेल ने खुद को अध्यक्ष पद से हटाए जाने के बाद एक याचिका दायर करके मांग भी की थी कि जब तक नए संविधान को स्वीकार नहीं कर लिया जाता और नए अध्यक्ष को नहीं चुना जाता तब तक उनके कार्यकाल को बढ़ा दिया जाए, लेकिन कोर्ट ने उनकी मांग को ठुकराते हुए, फुटबॉल के कामकाज को देखने के लिए एक कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स (सीओए) का गठन कर दिया। कमेटी ऑफ एडमिनिस्ट्रेटर्स के अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट के पूर्व जज सीओए में सुप्रीम कोर्ट के ही पूर्व जज एआर दबे इस कमिटी के अध्यक्ष हैं। इसके अलावा, पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त एसवाई कुरैशी और भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व कप्तान भास्कर गांगुली भी इसमें शामिल हैं।

पांच खिलाड़ी जिन पर रहेगी जिम्बाब्वे सीरीज में नजर

एशिया कप से पहले आवेश और अर्शदीप का टेस्ट कुलदीप- ईशान को दिखाना होगा दम

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। टीम इंडिया जिम्बाब्वे के दौरे पर है। केएल राहुल की कप्तानी में भारतीय टीम यहां वनडे सीरीज खेलने जा रही है। इसके लिए भारत ने कई युवा खिलाड़ियों को टीम में जगह दी है। भारत ने जिम्बाब्वे में अब तक 23 वनडे मैच खेले हैं। इस दौरान टीम ने 19 मुकाबलों में जीत हासिल की है, जबकि सिर्फ 4 मैचों में हार का सामना किया है। यहां भारत ने

आखिरी वनडे सीरीज 2016 में खेली थी। इस दौरान भारत ने 3-0 से जीत दर्ज की थी।

भारतीय टीम के नियमित कप्तान रोहित शर्मा से लेकर विराट कोहली, सूर्यकुमार यादव और ऋषभ पंत जैसे खिलाड़ियों को इस सीरीज में आराम दिया गया है। ऐसे में युवा खिलाड़ियों के पास खुद को साबित करने का मौका है। ईशान किशन और कुलदीप यादव जैसे खिलाड़ी इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर टीम इंडिया में अपना दावा मजबूत कर सकते हैं। ऐसे में आइए हम आपको बता रहे हैं कि जिम्बाब्वे सीरीज में किन पांच खिलाड़ियों पर सभी की निगाह रहेगी।

5. दीपक चाहर

लंबे समय बाद भारतीय टीम में वापसी कर रहे दीपक चाहर से इस सीरीज में टीम इंडिया को बहुत उम्मीद होगी। चोट के कारण ये खिलाड़ी आईपीएल 2022 में चेन्नई सुपर किंग्स की टीम का भी हिस्सा नहीं था। दीपक को एशिया कप 2022 के लिए भी टीम इंडिया में स्टैंडबाय

के तौर पर रखा गया है, ऐसे में केएल राहुल की कप्तानी में वह प्लेइंग 11 में खेलते दिखाई दे सकते हैं। 29 साल के दीपक को फरवरी में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की टी-20 सीरीज के दौरान चोट लग गई थी।

शुरुआती ओवरों में अपनी स्विंग गेंदबाजी से विकेट निकालने वाले दीपक बल्ले से भी अच्छा योगदान दे सकते हैं। नवंबर में होने वाले टी-20 वर्ल्ड कप के लिए भी दीपक इस सीरीज में अच्छा प्रदर्शन कर अपना दावा मजबूत करना चाहेंगे।

4. कुलदीप यादव

एशिया कप 2018 में भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले कुलदीप यादव को 2022 के इस मेगा टूर्नामेंट में टीम का हिस्सा तक नहीं बनाया गया है। 2018 के एशिया कप में कुलदीप ने 6 मैच में 10 विकेट

झटके थे। इस बार उनकी जगह रवि बिश्नोई को मौका मिला है। ऐसे में जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में कुलदीप को खुद को साबित करने का मौका है। युजवेंद्र चहल के टीम में ना होने से उन्हें सभी मैचों में मौका मिल सकता है। वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में भी कुलदीप को ज्यादा मौके नहीं मिले थे।

नवंबर में टी-20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया में खेला जाना है। वहां के ग्राउंड बड़े होते हैं। ऐसे में कुलदीप जैसे गेंदबाज को बड़े शॉट लगाना किसी भी बल्लेबाज के लिए आसान नहीं होगा। इस सीरीज में अगर कुलदीप अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो चयनकर्ता उन्हें आगे भी मौका दे सकते हैं।

3. ईशान किशन

कुछ दिन पहले तक रोहित शर्मा

के साथ पारी की शुरुआत करने वाले ईशान किशन को भी एशिया कप में मौका नहीं दिया गया है। जिम्बाब्वे के खिलाफ सीरीज में भी केएल राहुल और शिखर धवन के होते हुए उनकी जगह प्लेइंग इलेवन में कितनी पक्की है, ये देखना दिलचस्प होगा।

एशिया कप में 4 पाकिस्तानियों से भारत को खतरा

बाबर हैं नंबर-1 बल्लेबाज, अफरीदी ने वर्ल्ड कप में टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर को रौंद दिया था

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप में भारत-पाकिस्तान महामुकाबले के लिए महज 13 दिन बाकी हैं। इसे कोहली-बाबर राइवलरी के तौर पर देखा जा रहा है। 28 अगस्त को दुबई में होने वाले इस मुकाबले में टीम इंडिया पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप में मिली करारी हार का बदला लेने के इरादे से उतरेगी, लेकिन पाकिस्तान के कुछ खिलाड़ी ऐसे हैं जो भारतीय टीम के इरादों पर पानी फेर सकते हैं। तो आइए जानते हैं उन 4 पाकिस्तानी क्रिकेटर्स के बारे में जो अपने दम पर किसी भी मैच का रुख पलटने का माद्दा रखते हैं।

1. बाबर आजम

पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम अपने बल्ले से भारत के खिलाफ मैच में बड़ा अंतर पैदा कर सकते हैं। वे वर्तमान में टी-20 और वनडे क्रिकेट में दुनिया के नंबर-1 बल्लेबाज हैं। 2021 की बात करें तो बाबर ने 127.58 के स्ट्राइक रेट से 939 रन स्कोर किए हैं। उनके बल्ले से एक शतक और 9 अर्धशतक आए हैं। वहीं, भारत के खिलाफ इस खिलाड़ी ने एकमात्र टी-20 मैच खेला है और इस मैच में उनके बल्ले से 68 रन की पारी निकली है। भारत के खिलाफ उनका स्ट्राइक रेट 130.76 का है। भारतीय गेंदबाजों को इस

खिलाड़ी को जल्द से जल्द आउट कर पवेलियन भेजना होगा।

2. शाहीन अफरीदी

कप्तान बाबर आजम के बाद टीम इंडिया की दूसरी बड़ी चिंता शाहीन अफरीदी हैं। इस युवा गेंदबाज में नई गेंद से विकेट निकालने की काबिलियत है। वर्ल्ड कप 2021 में अफरीदी ने ओपनर केएल राहुल, रोहित शर्मा और विराट कोहली के विकेट चटकाते हुए टीम इंडिया के टॉप ऑर्डर को तहस-नहस कर दिया था।

22 साल के अफरीदी टेस्ट और वनडे रैंकिंग में दुनिया के दूसरे

नंबर गेंदबाज हैं। हालांकि, टी-20 के टॉप-10 गेंदबाजों में उनका नाम नहीं है। बाएं हाथ के तेज गेंदबाजों के खिलाफ भारतीय बल्लेबाज पिछले कुछ सालों से लगातार संघर्ष करते नजर आए हैं। ऐसे में शाहीन से पार पाना भारतीय बल्लेबाजों के लिए मुश्किल हो सकता है।

3. मोहम्मद रिजवान

टी-20 फॉर्मेट में दुनिया के टॉप-3 बैटर में शामिल 30 साल के मोहम्मद रिजवान ने टी-20 वर्ल्ड कप में भारत के खिलाफ बाबर आजम के साथ मिलकर 152 रन की साझेदारी की थी। भुवनेश्वर कुमार, मोहम्मद शमी, जसप्रीत बुमराह और रवींद्र जडेजा जैसे शानदार गेंदबाज भी इस पार्टनरशिप को तोड़ नहीं पाए थे। दुबई के मैदान पर रिजवान ने 55 गेंदों पर 143.64 के स्ट्राइक रेट से नाबाद 79 रन बनाए थे।

रिजवान ने पिछले साल टी-20 क्रिकेट में 26 पारियों में 73.66 की औसत से 1326 रन बनाए थे और एक साल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बने थे। इतना ही नहीं रिजवान के पास

पारी को संभालने और कभी भी रन गति में बदलाव करने की काबिलियत है जो उन्हें खतरनाक बना देती है।

4. फखर जमान

बाएं हाथ के बल्लेबाज फखर जमान भी भारत के लिए मुश्किलें पैदा कर सकते हैं। 5 साल पहले चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में भारत के खिलाफ फखर जमान ने सेंचुरी जमाई थी और पाकिस्तान के 338 रनों के स्कोर में बड़ा योगदान दिया था। इस मुकाबले में टीम इंडिया को हार का सामना करना पड़ा था।

32 साल के फखर ग्राउंडेड शॉट खेलने में भरोसा रखते हैं। पिछले साल उनके बल्ले से 415 रन आए हैं। इनमें तीन अर्धशतक शामिल हैं।

राफेल नडाल ने की संन्यास का एलान कर चुकीं सेरेना विलियम्स की तारीफ

कहा- महानतम खिलाड़ियों में से एक

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। 23 बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन सेरेना विलियम्स ने नौ अगस्त को बताया था कि वह यूएस ओपन के बाद टेनिस से संन्यास ले लेंगी। इसके बाद से उन्हें बधाई और शुभकामनाएं देने वालों की कतार लगी हुई है। इनमें

स्पेन के राफेल नडाल भी शामिल हो गए हैं। सबसे ज्यादा 22 ग्रैंड स्लैम जीतने वाले पुरुष खिलाड़ी नडाल ने सेरेना को प्रेरणा और महानतम खिलाड़ियों में से एक बताया।

सेरेना 2022 में से तीन में से दो मैच हार चुकी हैं। सिनसिनाटी मास्टर्स में उनका मुकाबला ब्रिटेन की एम्मा रादुकानू से होगा। यूएस ओपन से पहले उनका यह अंतिम डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट होगा। नडाल ने कहा, "उनके साथ कई यादें जुड़ी हैं। वह अब तक की सबसे महान खिलाड़ियों में से एक हैं। मैं उनके साथ लंबी अवधि साझा करने के लिए खुद को भाग्यशाली मानता हूं।"

टेनिस में सेरेना के योगदान को याद करते हुए नडाल ने कहा, बेशक, यह दुखद है कि वह खेल छोड़ रही हैं, लेकिन दूसरी ओर हम उन्हें उन सभी चीजों के लिए पर्याप्त धन्यवाद नहीं दे सकते जो उन्होंने हमारे खेल के लिए किए हैं। मुझे लगता है कि वह दुनिया भर के बहुत से लोगों के लिए एक अद्भुत प्रेरणा है। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं।

विलियम्स लंबे समय से अपने पुराने अंदाज में टेनिस नहीं खेल रही हैं। इसके अलावा वह लगातार टेनिस टूर्नामेंट भी नहीं खेल रही हैं।

केविन ओ'ब्रायन का संन्यास

वर्ल्ड कप में सबसे तेज शतक लगाने वाले आयरलैंड के क्रिकेटर ने लिया संन्यास, आईसीसी ने कहा- एक युग का अंत

नई दिल्ली, 16 अगस्त (एजेंसियां)। आयरलैंड के महान क्रिकेटरों में से एक केविन ओब्रायन ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। 38 साल के स्टार ऑलराउंडर ने अपनी ट्विटर अकाउंट पर एक पोस्ट शेयर करते हुए अपने फैसले की जानकारी दी। उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि वह 16 साल के अपने करियर से संन्यास ले रहे हैं। उन्होंने टीम मैनेजमेंट के फैसले पर निराशा जाहिर करते हुए कहा कि वह ऑस्ट्रेलिया में होने वाले आगामी टी20 वर्ल्ड कप में खेलने के बाद ऐसा करना चाहते थे, लेकिन पिछले एक साल से चयनकर्ताओं द्वारा नजरअंदाज करने के बाद उन्होंने अपने करियर को खत्म करने का फैसला किया।

केविन ओब्रायन ने 22 साल की उम्र मे 2006 में आयरलैंड के लिए डेब्यू किया था। इसके बाद से वह टीम का अहम हिस्सा रहे।

झारखंड क्रिकेट एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष अमिताभ चौधरी का निधन, हार्ट अटैक बताई जा रही वजह

रांची, 16 अगस्त (एजेंसियां)। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के पूर्व अध्यक्ष और झारखंड पब्लिक सर्विस कमिशन (जेपीएससी) के पूर्व चेयरमैन अमिताभ चौधरी का मंगलवार सुबह निधन हो गया। वह भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) में भी अहम रोल अदा कर चुके हैं। वह बीसीसीआई में कार्यकारी सचिव के पद पर रह चुके हैं। बीसीसीआई ने उनके निधन पर शोक जाहिर किया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के मुताबिक अमिताभ का निधन हार्ट अटैक की वजह से हुआ। उन्हें रांची के ही सेंटेविटा अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल में ही उन्होंने

अंतिम सांस ली। वह 62 वर्ष के थे। अमिताभ चौधरी क्रिकेट टीम इंडिया के मैनेजर, राज्य सरकार के झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी भी रह चुके हैं।

झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने उनके निधन पर दुख जताया है। हेमंत ने अपने ट्विटर हैंडल पर लिखा- जेपीएससी के पूर्व अध्यक्ष श्री अमिताभ चौधरी जी के आकस्मिक निधन की दुखद खबर मिली।

पूर्व आईपीएस अधिकारी अमिताभ जी ने राज्य में क्रिकेट के खेल को बढ़ाने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। परमात्मा दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान कर शोक संतप्त परिवार को दुख की घड़ी सहन करने की शक्ति दे।

अमिताभ चौधरी की जन्म 6 जुलाई 1960 को हुआ था। उन्हें दो साल पहले जेपीएससी का अध्यक्ष चुना गया था। इसी साल पांच जुलाई को वह इस पद से रिटायर हुए थे। अमिताभ चौधरी झारखंड के वैसे चर्चित लोगों में शामिल थे जिन्होंने शासन, प्रशासन, क्रिकेट और राजनीति में एक अलग पहचान बनाई। 1985 में आईआईटी खड़गपुर से इंजीनियरिंग करने के बाद वह यूपीएससी की परीक्षा पास करने के बाद बिहार कैडर के आईपीएस बने।

ट्रेन में सफर करने वाले बच्चों के लिए टिकट बुकिंग से जुड़े नियम में कोई बदलाव नहीं

5 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए मुफ्त यात्रा की अनुमति, बर्थ बुक करना वैकल्पिक

नई दिल्ली/ हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में कुछ मीडिया रिपोर्ट्स आई हैं जिनमें दावा किया गया है कि भारतीय रेलवे ने ट्रेन में यात्रा करने वाले बच्चों के लिए टिकट बुकिंग के संबंध में नियम बदल दिया है। इन रिपोर्ट्स में दावा किया गया है कि अब एक से चार साल की उम्र के बच्चों को ट्रेन में सफर करने के लिए टिकट लेना होगा। दमरे के अधिकारियों के अनुसार ये समाचार और मीडिया रिपोर्ट भ्रामक हैं।

भारतीय रेलवे ने ट्रेन में यात्रा करने वाले बच्चों के लिए टिकटों की बुकिंग के संबंध में कोई बदलाव नहीं किया है। यात्रियों की मांग पर उन्हें टिकट खरीदने और अपने 5 साल से कम उम्र के बच्चे के लिए बर्थ बुक करने का विकल्प दिया गया है। और अगर उन्हें अलग बर्थ नहीं चाहिए तो यह मुफ़्त है, जैसा पहले हुआ करती थी।

रेल मंत्रालय के 6 मार्च वर्ष 2020 के एक परिपत्र में कहा गया है कि पांच साल से कम उम्र के बच्चों को मुफ्त में ले जाया जाएगा।

हालांकि, अलग बर्थ या सीट (कुर्सी कार में) नहीं दी जाएगी। इसलिए किसी भी टिकट की खरीद की आवश्यकता नहीं है बशर्ते अलग बर्थ का दावा न किया जाए। तथापि, यदि 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों के लिए स्वैच्छिक आधार पर बर्थ/सीट मांगी जाती है तो पूर्ण वयस्क किराया वसूल किया जाएगा।

बिजली आपूर्ति करने में तेलंगाना आदर्श राज्य : केसीआर

मुख्यमंत्री ने मेड्चल–मलकाजगिरी कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन किया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री केसीआर ने कहा कि तेलंगाना राज्य ने सभी क्षेत्रों में अकल्पनीय जीत दर्ज की है और यह बिजली आपूर्ति प्रदान करने में एक आदर्श बन गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि हैदराबाद में 24 घंटे बिजली कटौती हो रही है, जबकि राष्ट्रीय राजधानी नई दिल्ली में 24 घंटे बिजली आपूर्ति की ऐसी सुविधा नहीं है। बुधवार को हैदराबाद के बाहरी इलाके शमीरपेट में मेडचल मलकाजगिरी कलेक्ट्रेट परिसर का उद्घाटन करने के बाद एक जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि आजादी के बाद से संयुक्त आंध्र प्रदेश में कई बड़ी हस्तियां लगातार सरकारें चलाती रही हैं, लेकिन कोई भी सभी खंडों को 24 घंटे बिजली आपूर्ति प्रदान करने में सफल नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यह टीआरएस सरकार के कारण ही संभव हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि मुझे यह कहते हुए गर्व हो रहा है कि तेलंगाना राज्य देश का एकमात्र राज्य है, जो सभी क्षेत्रों के लिए 24 घंटे निर्बाध गुणवत्ता वाली बिजली की आपूर्ति कर रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तेलंगाना ने आठ साल की छोटी सी अवधि में तेजी से प्रगति और प्रगति की है और राज्य के गठन के बाद से इसने कई शानदार जीतें देखी हैं। केसीआर ने लोगों से अन्य राज्यों के साथ तेलंगाना की प्रगति की तुलना करने और यह देखने का भी आग्रह किया कि हमारे जीवन के मानक अन्य राज्यों में रहने वाले अन्य लोगों की तुलना में कैसे बेहतर हैं। जब तेलंगाना राज्य का गठन हुआ था, तब राज्य का जीएसडीपी लगभग पांच लाख करोड़ था। चालू वित्त वर्ष तक यह बढ़कर 11,50 लाख करोड़ रुपये हो गया। केसीआर ने कहा कि राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि राजस्व में वृद्धि के लिए एक-एक पैसा उपयोगी तरीके से खर्च किया जाए और योजनाबद्ध तरीके से पूंजीगत व्यय किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा, "तेलंगाना राज्य की प्रति व्यक्ति आय साल दर साल देश के औसत से बढ़ रही है।" उन्होंने कहा कि तेलंगाना में ऐसी कोई जगह नहीं है, जहां पीने का सुरक्षित पानी उपलब्ध न होने की बात कही गई हो।

वे दिन गए, जब पीने का पानी लेने के लिए बड़ी संख्या में महिलाएं अपने बर्तनों के साथ कतार में खड़ी थीं। पीने के पानी को लेकर कोई झगड़ा नहीं है। केसीआर ने कहा कि मिशन भगीरथ जनता की प्यास बुझाने के लिए राज्य सरकार के समर्पित प्रयासों का जीता-जागता उदाहरण है।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ ताकतें जाति और धर्म के नाम पर लोगों को बांटने की कोशिश कर रही हैं और लोगों से उनसे सतर्क रहने का आग्रह किया। मेड्चल मलकाजगिरी जिले के शमीरपेट कस्बे के निकट अंताईपल्ली गांव में 30 एकड़ भूमि में 56.20 करोड़ रुपये की लागत से समाहरणालय का निर्माण किया गया। इस मौके पर मंत्री वेमुला प्रशांत रेड्डी और मल्ला रेड्डी, जिला कलेक्टर हरीश, विधायक और अन्य निर्वाचित प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

लगातार बारिश ने कपास किसानों की उम्मीदों पर पानी फिरा

करीमनगर, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। लगातार बारिश ने कपास किसानों की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। हाल के वर्षों में पहली बार, पिछले डेढ़ महीने के दौरान जिले में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई, जिसके परिणामस्वरूप कपास के खेत बारिश के पानी में डूब गए। राज्य के कुछ इलाकों में बारिश का पानी खेतों से नहीं उतरा है। हालांकि अधिकांश इलाकों में बारिश का पानी जमीन में रिस चुका है, लेकिन अभी तक मिट्टी की स्थिति सामान्य नहीं हो पाई है। कपास की खेती के लिए उपयुक्त, काली मिट्टी की भूमि लगातार वर्षा के साथ-साथ लंबे समय तक पानी के ठहराव के कारण क्षतिग्रस्त हो गई है।

नतीजतन, कपास के पौधों की वृद्धि इसकी बुवाई के दो महीने बाद भी अपेक्षित ऊंचाई तक नहीं पहुंच पाई है। विकास में बाधा डालने के अलावा, पौधे विभिन्न प्रकार के रोगों के संपर्क में भी आए हैं। इसके अलावा, खरपतवार की अंधाधुंध वृद्धि किसानों के लिए एक बड़ी चुनौती बन रही है। जबकि कुछ किसानों ने फसल छोड़ दी, उनमें से अधिकांश ने समस्या को दूर करने और खरपतवार कीटों का छिड़काव करने के प्रयास शुरू कर दिए।

रामदुगु मंडल के वेदिरा के एक काश्तकार किसान, गुरराम भूमैया ने कहा कि कपास के पौधों की वृद्धि में बाधा आ रही है, क्योंकि लंबे समय तक लगातार बारिश और पानी के ठहराव के कारण मिट्टी गीली थी। उसने जून में फसल बोई थी और पौधे को घुटने की ऊंचाई तक बड़ा होना चाहिए था लेकिन पौधे 20 दिन पुराने लग रहे थे। वह आमतौर पर हर साल एक एकड़ जमीन में आठ से दस क्विंटल कपास का उत्पादन करते हैं। हालांकि उन्हें इस बार कम से कम दो से तीन क्विंटल मिलने की उम्मीद नहीं थी। तीन एकड़ जमीन के मालिक भुमैया ने सात एकड़ में अतिरिक्त काश्तकार के आधार पर कपास और धान की खेती की। एक अन्य किसान ने कहा कि कपास के पौधों की तुलना में खरपतवार अधिक ऊंचाई में उगते हैं, जिसके परिणामस्वरूप बाद वाले खेत में दिखाई नहीं दे रहे थे। अभी तक कीटों को दो से दो माह पुराने पौधों पर छिड़काव करना पड़ता था। हालांकि, लगातार बारिश और बारिश के पानी के रुकने के कारण वह ऐसा करने में असफल रहे।

इसके अलावा, वे खेत को हल करने में असमर्थ हैं। जिला कृषि अधिकारी ने कहा कि किसानों के समय पर कुछ काम नहीं करने से पौधों की वृद्धि में बाधा आ रही है।

लगातार बारिश और लंबे समय तक पानी के ठहराव ने किसानों को खरपतवार साफ करने और उर्वरक का छिड़काव करने से रोक दिया। नतीजतन, पौधे निशान तक बढ़ने में विफल रहे। यह बताते हुए कि खरपतवार साफ करके खाद का छिड़काव करने से पौधे बढ़ेंगे, उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी कीमत पर उपज में 2 क्विंटल प्रति एकड़ की गिरावट आ सकती है। कृषि विभाग के आंकड़ों के मुताबिक जिले में करीब 42,000 एकड़ में कपास की खेती होती थी।

स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव के तहत 10,000 यूनिट रक्त एकत्र किया गया

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने सिद्दीपेट में रक्तदान शिविर में भाग लेते हुए कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव के तहत बुधवार को राज्य भर में रक्तदान शिविरों के माध्यम से 10,000 यूनिट रक्त एकत्र किया है। मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव के निर्देशों के बाद, स्वास्थ्य विंग ने अन्य सरकारी विभागों के साथ मिलकर प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र से कम से कम 75 यूनिट रक्त एकत्र करने के लक्ष्य के साथ शिविर आयोजित किया। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी स्वास्थ्य सुविधाओं में रक्तदान शिविर आयोजित किए गए जिसमें स्वास्थ्य कर्मियों के अलावा स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया और अपना रक्तदान किया। रक्त की एकत्रित इकाइयों को प्रसंस्करण के लिए विभिन्न सरकारी रक्त बैंकों में ले जाया गया, जिसमें रक्त को लाल कोशिकाओं, सफेद कोशिकाओं, प्लेटलेट्स और प्लाज्मा में अलग करना शामिल है। जरूरत के हिसाब से ये ब्लड कंपोनेंट्स मरीजों को उपलब्ध कराए जाते हैं। एक दाता से एकत्र किए गए रक्त की एक इकाई में तीन व्यक्तियों के जीवन को बचाने की क्षमता होती है क्योंकि दान किया गया रक्त विभिन्न घटकों में टूट जाता है। देश में रक्तदान को लेकर कई तरह की भ्रांतियां जारी हैं। तीन से चार महीने में एक बार रक्तदान करना सुरक्षित है। मंत्री ने लोगों से जन्मदिन और शुभ अवसरों जैसे विशेष अवसरों पर रक्तदान करने का आग्रह किया और कहा, "दान की गई एक यूनिट भी किसी के जीवन को बचाने में एक लंबा रास्ता तय करेगी।

कंपनी सचिव के प्रोफेशनल और एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम का परिणाम 25 को

नई दिल्ली/हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय कंपनी सचिव संस्थान ने आज घोषणा की है कि इस साल जून महीने में ली गई प्रोफेशनल प्रोग्राम और एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम के लिये कंपनी सचिव परीक्षा का परिणाम 25 अगस्त को घोषित कर दिया जायेगा।

संस्थान ने जारी एक विज्ञप्ति में बताया कि प्रोफेशनल प्रोग्राम का परिणाम 25 अगस्त को 11 बजे और एक्जीक्यूटिव प्रोग्राम का परिणाम उसी दिन दो बजे घोषित किया जायेगा।

संस्थान ने यह भी कहा है कि परिणाम की घोषणा के तुरंत बाद परीक्षार्थी व्यक्तिगत विषय-वार संस्थान की बेवसाइट डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डाट आईसीएसआई डाट इडीयू पर लागइन कर परिणाम सहित मार्कशीट अपने सदर्भ और रिकार्ड के लिये डाउनलोड कर सकेंगे। संस्थान द्वारा केवल परिणाम और मार्कशीट प्रोफेशनल प्रोग्राम परीक्षा की ही हार्ड कॉपी उपलब्ध कराई जायेगी।

टीआरएस ने लगाया रक्तदान शिविर

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। स्वतंत्रता के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में स्वतंत्र भारत वज्रोत्सव समारोह के तहत बुधवार को यहां तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) पार्टी के मुख्यालय तेलंगाना भवन में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। टीआरएस सांसद केशव राव और एमएलसी कल्वाकुंतला कविता ने संयुक्त रूप से शिविर का उद्घाटन किया और दूसरों की जान बचाने के लिए स्वेच्छा से रक्त देने के लिए सभी दानदाताओं की सराहना की।

विधायक मगंटी गोपीनाथ और दानम नागेंद्र, जीएचएमसी मेयर गडवाल विजया लक्ष्मी और अन्य टीआरएस नेता उपस्थित थे। इस बीच, मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा लोगों से स्वतंत्र भारत वज्रोत्सवुलु समारोह के हिस्से के रूप में रक्तदान करने के लिए कहे जाने के बाद, स्वास्थ्य विभाग राज्य भर के सभी विधानसभा क्षेत्रों में रक्तदान शिविर आयोजित कर रहा है।

स्वास्थ्य मंत्री टी. हरीश राव ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग ने लगभग 10,000 यूनिट रक्त एकत्र करने का लक्ष्य रखा है और राज्य भर के सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और शिक्षण अस्पतालों में शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

शशिधर रेड्डी ने आलाकमान को भ्रामक रिपोर्ट भेजने के लिए टीपीसीसी को फटकार लगाई

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता मैरी शशिधर रेड्डी ने बुधवार को तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कामकाज पर नाराजगी व्यक्त की और नई दिल्ली में आलाकमान को गुमराह करने के लिए राज्य के नेताओं की आलोचना की। उनकी टिप्पणी का महत्व तब बढ़ गया जब एआईसीसी महासचिव और तेलंगाना मामलों के प्रभारी मनिकम टैगोर हैदराबाद आए और मुनुगोड़े उपचुनाव के लिए पार्टी को तैयार करने के लिए नेताओं के साथ कई बैठकें कीं। पीसीसी अध्यक्ष ए. रेवंत रेड्डी के परोक्ष संदर्भ में, उन्होंने एक स्थानीय समाचार चैनल के साथ एक साक्षात्कार में कहा, कि गांधी भवन के समानांतर एक अलग कार्यालय चल रहा है और तदनुसार नेतृत्व को गुमराह करने के लिए पार्टी आलाकमान को रिपोर्ट भेजी गई है।

उन्होंने विधायक कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी के इस्तीफे के अगले दिन मुनुगोडे में एक जनसभा आयोजित करने के लिए टीपीसीसी में दोष पाया। मुनुगोड़े में बैठक को जल्दबाजी में कराने के बजाय राज्य नेतृत्व को कुछ दिन और इंतजार करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि पार्टी नेतृत्व राजगोपाल रेड्डी को लुभाने में विफल रहा, जिन्होंने बार-बार कहा कि वह टीपीसीसी में समस्याओं के कारण कांग्रेस छोड़ने की योजना बना रहे थे।

सहकर्मी ने साथी को मौत के घाट उतारा

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। शमीरपेट में एक व्यक्ति की उसके सहकर्मी ने कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी। हत्या का कारण पूर्व की रंजिश होने की आशंका जताई जा रही है। बिहार का रहने वाला शिवदुलार राम (55) तीन साल पहले शहर आया था और बोम्मरसीपेट में एक निजी फर्म के लिए सुरक्षा गार्ड के रूप में काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार, शिव दुलार राम के सहकर्मी विजय मरावी ने पूर्व के खिलाफ उसकी शराब पीने की आदत के बारे में प्रबंधन से शिकायत करने में उसकी भूमिका पर संदेह किया और उसके बारे में ड्यूटी के लिए अनियमित होने के बारे में शिकायत की. उसने कथित तौर पर राम पर एक बोल्डर से हमला किया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसे मरने के लिए छोड़ दिया। शमीरपेट पुलिस ने विजय को गिरफ्तार कर लिया है।

पुलिस ने कांग्रेस नेताओं के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया : भट्टी विक्रमार्क

कोत्तागुडेम, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। सीएलपी नेता भट्टी विक्रमार्क ने कोठागुडेम और वारंगल जिले में सिंचाई परियोजनाओं का दौरा करने जा रहे पार्टी विधायकों के साथ पुलिस के व्यवहार की आलोचना की है।

बुधवार को येलंदु में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने शिकायत की कि भद्राचलम में पुलिस ने उनके साथ, कांग्रेस विधायकों और नेताओं के साथ आतंकवादियों जैसा व्यवहार किया। हिरासत में लेने के बाद कांग्रेस नेताओं को बिना किसी सूचना के पुलिस वाहनों में ले जाया गया कि उन्हें कहां ले जाया जा रहा है। रात के समय जंगलों में इधर-उधर घूमने के बाद नेताओं को पलोंचा थाने लाया गया। सूचना मिलने पर कि कांग्रेस के कार्यकर्ता थाने में आ रहे हैं, नेताओं को फिर से येलांडु में सिंगरेनी गेस्ट हाउस ले जाया गया।

सीएलपी नेता ने कहा कि पुलिस ने गैर जिम्मेदाराना तरीके से रात में नेताओं को बिना सुरक्षा के गेस्ट हाउस में छोड़ दिया, विक्रमार्क ने शिकायत की और जिला कलेक्टर और एसपी की कथित गैरजिम्मेदारी की निंदा की। हालांकि मुख्य सचिव, डीजीपी और सिंचाई अधिकारियों को दस दिन पहले ही सूचित कर दिया गया था कि सीएलपी की टीम बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करेगी, लेकिन उन्होंने परियोजनाओं के निर्माण में सरकार की गलतियों को छिपाने के लिए सुरक्षा के बहाने दौरे को रोका। बाद में विक्रमार्क, एमएलसी जीवन रेड्डी, विधायक श्रीधर बाबू और सीथक्का मुलुगु, भूपालपल्ली और कालेश्वरम के दौरे के लिए रवाना हुए। उनके पीछे बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता और नेता भी थे।

लोगों को सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए सरकार प्रयासरत : इंद्रकरण

आदिलाबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। आदिलाबाद जिले में आसरा पेंशन योजना के तहत 57 वर्ष से अधिक आयु के 70,000 से अधिक लोगों को लाभ मिलेगा, सरकार ने पहली बार भारतीय स्वतंत्रता के हीरक जयंती समारोह को चिह्नित करने के लिए राज्य में 10 लाख लोगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन प्रदान करने की घोषणा की है। अब तक इस योजना का विस्तार 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लिए किया जा रहा है।

संबंधित अधिकारियों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, आदिलाबाद जिले में 15,474 व्यक्तियों को मासिक आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। जहां आदिलाबाद शहरी मंडल को सबसे अधिक पेंशन 2,735, मावला मंडल को सबसे कम 124 पेंशन मिलने जा रही है। इस जिले में योजना के तहत 63,444 व्यक्तियों को पहले से ही वित्तीय सहायता दी जा रही है।

निर्मल जिले में 19,576 व्यक्ति पेंशन से लाभान्वित होने जा रहे हैं। जिले में पहले से ही असरा योजना के तहत कुल 135,390 लाभार्थियों को कवर किया जा रहा है। 12,974 बुजुर्ग व्यक्ति, 3,308 विधवाएं, 1,360 विकलांग व्यक्ति मौद्रिक सहायता प्राप्त करने वाले नए पेंशनभोगियों में से हैं।

इस बीच, मंचेरियल जिले में 22,127 लाभार्थियों को कवर किया जाएगा। 13,074 व्यक्तियों, 5,301 विधवाओं और 1,427 विकलांग व्यक्तियों को लाभ मिलेगा। वर्तमान में कुल 81,623 पेंशन 65 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों और विकलांग व्यक्तियों और विधवाओं को दी जा रही है।

इसी तरह, कुमरम भीम आसिफाबाद जिले को 13,436 नई पेंशन मंजूर की गई, जिसमें 45,000 से अधिक पेंशन मौजूद थी। 76वें स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान लाभार्थियों को पहले ही पहचान पत्र दिए जा चुके हैं। ग्रामीण विकास विभाग की एक शाखा, सोसाइटी फॉर एलिमिनेशन ऑफ रूरल पॉवर्टी के अधिकारियों के अनुसार, उन्हें एक या दो महीने में वित्तीय सहायता मिलने की संभावना है।

संदिग्ध परिस्थितियों में मृत मिला तकनीकी विशेषज्ञ

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। एक तकनीकी विशेषज्ञ मंगलवार देर रात मणिकोंडा स्थित अपने अपार्टमेंट में संदिग्ध परिस्थितियों में मृत पाया गया। आशंका जताई जा रही है कि उसकी मौत आत्महत्या से हुई है।

आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के गन्नावरम के मूल निवासी ई. भार्गव रेड्डी (31) माधापुर में एक निजी फर्म के लिए काम कर रहे थे और पिछले एक साल से पुप्पलगुडा के अलकापुर कॉलोनी के एक अपार्टमेंट में अपने दोस्तों साई संदीप और जशवंत के साथ रह रहे थे। पुलिस के मुताबिक भार्गव पिछले एक महीने से परेशान था, हालांकि उसने इस बात का खुलासा अपने परिवार वालों या करीबी दोस्तों से नहीं किया। पिछले हफ्ते साईं संदीप और जशवंत लंबे सप्ताहांत में अपने पैतृक स्थानों पर गए थे, और रेड्डी अपार्टमेंट में अकेले थे। मंगलवार को जब उसके दोस्त लौटे तो दरवाजा अंदर से बंद था।

मामला दर्ज करने और जांच करने वाली नरसिंगी पुलिस ने कहा, "बार-बार दस्तक देने के बाद भी, जब अंदर से कोई प्रतिक्रिया नहीं हुई, तो दरवाजा खोला गया और वह बेडरूम में फर्श पर मृत पाया गया।"

युवक ने आत्महत्या की

हैदराबाद, 17 अगस्त (स्वतंत्र वार्ता)। 26 वर्षीय एक व्यक्ति ने मंगलवार की रात अपने घर में कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। मीरपेट में एनबीआर कॉलोनी निवासी आर नागार्जुन एक निजी स्टोर पर काम करता था और अपने परिवार के साथ रहता था। मंगलवार की शाम वह बेडरूम में गया और बाद में फांसी पर लटका मिला। परिजनों ने पुलिस को बताया कि उसकी तबीयत खराब थी। शव को मोर्चरी में रखवाया और पोस्टमार्टम के बाद परिवार को सौंप दिया। मामला दर्ज किया गया था।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

रामदेव ज्योतिष
मो. 8801305757
जन्म कुंडली, संतान प्राप्ति, विवाह-सगाई में देरी, व्यापार में घाटा, मोहिनी वशीकरण, किया-कराया, सास-बहू में असंतोष, सौतन समस्या, घर में अशांति, शत्रुनाश, प्रेम समस्या, लक्ष्मी बंधन, पति-पत्नी में अनबन, भूमि लाभ आदि सभी समस्याओं का समाधान।
विश्वसनीय राजस्थानी पंडित जी
घर पर आकर सेवाएँ देने और फ़ोन पर भी सुविधा उपलब्ध।
माँ-बहनें निःसंकोच अपना घर-मंदिर समझ कर पधार सकती हैं।
बात गुप्त रहेगी, फ़ीस केवल : 200/-
काचीगड़ा, हैदराबाद. समय : 10.00 से 6.00 बजे तक

बैद्यनाथ
असली आयुर्वेद
कब्ज़ एवं पाईल्स की चिकित्सा में सहायक
सिड्पाईल्स
टैबलेट
बवासीर, फिस्टुला, कब्ज़, गुदा मार्ग की सूजन, जलन, चुभन, खुजली, असहनीय वेदना आदि तकलीफें दूर करने में सहायक।
SIDPILES TABLET For Piles
अभयामृत
पुराने से पुराने कब्ज़ को दूर कर पाचन ठीक रखने में सहायक।
I. NO. MP25E/08/040137
वैद्यकीय सलाह : 8448444935
www.baidyanath.co

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.